THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 308 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **माघ कृ.1 2080 शुक्रवार, 26 जनवरी-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16** **मूल्य : 8 रुपये**

पहले की सरकारों ने शासकों जैसा बर्ताव किया : मोदी

समाज को बांटकर सत्ता पाई, मौसम खराब था तो दिल्ली से बुलंदशहर कार से पहुंचे

बुलंदशहर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार 25 जनवरी को बुलंदशहर में जनसभा की। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों ने शासकों जैसा बर्ताव किया। जनता को अभाव में रखा और समाज को बांटकर सत्ता पाते रहे। मौसम खराब होने के चलते प्रधानमंत्री दिल्ली से बुलंदशहर का 90 किमी का सफर कार से तय किया।

पीएम ने यहां 20 हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण और शिलान्यास किया। करीब 30 मिनट के भाषण में पीएम ने यूपी के पूर्व सीएम कल्याण सिंह को भी याद किया। उन्होंने कहा, इस क्षेत्र ने देश को कल्याण सिंह जैसा सपूत दिया। जिन्होंने रामकाज और राष्ट्रकाज दोनों के लिए अपना जीवन समर्पित किया। आज वो जहां हैं, अयोध्या धाम को देखकर आनंदित हो रहे होंगे। ये हमारा सौभाग्य है कि देश ने कल्याण सिंह और उनके जैसे अनेक लोगों का सपना पूरा किया है। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के 3 दिन बाद पीएम का यह उत्तर प्रदेश में पहला दौरा था। पीएम के साथ मंच पर सीएम योगी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी मौजूद रहे। योगी ने जनसभा से कहा कि आपका स्नेह प्रधानमंत्री को मौसम की विपरीत स्थिति में दिल्ली से बाई रोड ले आया।

आपने ऐसा कोई प्रधानमंत्री नहीं देखा होगा। कल्याण सिंह को राम मंदिर आंदोलन के पुरोधा के तौर पर जाना जाता है। बुलंदशहर उनका गृह जिला है। उन्होंने रामकाज और राष्ट्रकाज के लिए जीवन समर्पित किया। इसके अलावा पीएम ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा, राष्ट्र प्रतिष्ठा, देव से देश के मार्ग का जिक्र किया।

फर्स्ट टाइम वोटर्स से बोले पीएम मोदी

आप पर विकास की जिम्मेदारी, बताएं भाजपा का मैनिफेस्टो कैसा हो

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 जनवरी को नेशनल वोटर्स डे के मौके पर फर्स्ट टाइम वोटर्स को वर्चुअली संबोधित किया। मोदी ने युवाओं से कहा, आपको अगले 25 साल में अपना और देश का भविष्य तय करना है। स्थानीय, जिले, राज्य और केंद्र स्तर पर होने वाले चुनाव में आपकी जिम्मेदारी बड़ी होगी।

पीएम मोदी ने इस मौके पर युवाओं से अनुरोध किया कि वे माई भारत ऑर्गेनाइजेशन से जुड़ें। पीएम ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र कैसा होना चाहिए, इस बारे में आप लोग अपनी सोच और सुझाव नमो ऐप के जरिए मेरे साथ जरूर शेयर करें। पीएम मोदी ने कहा, जिस तरह 1947 से 25 साल पहले युवाओं पर देश को आजाद कराने का दारोमदार था। उसी तरह 2047 तक यानी अगले 25 सालों में आप पर भारत को विकसित देश बनाने की जिम्मेदारी है। आज के भारत में आपका नाम स्वर्णाक्षरों में कैसे लिखा जाए, ये आपको तय करना है। >14

राष्ट्रपति का देश के नाम संबोधन : राम मंदिर और कर्पूरी ठाकुर का किया जिक्र

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संख्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी देशवासियों को संबोधित किया। अपने 23 मिनट के संबोधन में उन्होंने राम मंदिर का जिक्र किया साथ ही कर्पूरी ठाकुर को भी श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रपति ने कहा कि 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। हमारे गणतंत्र का 75वां वर्ष कई अर्थों में देश की यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। हमारा देश स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ते हुए अमृत काल के प्रारंभिक दौर से गुजर रहा है। यह भारत अमृत काल को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि 22 जनवरी को हम सबने अयोध्या में श्रीराम के जन्मस्थान पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक समारोह देखा। उचित न्यायिक प्रक्रिया और देश की सर्वोच्च अदालत के फैसले के बाद मंदिर का निर्माण शुरू हुआ। अब यह एक भव्य इमारत के रूप में खड़ा है, जो न केवल देश की शोभा बढ़ाता है बल्कि लोगों के विश्वास की अभिव्यक्ति के साथ-साथ न्यायिक प्रक्रिया में लोगों के भारी विश्वास का प्रमाण भी है। >14

भगवान राम जाति को नहीं मानते थे : केजरीवाल

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सरकार के द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लिया। छत्रसाल स्टेडियम में राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। जहां मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि भगवान राम से हमें त्याग की सीख मिलती है। उन्होंने कभी जाति को नहीं माना था। राम राज्य में सभी अपने धर्म का पालन करते हैं।

गणतंत्र दिवस के संबोधन में सीएम केजरीवाल ने कहा कि रामायण की तरह राम राज्य की परिभाषा के अनुसार शहर पर शासन करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली में शिक्षा व्यस्था को बदला। दिल्ली में राम राज्य से प्रेरित होकर शासन किया।

लालू से खफा नीतीश छोड़ेंगे गठबंधन का साथ

बिहार विधानसभा चुनाव भी लोकसभा के साथ होने की अटकलें!

पटना, 25 जनवरी (एजेंसियां)। इंडिया गठबंधन का नेता न बनाए जाने से नाराज नीतीश कुमार गठबंधन का साथ छोड़ एनडीए खेमे में वापसी करने की चर्चाएं तेज हैं। यदि ऐसा होता है तो लोकसभा चुनाव के ठीक पहले यह सबसे बड़ा उलटफेर होगा। इसके बाद नरेंद्र मोदी का बिहार का किला भी मजबूत हो जाएगा। जहां पिछले लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन ने 40 में से 39 सीटों पर जीत हासिल की थी। नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव के साथ आ जाने के बाद बिहार में भाजपा के लिए मुश्किल पैदा होने की संभावना जताई जा रही थीं। लेकिन बड़ा प्रश्न यह है कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव के बीच यह उलझनें कैसे पैदा हो गईं?

नीतीश कुमार के एक करीबी ने बताया कि बिहार भाजपा के कुछ नेताओं के बयानों से नाराज नीतीश कुमार को अपनी पार्टी को लेकर भी चिंता होने लगी थी। इसके बाद ही उन्होंने लालू प्रसाद यादव से संपर्क कर जदयू को राजद के साथ लाने का निर्णय किया था। लेकिन इस समझौते में लालू प्रसाद यादव की तरफ से तेजस्वी यादव को बिहार का अगला मुख्यमंत्री बनाने और नीतीश कुमार को केंद्र की राजनीति में राजद की तरफ से सहयोग देने की बात कही गई थी। लेकिन जब इंडिया गठबंधन बना और ममता बनर्जी-अरविंद केजरीवाल ने इसके संयोजक के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रस्तावित कर दिया, तो नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव से नाराज हो गए। दरअसल, उन्हें इस बात की जानकारी मिल गई कि राजद उनका उपयोग कर तेजस्वी यादव को बिहार की राजनीति में सेट करना चाहती है, लेकिन इसके बदले में उन्हें कुछ देना नहीं चाहती। जदयू नेता ने कहा कि जब ममता बनर्जी खड़गे को इंडिया गठबंधन का नेता बनाने की बात कह रही थी, तब यदि लालू प्रसाद यादव चाहते तो नीतीश कुमार का नाम संयोजक के तौर पर आगे बढ़ा सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। नीतीश कुमार ने माना कि लालू प्रसाद यादव उनसे विश्वासघात कर रहे हैं। इसके बाद ही नीतीश कुमार उस बैठक के बाद तुरंत पटना लौट आए थे।

सात महीने कांग्रेस में रहने के बाद

पूर्व सीएम ने कर ली बीजेपी में 'घर वापसी', पार्टी में हुए दोबारा शामिल

बेंगलुरु, 25 जनवरी (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को करारा झटका लगा है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस का दामन थामने वाले जगदीश शेट्टर की फिर से भाजपा में 'घर वापसी' हो गई है। दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में पूर्व सीएम-वरिष्ठ पार्टी नेता बीएस येदियुरप्पा और प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र की मौजूदगी में जगदीश शेट्टार फिर से बीजेपी में शामिल हो गए। वह पिछले साल अप्रैल में बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह से मुलाकात की है। उन्होंने पिछले साल अप्रैल में बीजेपी छोड़ दी थी और कांग्रेस में शामिल हो गए थे। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने उन्हें हुबली-धारवाड़ से चुनाव में टिकट दिया था लेकिन वह हार गए थे।

इसके बाद पार्टी ने उन्हें एमएलसी बनाया था। जगदीश शेट्टर पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के साथ कर्नाटक में प्रमुख लिंगायत नेता हैं। शेट्टर का जन्म कर्नाटक के केरूर में हुआ था। उन्होंने 1980 के दशक में जनता पार्टी के साथ अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की थी। बाद में वह 1994 में भाजपा में शामिल हो गए। छह बार के भाजपा विधायक ने 2012 और 2013 के बीच कर्नाटक के सीएम रहे।

डीआरडीओ ने किया बड़ा ऐलान

मार्च तक शुरू होगा देश की इस शक्तिशाली सुपरसोनिक मिसाइलों का निर्यात

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने एक बड़ा ऐलान किया है। डीआरडीओ ने ऐलान करते हुए जानकारी दी है कि इस साल मार्च तक वह देश की शक्तिशाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस का निर्यात शुरू कर देगा। माना जा रहा कि ये देश के रक्षा क्षेत्र में यह पूरी तरह आत्मनिर्भर बनने की कोशिश में एक बड़ी उपलब्धि होगी। इस ऐलान की जानकारी खुद डीआरडीओ प्रमुख समीर वी। कामत ने न्यूज एजेंसी एएनआई के जरिए की है।

आ सकते हैं विदेशों से ऑर्डर

डीआरडीओ प्रमुख समीर वी। कामत ने जानकारी देते हुए कहा कि डीआडीओ इस साल मार्च तक ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की निर्यात शुरू करेगा। आगे कहा कि डीआरडीओ अगले 10 दिन में ही इन मिसाइलों की ग्राउंड सिस्टम्स का निर्यात शुरू करेगा। इसके अलावा डीआरडीओ ने जिन 307 एटीएजीएस बंदूकों को डेवलप किया है और जिनका निर्माण भारत फोर्ज और टाटा एडवांस्ड सिस्टम जैसी प्राइवेट सेक्टर की कंपनियां कर रही हैं, इनके भी इस वित्तीय वर्ष के अंत तक विदेशों से ऑर्डर आ सकते हैं।

इस देश के साथ हुआ था मिसाइलों को लेकर सौदा

गौरतलब है, जनवरी 2022 में भारत और फिलीपींस के बीच ब्रह्मोस मिसाइलों को लेकर 375 मिलियन डॉलर की डील हुई थी। इसी के तहत फिलीपींस को मिसाइलों की डिलीवरी होनी है। 290 किमी रेंज वाली इन मिसाइलों का निर्यात अपनी तरह का पहला समझौता था। इस डील के तहत 2 सालों में एंटी-शिप वर्जन की 3 मिसाइल बैटरियों का भी एक्सपोर्ट होना है। इसी कड़ी माना जा रहा कि इन ब्रह्मोस मिसाइलों को फिलीपींस को एक्सपोर्ट किया जाएगा।

कई देशों ने दिखाई थी दिलचस्पी

जानकारी के लिए बता दें कि ब्रह्मोस मिसाइल को खरीदने में दक्षिण एशिया के कई देशों ने दिलचस्पी दिखाई है। जिसमें इंडोनेशिया, वियतनाम जैसे देश शामिल हैं। पिछले साल ही खबर आई थी वियतनाम ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर 625 मिलियन डॉलर का सौदा भारत के साथ करना चाहता है।

रामचरितमानस विवाद

स्वामी प्रसाद मौर्य की याचिका पर योगी सरकार को नोटिस, एससी ने 4 सप्ताह में मांगा जवाब

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने आज यूपी सरकार को नोटिस जारी किया है। मौर्य ने रामचरितमानस पर विवादित टिप्पणी मामले में प्रतापगढ़ में लंबित आपराधिक केस रद्द करने की मांग की है, जिसपर अब कोर्ट ने 4 सप्ताह में जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत की कार्यवाही पर अंतरिम रोक भी लगा दी है। इससे पहले मौर्य ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे खारिज कर दिया गया था।

इलाहाबाद कोर्ट ने खारिज की थी याचिका

बता दें कि रामचरितमानस की प्रतियां जलाने को लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ प्रतापगढ़ जिले में केस दर्ज किया गया है। इसी को रद्द करने के लिए मौर्य ने इलाहाबाद कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद मौर्य पर केस चलाने का रास्ता साफ हो गया था, हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट ने सपा नेता को राहत दी है।

कोर्ट ने कही थी ये बात

इलाहाबाद कोर्ट ने कहा था कि मौर्य के खिलाफ आरोप पत्र को पढ़कर ये स्पष्ट है सपा नेता के खिलाफ केस चलाने के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। इसलिए इस कारण उन्हें कोई राहत नहीं दी जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि नेताओं को सामाजिक सौहार्द खराब करने वाले कार्यों से दूर रहना चाहिए।

'मैं अंतिम पैराग्राफ पढ़ने जा रहा हूं'

केरल गवर्नर ने 2 मिनट में खत्म किया भाषण और विधानसभा से चले गए

तिरुवनंतपुरम, 25 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और सत्तारूढ़ वाम मोर्चा के बीच तनाव गुरुवार को भी जारी रहा, जब वह नए साल में सत्र के पहले दिन अपने पारंपरिक संबोधन के लिए राज्य विधानसभा पहुंचे। राज्यपाल ने भाषण का केवल आखिरी पाराग्राफ पढ़ा। भाषण 60 पेज से अधिक का था। राज्यपाल खान सुबह 9 बजे विधानसभा पहुंचे और उन्होंने अपना अभिभाषण 9 बजकर दो मिनट से भी पहले समाप्त कर दिया और वह 9 बजकर चार मिनट पर सदन से रवाना हो गए। नेता प्रतिपक्ष वीडी। सतीसन ने विधानसभा का अनादर करने के लिए खान की आलोचना की। सतीसन ने कहा, ऐसा नहीं होना चाहिए था। विपक्ष के उपनेता पीके। कुन्हालीकुट्टी ने कहा कि सब कुछ एक झटके में खत्म हो गया और विधानसभा का मजाक उड़ाया गया। कुन्हालीकुट्टी ने कहा, हम उनका स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे थे लेकिन उन्होंने हमारी तरफ देखा ही नहीं।

सरकार और राज्यपाल के बीच कई मुद्दों पर मतभेद

खान और माकपा नीत केरल सरकार के बीच कई मुद्दों पर मतभेद हैं जिनमें राज्य में विश्वविद्यालयों के कामकाज का मुद्दा और विधानसभा द्वारा पारित कुछ विधेयकों पर उनके द्वारा हस्ताक्षर नहीं करना प्रमुख हैं। दोनों सार्वजनिक स्थान पर एक-दूसरे पर हमला कर रहे हैं और यह गुरुवार को भी जारी रहा जब खान विधानसभा पहुंचे। हालांकि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और उनकी पार्टी ने खान का स्वागत किया, लेकिन खान और विजयन को छोड़कर सभी मुस्कुरा रहे थे। विजयन ने जब गुलदस्ता खान को सौंपा, उन्होंने तुरंत इसे अपने सहयोगी को दे दिया और चेहरा बनाकर विधानसभा के अंदर चले गए।

राज्यपाल और सीएम ने एक-दूसरे को किया नजरअंदाज

उन्होंने कहा कि सदन को संबोधित करते हुए उन्हें खुशी हो रही है। उन्होंने कहा, अब, मैं अंतिम पैराग्राफ पढ़ने जा रहा हूं। आखिरी पैराग्राफ पढ़ने के बाद, खान वहां से चले गए। जब वो सदन से जा रहे थे, उस वक्त भी खान और विजयन ने एक-दूसरे की ओर नहीं देखा। इंतजार कर रहे मीडिया ने जब राज्यपाल से इसका कारण पूछा तो उन्होंने हाथ जोड़ लिए और कार में बैठकर चले गए।

एक और बाघिन की मौत, गश्ती पर निकले वनकर्मियों को मिला शव

उमरिया, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मानपुर बफर परिक्षेत्र में बाघिन का शव मिला है। जिसकी सूचना मिलने पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की टीम मौके पर पहुंची और अब शव का पीएम करने के बाद अंतिम संस्कार भी किया गया। जानकारी के अनुसार ही मानपुर बफर परिक्षेत्र की चिल्हारी बीट के पटपरहा हार में गश्ती कर रहे जंगल विभाग के कर्मियों को बुधवार दोपहर करीब 1 बजे बाघिन का शव दिखाई दिया। वन कर्मियों ने मामले की सूचना अधिकारियों को दी। इसके बाद अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर आसपास के क्षेत्र में गश्त भी शुरू की है। बाघिन की उम्र लगभग 2 वर्ष बताई जा रही है। जहां अब जानकारी मिलने के बाद डॉक्टरों की टीम ने शव का पोस्टमॉर्टम किया और इसके बाद उसका अंतिम संस्कार किया गया है।

मुख्तार अंसारी के बेटे को 'सुप्रीम' राहत

इस मामले में एससी ने गिरफ्तारी पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन के लिए दर्ज एक आपराधिक मामले में गिरफ्तारी से राहत दे दी। जस्टिस हृषिकेश रॉय और जस्टिस पीके मिश्रा की पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया। अंसारी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि मुख्य आरोपी को मामले में नियमित जमानत दी गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पिछले साल 19 दिसंबर को अंसारी की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी थी और कहा था कि मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए अपराध बनता है। 4 मार्च, 2022 को मऊ जिले के कोतवाली पुलिस स्टेशन में अब्बास अंसारी (मऊ सदर सीट से एसबीएसपी उम्मीदवार), उमर अंसारी और 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि 3 मार्च 2022 को पहाड़पुरा मैदान में अब्बास अंसारी, उमर अंसारी और आयोजक मंसूर अहमद अंसारी ने एक सार्वजनिक बैठक में मऊ प्रशासन के साथ हिसाब-किताब करने का आह्वान किया। यह चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का मामला है।

कंधे का दर्द बताकर आए युवक ने डॉक्टर को जड़े कई थप्पड़, झगड़े का शोर सुनकर दौड़े दूसरे चिकित्सक

गुरुग्राम, 25 जनवरी (एजेंसियां)। सेक्टर-82 ए में स्थित एक क्लिनिक में मंगलवार शाम को कंधे का दर्द बताकर उपचार के लिए एक युवक ने चिकित्सक को थप्पड़ जड़ दिए। लड़ाई का शोर सुनकर दूसरे चिकित्सक मौके पर आए तो युवक जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित चिकित्सक की शिकायत पर खेड़की दौला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सेक्टर-82 ए निवासी पीयूष यादव ने पुलिस को बताया कि उनका सेक्टर-82 ए स्थित वाटिका टाउन स्कायर में नूवा हेल्थ केयर ऑर्थोपैडिक्स के नाम से क्लिनिक है। उन्होंने बताया कि शाम करीब साढ़े सात बजे दो युवक उनके क्लिनिक पर आए। उनमें से एक युवक ने अपने कंधे में दर्द की शिकायत बताई। वह युवक की जांच करने के लिए हाथों को सैनेटाइजर से साफ करने लगे तो अचानक से युवक ने कहा कि हम इतने बुरे आदमी हैं,

फगवाड़ा के समाजसेवी परिवार की बहू की आस्ट्रेलिया में मौत

समुद्र में तीन रिश्तेदारों के साथ डूबी

कपूरथला, 25 जनवरी (एजेंसियां)। फगवाड़ा के समाजसेवी सोंधी परिवार की बहू की आस्ट्रेलिया में डूबने से मौत हो गई है। परिजनों के मुताबिक रीमा सोंधी आस्ट्रेलिया में घूमने गई थी। जहां फिलिप द्वीप के समुद्र में डूबने से उनकी मौत हो गई। दीपक सोंधी ने बताया कि उनकी भाई संजीव सोंधी और भाभी रीमा सोंधी के साथ कुछ दिन पहले फगवाड़ा से आस्ट्रेलिया अपने परिजनों से मिलने गई थी। आज उनको सूचना मिली कि रीमा सोंधी की पानी में डूबने से मौत हो गई है। हादसे में रीमा सोंधी के साथ उनके मायके के दो रिश्तेदारों की भी मौत हो गई है, जबकि एक

अन्य को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद सोंधी परिवार गहरे सदमे में है। जब हादसा हुआ तब संजीव सोंधी भी पत्नी के साथ मौजूद था लेकिन वह पानी में डूबने से बाल-बाल बच गया। दीपक सोंधी ने कहा कि उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि उनके परिवार के साथ ऐसी त्रासदी होगी। रीमा सोंधी के शव को आस्ट्रेलिया से फगवाड़ा लाकर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

कर्नाटक में ओपीएस लागू, सीएम सिद्धारमैया ने कहा- सरकारी कर्मचारियों से वादा निभाया

बेंगलूरू, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलूरू में सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य सरकार के कर्मचारियों की ओल्ड पेंशन स्कीम की मांग को पूरा कर दिया है। राज्य सरकार ने एनपीएस यानी न्यू पेंशन स्कीम को रद्द करने का आदेश जारी कर दिया है। राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी कर कहा है कि अप्रैल 2006 से पहले नियुक्त सरकारी कर्मचारियों को ओपीएस के दायरे में लाया जायेगा।

राज्य सरकार ने साफ किया है कि यह योजना सभी सरकारी कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। ओपीएस केवल उन्हीं कर्मचारियों पर लागू होगा जो अप्रैल 2006 से पहले भर्ती हुए थे। इसी के

साथ पुरानी पेंशन योजना के लिए छह शर्तें लगाई गई हैं।

ओपीएस में लागू होंगी ये 6 शर्तें

सरकारी कर्मचारियों को खुद ही पुरानी पेंशन योजना में शामिल होने के लिए सहमत होना होगा।

केवल अप्रैल 2006 से पहले भर्ती अधिसूचना के माध्यम से चयनित कर्मचारी ही इसके पात्र होंगे।

यदि कोई पुरानी पेंशन योजना में हैं तो दोबारा बदलने की अनुमति नहीं होगी।

यदि कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना के तहत नहीं आते हैं, तो वे नई राष्ट्रीय पेंशन योजना में बने रहेंगे।

पुरानी पेंशन योजना के लिए आवेदन केवल 30 जून 2024 तक करना होगा।

13 हजार कर्मचारियों को होगा लाभ- सीएम

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर शेयर किया कि- चुनाव से पहले जब एनपीएस कर्मचारी हड़ताल पर थे तो मैंने वहां का दौरा किया था और सत्ता में आने के बाद मांग पूरी करने का वादा किया था। उन्होंने लिखा कि हमें लगता है कि हमारे फैसले से सभी 13,000 एनपीएस कर्मचारियों को लाभ मिलेगा।

सरकारी कर्मचारियों ने किया था आंदोलन

गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव से पहले सरकारी कर्मचारियों ने वोट फॉर ओपीएस का अभियान चलाया था। लोगों ने कहा था कि हम उस पार्टी को वोट देंगे जो एनपीएस योजना को रद्द कर पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करेगी। सिद्धारमैया उस समय विपक्ष के नेता थे। उन्होंने उस जगह का दौरा किया था जहां राज्य सरकार के कर्मचारी विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने तब कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद मांग को पूरा करने का वादा किया था।

लाखों मराठों ने मुंबई की ओर निकाला लॉन्ग मार्च, लगाए 'एक मराठा, लाख मराठा' के नारे

मुंबई, 25 जनवरी (आईएएनएस)। 'एक मराठा, लाख मराठा' के नारे लगाते हुए, लाखों मराठों ने गुरुवार सुबह पुराने मुंबई-पुणे राजमार्ग से होते हुए लोनावाला से मुंबई की ओर मार्च निकाला। पुणे पुलिस के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए, शिवबा संगठन के नेता मनोज जारांगे-पाटिल और अन्य आयोजकों ने मूल नियोजित मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे से रास्ता बदल दिया।

शुक्रवार की सुबह (26 जनवरी - गणतंत्र दिवस), लाखों मराठा अलग-अलग एंट्री प्वाइंट्स से मुंबई में आना शुरू कर देंगे। आयोजकों का दावा है कि समुदाय के तीन करोड़ लोगों ने मार्च के आह्वान का जवाब दिया है और राज्य भर से लोग यहां एकत्र हो रहे हैं। जारांगे-पाटिल 20 जनवरी को जालना में अपने अंतरावली-सारोटे गांव से शुरू होने के बाद से चल रहे हैं, उनका मकसद गणतंत्र दिवस पर देश की वाणिज्यिक राजधानी की घेराबंदी करने का है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मंत्री दीपक केसरकर और अन्य नेताओं ने मराठों से मुंबई तक अपना लॉन्ग मार्च वापस लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार उन्हें कोटा देने के लिए सकारात्मक और प्रतिबद्ध है और इसकी घोषणा फरवरी में विधानमंडल के विशेष सत्र में की जाएगी। हालांकि, जारांगे-पाटिल ने यह स्पष्ट किया, कि उन्होंने सरकार को 7 महीने का समय दिया था और आगे कोई विस्तार देने के मूड में नहीं है, और संकल्प लिया कि आरक्षण दिए जाने तक मराठा मुंबई नहीं छोड़ेंगे।

जोरहाट पुलिस ने असम कांग्रेस प्रमुख भूपेन बोरा को जारी किया नोटिस

31 जनवरी को पेश होने के दिए आदेश

कोलकाता, 25 जनवरी (एजेंसियां)। जोरहाट जिला पुलिस ने असम कांग्रेस प्रमुख भूपेन कुमार बोरा को उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर के संबंध में नोटिस जारी किया है और उन्हें 31 जनवरी को जांच अधिकारी के सामने पेश होने के लिए कहा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर बात की। सरमा ने कहा कि यह कैसी यात्रा थी? इसकी टाइमिंग देखिए। उन्होंने असम में बड़ा सांप्रदायिक टकराव भड़काने की साजिश रची थी। इसकी एक झलक हमें गुवाहाटी में देखने को मिली, लेकिन उनकी बड़ी साजिश राम मंदिर प्राणप्रतिष्ठा के दौरान असम से होकर गुजरने की थी और राज्य में झड़प हो गई। लेकिन हमारी पार्टी के लोगों और रामभक्तों ने खुद को संयमित रखा। उन्होंने असम में कुछ भी अप्रिय नहीं होने दिया। मैं राहुल गांधी से कहना चाहता हूं। असम की जनता आपको आपके अहंकार के लिए लोकसभा में देखेगी। मैं आज आपको यह वचन देता हूं - असम में कांग्रेस को और भी कम सीटें मिलेंगी और हम उन्हें अच्छे अंतर से हराएंगे।

बच्चे नहीं होने पर पति को आया गुस्सा, पत्नी के प्राइवेट पार्ट को जलाया

इंदौर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर से दिल दहला देने वाला घटनाक्रम निकालकर सामने आया है, जहां शादी के बाद बच्चे नहीं होने पर पति को इतना गुस्सा आया कि उसने पत्नी का प्राइवेट पार्ट ही जला दिया।

पति की हरकत के बाद पत्नी ने पुलिस से मामले की शिकायत की जिसके बाद पुलिस ने आरोप पति को हिरासत में ले लिया है। मामला बेटमा का बताया जा रहा है, जहां पति ने पत्नी के प्राइवेट पार्ट को गर्म वस्तु से दाग दिया। पति की इस हरकत से नाराज महिला ने पुलिस के पास पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

शिवराज के 'मामा के घर' पर नेता प्रतिपक्ष की नजर

आखिर इस बंगले पर क्यों जता रहे हैं अपना दावा?

भोपाल, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवास को 'मामा के घर' के तौर पर पहचाना जाता है। अब इस मामा के घर पर विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की नजर है। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस आवास को आवंटित करने का आग्रह किया है। दरअसल, राज्य के मुख्यमंत्री के पद पर शिवराज सिंह चौहान 18 साल तक रहे और अब वे 74 बंगला क्षेत्र में बी। 8-9 में निवासरत हैं। बी 8-9 दो बंगले थे, जिन्हें मिलाकर एक बंगला बनाया गया है। इस आवास को पूर्व मुख्यमंत्री ने 'मामा का घर' नाम दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव को एक पत्र लिखकर बी-

9 आवास आवंटित करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि शासकीय आवास क्रमांक बी-9 मध्य प्रदेश के आदिवासी वर्ग की पहली महिला उपमुख्यमंत्री जमुना देवी को नेता प्रतिपक्ष होने के नाते वर्षों आवंटित रहा है। वह आदिवासी समुदाय की नेता होने के साथ-साथ मेरी बुआ भी थी और बचपन से ही इस बी-9 शासकीय आवास में मैंने उनको दिन-रात प्रदेश के सर्वहारा वर्ग की सेवा में जुटे देखा है। भावनात्मक रूप से मेरा इस शासकीय आवास से लगाव भी है। उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि नेता प्रतिपक्ष होने के नाते मुझे उक्त शासकीय आवास आवंटित किया जाए।

इस सरकारी बंगले की कहानी

दरअसल, इस सरकारी बंगले की कहानी कुछ ऐसी है कि बी-9 से लगा बी-8, 74 बंगला मामा का घर है। शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री पद से हटाने के बाद यहां पर शिफ्ट हुए हैं। इसी से लगे बी-9 में शिवराज सिंह चौहान का दफ्तर संचालित होता है। 74 बंगले के बी-9 बंगले का मामला विधानसभा में भी गूंज चुका है। तत्कालीन कांग्रेस विधायक विनय सक्सेना ने शिवराज सिंह चौहान के घर से लगे बी-9 सरकारी आवास को डिस्मेंटल करने का आरोप लगाया था और करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद सरकारी आवास को डिस्मेंटल करने पर सवाल भी खड़े किए थे।

नामांतरण के मामले में लापरवाही करने पर भोपाल कलेक्टर ने पटवारी को किया सस्पेंड

भोपाल, 25 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के टीटीनगर सर्कल में एक महिला पटवारी की लापरवाही के चलते कलेक्टर ने उन्हें निलंबित करने का निर्णय लिया है। संभागायुक्त डॉ पवन कुमार शर्मा द्वारा दिए गए निराकरण के निर्देश के बावजूद, पटवारी ने विभिन्न राजस्व प्रकरणों में समय पर रिपोर्ट नहीं लगाई थी। इस पर सख्त निर्णय लेते हुए भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने पटवारी अनुराधा पटेल को निलंबित कर दिया है।बता दे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने नामांतरण को लेकर प्रदेश के अधिकारियों और पटवारी को चेतावनी दी थी कि अगर रजिस्ट्री होने के बाद एक महीने के अंदर आमंत्रण नहीं होता है तो इसे लापरवाही मानी जाएगी

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

अपनी सूक्ष्म कमजोरियों का चिन्तन करके उन्हें मिटा देना-यही स्व-चिन्तन है

वोट देने का अधिकार लोगों के हाथ में हथियार की तरह : राज्यपाल

जेएनटीयू में मतदाता दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने कहा कि वोट का अधिकार लोगों के हाथ में हथियार की तरह है। वह गुरुवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाने के लिए कुकटपल्ली के जेएनटीयू ऑडिटोरियम में 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मुख्य अतिथि थीं। इस अवसर पर बोलते हुए, राज्य के राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने कहा कि वोट लोगों के हाथ में एक हथियार है और इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। ऐसे कार्यक्रम में शामिल होना बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि मतदान करना और बेहतर भविष्य तय करना हमारे हाथ में है। उन्होंने कहा कि राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले युवाओं ने बहुत खुशी के साथ मतदान किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य का चुनाव बिना किसी अप्रिय घटना के सफल रहा और यह बहुत खुशी की बात है कि राज्य भर में 3.26 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्य चुनावों के दौरान, घरेलू मतदान देश के लिए एक आदर्श बन गया है। राज्यपाल ने मतदान के मामले में विशेषकर युवाओं से कहा कि वे मतदान के दिन को अपना भविष्य तय करने का दिन समझें न कि अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि मतदान केंद्रों पर कतार लगी रही और लोग वोट नहीं डाल सके।

उन्होंने कहा कि दूसरे देशों में जाने के मामले में उन्हें एयरपोर्ट पर घंटों लाइन में लगना पड़ेगा। राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने हैदराबाद में आईटी कंपनियों को यह भी याद दिलाया कि राज्य चुनाव आयोग ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में वोट देने का अधिकार रखने वाले लोगों को छुट्टियां देने की सुविधा प्रदान की है। उन्होंने यह सोचने का आह्वान किया कि वोट एक गोली है। राज्य की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने कहा कि इस चुनाव

में पहली बार मतदाताओं की बड़ी संख्या गर्व की बात है। उन्होंने युवाओं से मतदान के अधिकार को जिम्मेदारी समझते हुए अनिवार्य रूप से मतदान करने का आह्वान किया। चुनाव आयोग ने कहा कि उन्हें पोलिंग बूथ पर और सुविधाएं मुहैया करानी चाहिए।

जो दिव्यांग और बुजुर्ग मतदान केंद्र तक नहीं आ सकते, उनके लिए घर से ही वोट देने की व्यवस्था करना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यदि अच्छे लोग चुने जाएं तो सुशासन प्रदान किया जा सकता है। भारत लोकतंत्र की जननी की तरह है। इसकी रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है। राज्य चुनाव आयुक्त पार्थसारथी ने कहा कि 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर उन्होंने राज्य में विधानसभा चुनावों की हालिया सफलता के लिए चुनाव अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने अब्राहम लिंकन के शब्द याद दिलाये कि वोट करें। युवाओं को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में युवाओं को मतदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले स्थानीय निकाय चुनावों में ग्रामीण इलाकों में वोट का प्रतिशत बढ़ा, लेकिन हैदराबाद जैसे शहरों में कम हुआ। संसदीय चुनाव में गांवों और कस्बों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए और अधिक प्रयास किये जाने चाहिए। इस संबंध में उन्होंने विशेषकर युवाओं से आगे आकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आह्वान किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विकास राज ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन 2011 से किया जा रहा है। बताया गया कि 2023 में 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले 9,99,667 नए मतदाताओं का पंजीकरण किया गया।

राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन ने 75वें गणतंत्र दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। आज, जब हम 1950 में अपने संविधान की स्थापना पर विचार कर रहे हैं, तो आइए पिछले 74 वर्षों के दौरान हमें दिए गए अमूल्य अधिकारों और मूल्यों के लिए आभार व्यक्त करें। हमारा संविधान एक कम्पास के रूप में कार्य करता है, जो हमें स्वतंत्र अभिव्यक्ति, सम्मानजनक जीवन और शिक्षा और रोजगार में समान अवसरों की ओर मार्गदर्शन करता है। अक्सर, हम इन विशेषाधिकारों का उनके मूल को पहचाने बिना ही आनंद लेते हैं।

राज्यपाल ने एमएलसी के रूप में कोदंडराम, आमेर अली खान के नामों को मंजूरी दी

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदर्या राजन ने गुरुवार को राज्यपाल कोटे के तहत एमएलसी के रूप में प्रोफेसर कोदंडराम, संपादक आमेर अली खान की नियुक्ति को मंजूरी दे दी। चूंकि राज्य सरकार ने राज्यपाल के कोटे के तहत दोनों व्यक्तियों को एमएलसी के रूप में नामित किया है, तमिलिसाई सौंदरराजन ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है और कोदंडराम और आमेर अली खान की नियुक्ति पर अपनी सहमति दे दी है।

2018 में, तेलंगाना जन समिति (टीजेएस) के अध्यक्ष कोदंडाराम ने कांग्रेस के साथ गठबंधन में तेलंगाना विधानसभा चुनाव लड़ा।

नालसर वीसी ने संविधान और आम आदमी पर भाषण दिया

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आज एनएएलएसएआर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के कुलपति प्रोफेसर श्रीकृष्ण देव राव ने जीआईटीएएम स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज (जीएसएचएस) में "संविधान और आम आदमी पर विचार" पर एक प्रेरणादायक वार्ता दी। गणतंत्र दिवस टॉक श्रृंखला के भाग के रूप में आयोजित किया गया। अपने भाषण के दौरान, प्रोफेसर राव ने भारत के जीवंत लोकतंत्र और संविधान के प्रमुख स्तंभों पर जोर दिया जो कानून के शासन, संविधान की सर्वोच्चता, लोकतंत्र और एक निष्पक्ष और सुलभ न्यायपालिका को कायम रखते हैं।

प्रोफेसर राव ने संवैधानिक साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डाला और व्यक्तियों को संविधान के साथ जुड़ने, अपने विचार विकसित करने और इसमें निहित मौलिक अधिकारों और निर्देशक सिद्धांतों को समझने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आम आदमी के लिए अदालतों तक पहुंचने और उनकी शिकायतों को दूर करने के साधन के रूप में जनहित याचिका (पीआईएल) के महत्व के बारे में भी बात की। वार्ता के दौरान प्रोफेसर राव ने संविधान के निर्माण, प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, नीति-निर्देशक सिद्धांत, मौलिक कर्तव्य और संवैधानिक परिवर्तनों पर प्रकाश डालते हुए भारतीय संविधान के सात विचारों, उद्देश्यों और लक्ष्यों पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय संविधान एक जीवंत दस्तावेज है, जो स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों को दर्शाता है और एक न्यायपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष समाज बनाने का प्रयास करता है।

राहुल गांधी की रैली में सीएम नीतीश कुमार नहीं होंगे शामिल

पटना, 25 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पूरे देश में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' पर निकले हुए हैं। राहुल गांधी की यात्रा का कार्यक्रम बिहार में भी संभावित है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 29 जनवरी को बिहार पहुंचेगी। कहा जा रहा था कि सीएम नीतीश कुमार 30 जनवरी को इस यात्रा में शामिल हो सकते हैं, बताया कि सीएम नीतीश कुमार इसमें अब शामिल नहीं होंगे। 30 जनवरी को सीएम नीतीश कुमार का पहले से कार्यक्रम तय है।

शकील अहमद खान ने सीएम नीतीश से की थी मुलाकात

भारत जोड़ो न्याय यात्रा का औपचारिक न्योते देने के लिए बिहार कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने बुधवार को नीतीश कुमार से मुलाकात की थी। शकील खान ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे की न्योते वाली चिट्ठी नीतीश कुमार को सौंपी थी। कांग्रेस ने नीतीश कुमार को 30 जनवरी में पूर्णिया में राहुल गांधी की रैली में होने का न्यौता दिया था, लेकिन 30 जनवरी को सरकारी कार्यक्रम का हवाला देकर नीतीश कुमार ने कांग्रेस को मना कर दिया।

'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' बिहार के 7 जिलों से गुजरेगी

बता दें कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 29 जनवरी को बिहार में प्रवेश करेगी। किशनगंज के रास्ते प्रवेश करने वाली यात्रा 30 जनवरी, को पूर्णियां पहुंचेगी जहां राहुल गांधी एक विशाल रैली को संबोधित करेंगे। इस यात्रा को लेकर बिहार मीडिया कमेटी के चेयरमैन प्रेमचन्द्र मिश्रा ने बताया कि इसके बाद 31 जनवरी को कटिहार में रैली होगी और 1 फरवरी को अररिया होते हुए यात्रा झारखंड में प्रवेश कर जाएगी। उनके मुताबिक, दो चरणों में होने वाली यह यात्रा बिहार के 7 जिलों से गुजरेगी और कुल 425 किलो मीटर की दूरी तय करेगी।

सीएम योगी ने गणतंत्र दिवस को लेकर दिए निर्देश

बोले, विद्वेष फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें

लखनऊ, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर अराजक तत्व माहौल खराब करने का प्रयास कर सकते हैं। इस दौरान किसी गीत-संगीत और नारेबाजी से किसी की धार्मिक भावनाओं का अपमान नहीं होना चाहिए। यदि कोई विद्वेष फैलाने का प्रयास करता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी विजय कुमार ने गणतंत्र दिवस पर सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त करने के निर्देश मातहतों को दिए। उन्होंने संवेदनशील एवं अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा निर्धारित एसओपी के मुताबिक सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही सभी कमिश्नरेट व जिलों में नियमित रूप से प्रातकालीन पोस्टर पार्टी का गठन कर चेकिंग कराने के निर्देश दिए, ताकि असामाजिक तत्व सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने का प्रयास न कर सकें। डीजीपी ने गणतंत्र दिवस के आयोजनों की अचूक सुरक्षा व्यवस्था के लिए समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं पुलिस बल को उच्च सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्राओं की समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

धैर्यपूर्वक दर्शन करने की अपील की गई थी और भक्त इसका पालन कर रहे हैं- आचार्य सत्येंद्र दास

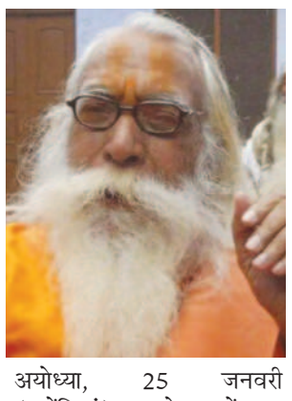

अयोध्या, 25 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ जारी है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से यह चौथा दिन है। 22 जनवरी से भक्तों के लिए दर्शन खुले हैं। पहले दो दिनों में भारी भीड़ उमड़ी, अब लोग धैर्यपूर्वक दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धैर्यपूर्वक और शांति से दर्शन करने की अपील की गई थी और भक्त इसका पालन कर रहे हैं। इस बीच गुरुवार को सुबह-सुबह कोहरे और ठंड का सामना करते हुए भक्त अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में राम लला के दर्शन के लिए पहुंचते रहे। कर्नाटक के बेंगलुरु के एक भक्त प्रियराम ने कहा, हम वर्षों से इंतजार कर रहे थे और आज रामलला के दर्शन करने का अवसर मिला। मैं इसे शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। मैं बहुत भावुक हूं। मैं यहां सुबह 2 बजे पहुंचा। बेंगलुरु के एक अन्य श्रद्धालु सिद्धलिंगेश्वर ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। हम दर्शन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं। आईजी रेंज अयोध्या प्रवीण कुमार ने भीड़ प्रबंधन के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया, जिसमें लोग सबसे पहले पवित्र स्नान करते हैं। आसपास के इलाकों से लोग पैदल आ रहे हैं। एक-एक किलोमीटर लंबी दो कतारें हैं। कोई भी सामान सार्वजनिक सुविधा केंद्र (पीएफसी) में रखना होगा। वहां बैगेज स्कैनर लगाए गए हैं।

लोगों से कम सामान लाने की अपील

उन्होंने कहा कि बाहरी लोगों की सुरक्षित यात्रा के लिए सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में सुधार किया गया है। हम लगातार सुरक्षा का आश्वासन दे रहे हैं। आने वाले भक्त अनुशासन के साथ दर्शन कर रहे हैं। लोगों में उत्साह है, लेकिन कोई अव्यवस्था नहीं है। प्रशासन, और, पुलिस कर्मी माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर अच्छा काम कर रहे हैं। प्रवीण कुमार ने लोगों से अपील की कि वे अयोध्या में राम मंदिर में बेहतर अनुभव के लिए अपना सामान कम करें। उन्होंने कहा, ₹हम लोगों से समय बचाने के लिए कम सामान लाने की अपील करते हैं।

नौसड़ में शुरू होगा पहले हाइब्रिड एनिमल इंसीनरेटर का निर्माण नगर निगम ने सौंपी जमीन

गोरखपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। पशुओं के शव को दफनाने की जगह अब क्रिमेटोरियम में दाह किया जाएगा। नगर निगम जिले के पहले क्रिमेटोरियम (हाइब्रिड एनिमल इंसीनरेटर) का निर्माण नौसड़ में कराने जा रहा है। इसके लिए चयनित फर्म पीएम प्रोजेक्ट एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को जमीन ट्रांसफर की दी गई है। जल्द ही इसका निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। गोरखपुर और बस्ती मंडल का पहला क्रिमेटोरियम नौसड़ के बरिया टोला में 0.84 हेक्टेयर जमीन पर बनेगा। पहले यह प्रोजेक्ट गुलरिहा में लगाया जा रहा था। जमीन को पिछले महीने अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह ने अतिक्रमण से मुक्त कराया था।

यूपी के शाहजहांपुर में भीषण सड़क हादसा

ट्रक और टैंपो की आमने सामने की टक्कर में 12 श्रद्धालुओं की मौत

शाहजहांपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। शाहजहांपुर में ट्रक और टैंपो की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गई। टक्कर में टैंपो सवार करीब एक दर्जन लोग मारे गए। ट्रक ड्राइवर ट्रक छोड़कर फरार हो गया। सुबह घने कोहरे के चलते यह हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि टैंपों में गंगास्नान के लिए जा रहे श्रद्धालु सवार थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतकों में 8 पुरुष, 3 महिलाएं और एक बच्चा है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। थाना अल्लाहगंज क्षेत्र के सुगसुगी गांव के पास स्टेट हाईवे की घटना।

ऑटो में सवार थे श्रद्धालु

यह घटना सुबह 11 बजे की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, टैंपों में सवार श्रद्धालु शाहजहांपुर के थाना मदनापुर के गांव दमगड़ा से गंगा स्नान के लिए ढाई घाट जा रहे थे। उन्हें रास्ते में ट्रक ने रौंद दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाहजहांपुर में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है, साथ ही घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। सीएम योगी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

कानपुर में हुए ब्लास्ट के बाद सीज किया गया मकान, जांच में हुए चौंकाने वाले खुलासे

कानपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बजरिया के कंघी मोहाल मोहल्ले में हुए धमाके में फोरेंसिक टीम को बारूद में पोटेशियम नाइट्रेट मिला है। मंगलवार को हुए धमाके में मकान के तीसरे मंजिल की छत और दीवारें ध्वस्त हो गई थीं। धमाका इतना जोरदार था कि दो किलोमीटर तक इसकी गूंज सुनाई दी थी। अनुमान लगाया जा रहा है कि 40 किलो से ज्यादा केमिकल था। फोरेंसिक टीम ने मौके से मलबे के अंश इकट्ठे किए थे, जिसमें भारी मात्रा में पोटेशियम नाइट्रेट मिला है। इसका उपयोग देसी बम बनाने, पटाखा बनाने और माचिस की तीली और कांच बनाने समेत कई जगह किया जाता है।

धमाके के बाद सीज हुआ था घर

फोरेंसिक टीम ने मकान को सीज करा दिया था और टीम एक बार फिर मलबे की जांच करके जमा किए गए विस्फोटक की सटीक मात्रा का आकलन करने का प्रयास करेगी। वहीं, शाम को इंडियन आयल की टीम भी जांच करने पहुंची।

'समाजवादी पुरोधा का हवाओं की तरह बदलती है विचारधारा'

बिना नाम लिए लालू की बेटी का सीएम नीतीश पर निशाना

पटना, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य के एक ट्वीट से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। रोहिणी आचार्य ने एक के बाद एक तीन ट्वीट किए, जिसमें बिना किसी का नाम लिए विचाराधारा को लेकर बड़ी बात कही। रोहिणी आचार्य ने कहा- समाजवादी पुरोधा होने का करता वही दावा, हवाओं की तरह बदलती जिनकी विचारधारा है।' रोहिणी आचार्य ने एक अन्य ट्वीट में कहा- खीज जताए क्या होगा, जब हुआ न कोई अपना योग्य। विधि का विधान कौन टाले, जब खुद की नीयत में ही हो खोट'। रोहिणी ने यह भी लिखा- अक्सर कुछ लोग नहीं देख पाते है अपनी कमियां, लेकिन किसी दूसरे पे कीचड़ उछालने की करते रहते हैं

कैबिनेट की बैठक महज 20 मिनट में ही खत्म

इससे पहले सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक महज 20 मिनट में ही खत्म हो गई। इस बैठक से पहले मीडिया को एक पत्र भेजा गया, जिसमें लिखा था कि अपरिहार्य कारणों से प्रेस ब्रीफिंग को कैंसिल किया जाता है। इसके बाद से ये कयास लगाए जा रहे है कि आखिरकार बिहार कैबिनेट की बैठक इतने कम समय क्यों चली और ब्रीफिंग को क्यों कैंसिल कर दिया गया।

किसी मुद्दे पर सहमति नहीं बनी

कैबिनेट की बैठक समाप्त होने के बाद मंत्री सुरेंद्र राम ने कहा कि यह बैठक बेहद छोटी रही, इसमें किसी मुद्दे पर सहमति नहीं बनी, इसलिए कोई भी एजेंडे पर मुहर नहीं लगी है। इसके बाद कैबिनेट की बैठक खत्म हो गई। सीएम अपने आवास पर निकल गए और बाकी मंत्री भी अपने-अपे काम पर वापस लौट गए।

नोएडा के सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन गेट के सामने मिला संदिग्ध बैग, मची अफरा-तफरी

नोएडा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। कोतवाली सेक्टर-20 क्षेत्र के सेक्टर-18 स्थित मेट्रो स्टेशन पर बुधवार दोपहर अफरा-तफरी मच गई। मेट्रो स्टेशन के गेट के सामने एक संदिग्ध बैग मिला। आनन-फानन में सीआइएसएफ और नोएडा पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए जांच कराई तो पता चला कि एक व्यक्ति बैग टांगकर कहीं चला गया था। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि एक व्यक्ति बुधवार दोपहर सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन पर पहुंचा। उसके हाथ में एक बैग था। उसने बैग मेट्रो स्टेशन के गेट के सामने टांग दिया और फास्टफूड खाने के लिए चला गया। इसी बीच संदिग्ध बैग होने की सूचना लोगों ने पुलिस को दी। दोपहर करीब 12 बजकर 20 मिनट पर सूचना मिली। इसके बाद जगह को घेरकर खाली करवाया गया। मौके पर डाग स्क्वायड और डिटेक्टर मशीन लाई गईं। जब यह तय हो गया कि बैग के अंदर कुछ भी विस्फोटक नहीं है उसके बाद बैग खोला गया तो उसमें सामान निकला।

सपा ने शुरू की पीडीए महापंचायत

चुनावी जमीन मजबूत करने के लिए इन मुद्दों पर फोकस

बरेली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में विजय हासिल करने के लिए पीडीए की महापंचायत शुरू की है। सपा गांव गांव जाकर पिछड़े, दलितों और अल्पसंख्यकों को जोड़ने का काम कर रही है। बरेली में आज पीडीए की महापंचायत की गई। स्वाले नगर स्थित एक बारात घर में इस महापंचायत के मुख्य अतिथि प्रदेश महासचिव, पूर्व मंत्री और बहेड़ी से विधायक अताउर रहमान रहे। जिन्होंने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा की बीजेपी समाजवादी पार्टी के कार्यक्रमों से डरी हुई है। प्रदेश महासचिव अताउर रहमान ने कहा की 2024 के बाद संविधान खतरे में है और बीजेपी लोकतंत्र को खत्म करने जा रही है। इसलिए उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ही बीजेपी को हराने की ताकत रखती है। अताउर रहमान ने महापंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी गांव-गांव जाकर पिछड़े, दलितों और अल्पसंख्यक के साथ साथ दबे कुचले सवर्णों को जागरूक करने का काम कर रही है। पीडीए महापंचायत को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी नेता अताउर रहमान ने कहा कि हम तो मुसलमान है, मुसलमानों ने बीजेपी को वोट नहीं दिया लेकिन जिन हिंदुओ ने बीजेपी को वोट दिया था, उन हिंदुओ को तो 2 करोड़ नौकरी का वादा करने वाली बीजेपी को नौकरी देनी चाहिए थी। लेकिन बीजेपी ने ऐसा नहीं किया। बीजेपी ने डर का माहौल पैदा कर रखा है और उत्तर प्रदेश में बीजेपी को हराने में किसी में भी अगर ताकत है तो वो समाजवादी पार्टी ही है। किसान परेशान है और अकेले बहेड़ी चीनी मिल पर ही किसानों का डेढ़ सौ करोड़ रुपए बकाया है।अखिलेश यादव का निर्देश है कि हर सेक्टर में यह महापांचत की जाए। वही जब अताउर रहमान से पूछा गया कि शिवपाल यादव और स्वामी प्रसाद मौर्य ने कार सेवकों पर गोली चलाने को सही बताया है तो उन्होंने कहा कि जो हमारे नेताओ ने कहा वही सही है।

कई बार पटका, फिर सींग से करता रहा हमला बरेली में सांड के हमले में बुजुर्ग की मौत

बरेली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पशुधन मंत्री धर्मपाल और वन मंत्री डॉ अरुण कुमार के शहर बरेली से छुट्टा सांड के हमले से बुजुर्ग की दर्दनाक मौत का मामला सामने आया है. शहर के सेंट्रल स्टेट कॉलोनी में छुट्टा सांड ने सुबह टहलने निकले रिटायर्ड गन्ना प्रबंधक को पटक-पटककर मार डाला. हिंसक हो चुका सांड उन्हें लगातार सींग मारता रहा. बुजुर्ग की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. सांड को पकड़ें के लिए पहुंची नगर निगम की टीम ने उसके गले में रस्सा डाला. गले में रस्सा फंसने से सांड की भी मौत हो गई.

उछल-कूद करने पर बंदर को मार दी गोली! कानपुर में 4 दिन बाद कब्र से निकाला गया शव

कानपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। कानपुर के नौबस्ता थाना क्षेत्र के वाई ब्लॉक किदवई नगर में एक दबंग ठेकेदार और उसके बेटे ने एयर गन से एक बंदर को मार डालने का आरोप लगा है। बंदर की हत्या की खबर फैलते ही बवाल मच गया था। हिंदू संगठनों ने इसको लेकर विरोध-प्रदर्शन किया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद अब बंदर का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। बता दें कि किदवई नगर के वाई ब्लॉक निवासी अंजनी मिश्रा पेशे से मीटर रीडर हैं। मोहल्ले के रहने वाले अंजनी मिश्रा ने दावा किया है कि एयर गन से गोली मारकर बंदर की हत्या की गई है।अंजनी के मुताबिक, 16 जनवरी को सुरेंद्र सिंह, अखंड प्रताप सिंह व सोनी खड़े थे। सुरेंद्र के हाथ हाथ में एयर गन थी। उन्होंने मेरे सामने एयर गन से बंदर को गोली मार दी। गोली लगते ही बंदर गिर गया और मौके पर दम तोड़ दिया। अंजनी ने आगे कहा कि इस घटना के बाद हम लोगों ने बंदर के शव को उठाया और उसे भगवा कपड़े में लपेटकर दफना दिया। इस बात से आरोपी नाराज हो गए और उन्होंने हमारे साथ मारपीट की। जिसके बाद पुलिस में शिकायत की गई। लेकिन शुरू में सुनवाई नहीं। नौबस्ता पुलिस को इसकी जानकारी तब हुई जब घटना के 7 दिन बाद पीड़िता आला अधिकारियों के दफ्तर पहुंचे। जहां थाना पुलिस पूरी फोर्स के साथ पीड़िता के घर पहुंची और कार्रवाई का आश्वासन दिया। आज पुलिस ने पीड़िता की शिकायत ली। पीड़िता का आरोप है कि एक ठेकेदार का बेटा पुलिस के सामने खड़ा रहा लेकिन उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिस दिन मेरे साथ मारपीट हुई उस दिन शिकायत करने के बाद भी दबंग परिवार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

'यह ठीक नहीं', केके पाठक के खिलाफ पटना के डीएम ने मुख्य सचिव को लिखी चिट्ठी

पटना, 25 जनवरी (एजेंसियां)। स्कूल की छुट्टी मामले को लेकर पटना के डीएम चंद्रशेखर और शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक आमने सामने हैं। वहीं, इस मामले को लेकर पटना के डीएम ने बुधवार को मुख्य सचिव आमिर सुबहानी को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने आग्रह किया है। उनसे अपने स्तर से मामले में उचित पहल का अनुरोध किया है। इस मामले में अभी भी टकरार बढ़ रहा है। लेटर वॉर जारी है। बता दें शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने आदेश जारी किया था कि कोई भी जिलाधिकारी अपने जिले में बढ़ती ठंड को देखते हुए अगर स्कूल बंद करना चाहता हैं तो इसके पहले उनको शिक्षा विभाग की अनुमति लेनी होगी। ठंड के नाम पर बार बार स्कूल बंद किया जाना ठीक नहीं है।

शिक्षा विभाग और पटना के डीएम आमने-सामने

पटना के डीएम ने बढ़ती ठंड को देखते हुए पटना जिले में स्कूल बंद रखने का आदेश दिया था कि 23 जनवरी तक स्कूल बंद रहेंगे। बाद में 25 तक स्कूल बंद करने का आदेश दिया। शिक्षा विभाग डीएम को लगातार लेटर लिख रहा है कि बिना अनुमति लिए आप स्कूल बंद कर रहे हैं। वहीं, अब डीएम ने मुख्य सचिव से हस्तक्षेप की गुहार लगाई है।

ये है पूरा मामला

बता दें कि काफी समय से ठंड से स्कूल में छुट्टी को लेकर शिक्षा विभाग और पटना के डीएम के बीच लेटर वार जारी है। अभी हाल में बढ़ती ठंड को देखते हुए डीएम चंद्रशेखर ने स्कूल में छुट्टी को लागू रखने का सख्त निर्णय जारी किया है। 25 जनवरी तक छुट्टी बढ़ाने का फैसला लिया। इस पर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक कन्हैया प्रसाद से पटना के डीएम को भिजवाए पत्र में कहा है कि आपने शिक्षा विभाग के आदेश के बाद भी स्कूलों को बंद किया है। यह विभाग के आदेश का साफ तौर पर उल्लंघन किया गया है। आप स्कूल बंद करने के लिए शिक्षा विभाग से अनुमति नहीं ले रहे हैं। इसके पहले भी केके पाठक छुट्टी को लेकर पत्र निकलवा चुके हैं और डीएम से शिक्षा विभाग से अनुमति लेने की बात कही है। वहीं, अब इस मामले में मुख्य सचिव का एंट्री हो गया है।

पश्चिमी विक्षोभ से बदलेगा, मौसम कई जिलों में कोहरे-कोल्ड डे और शीतलहर की चेतावनी, बारिश का भी अलर्ट

लखनऊ, 25 जनवरी (एजेंसियां)। लखनऊ , हरदोई , सीतापुर , लखीमपुर यही कई जिलों में ठण्ड का भीषण कहर जारी है, कुछ दिन से दिन में धूप निकल रही है लेकिन सुबह और शाम ठंडी हवाओं का कहर भयंकर बढ़ जाट है। अस्पतालों में मरीजों कि संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। मौसम विभाग ने जारी की है चेतावनी।

जल्द सक्रिय होगा नया पश्चिमी विक्षोभ

वर्तमान में कर्नाटक से लेकर छत्तीसगढ़ तक द्रोणिका बनी हुई है, जो विदर्भ से होकर गुजर रही है। मराठवाड़ा में हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है, हालांकि इन दोनों मौसम प्रणालियों का प्रदेश के मौसम पर विशेष असर नहीं है, लेकिन उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्र में 12 किलोमीटर की ऊंचाई पर वेस्टर्न जेट स्ट्रीम सक्रिय है, जिससे सर्द हवाएं चल रही है और ठंड का असर तेज बना हुआ है। इसके अलावा 25-26 जनवरी के आसपास एक बार फिर एक नया पश्चिमी विक्षोभ बनने जा रहा है जिससे मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। पश्चिमी विक्षोभ यहाँ कराएगा बारिश मौसम विभाग ने कहा है कि दो कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते 25 से 28 जनवरी तक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में हल्की बारिश या फिर बर्फबारी होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी पर एंटी-साइक्लोनिक सर्कुलेशन और मराठा वाड़ा और आसपास के निचले स्तरों पर चक्रवाती सर्कुलेशन के कारण अगले 2-3 दिनों के दौरान सिक्किम, विदर्भ, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में छिटपुट स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है।

यूपी के इन जिलों में घना कोहरा, शीतलहर और तीव्र शीत दिन का कहर

सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, बांदा, चित्रकूट, फतेहपुर, बस्ती, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव और लखनऊ ,बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद और रामपुर । बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, झांसी, कौशाम्बी, प्रयागराज, प्रतापगढ़, चंदौली, वाराणसी, संतरविदास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, अंबेडकर नगर औरैया और उसके आसपास के इलाकों में घना कोहरा, शीतलहर और तीव्र शीत दिन कहर जारी रहेगा ।

सरदार पटेल की मूर्ति हटाने पर माकड़ौन में दो पक्षों में पथराव, तीन थानों की पुलिस ने संभाला मोर्चा

उज्जैन, 25 जनवरी (एजेंसियां)। उज्जैन से 50 किलोमीटर दूर स्थित माकड़ौन क्षेत्र में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की मूर्ति लगाने की बात को लेकर आज सुबह एक बड़ा विवाद उसे समय हो गया जब एक पक्ष ने सरदार वल्लभभाई पटेल की मूर्ति को हटाने के लिए उस पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। इसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए स्थितिया यह बनी कि इस विवाद को शांत करने के लिए पुलिस को माकड़ौन के साथ ही उज्जैन और तराना का पुलिस बल भी यहां तैनात करना पड़ा।

पूरा मामला कुछ इस प्रकार है कि माकड़ौन के मंडी गेट और बस स्टैंड के पास एक विवादित जमीन है जहां पर एक पक्ष संविधान निर्माता डॉ। भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा लगाना चाहता है तो दूसरा वर्ग लौह पुरुष सरदार पटेल की प्रतिमा लगाने के लिए कई वर्षों से प्रयासरत हैं। आज सुबह मंडी गेट स्थित इस जगह पर इस समय विवाद हो गया जब क्षेत्र के लोगों को पता चला कि कुछ लोगों ने यहां पर

सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा लगा दी है। जब लोग यहां पहुंचे तो इस जगह पर सरदार वल्लभभाई पटेल की मूर्ति लगी हुई थी जिसे देखकर लोग आक्रोशित हो गए और उन्होंने इस मूर्ति को तोड़फोड़ करते हुए इस पर ट्रैक्टर चला दिया। देखते ही देखते स्थितियां यह बनी कि दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए और कुछ देर यहां पथराव और लाठियां भी चली।

स्थितियां कुछ ऐसी थी कि उग्र भीड़ ने कई गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी। कुछ गाड़ियां को जला दिया साथ ही कई दुकानों में पथराव भी किया। विवाद की जानकारी लगते ही माकड़ोन के अलावा उज्जैन और तराना से भी भारी तादाद में पुलिस बल मौके पर पहुंचा है। दोनों पक्षों को पुलिस ने समझाकर मामला शांत करवाया है। एहतियात के तौर पर अभी यहाँ पुलिस फोर्स तैनात है।

यह है विवाद का कारण

बताया जाता है कि माकड़ोन के मंडी गेट और बस स्टैंड के पास काफी समय से एक जमीन खाली पड़ी है। भीम आर्मी चाहती है कि यहां डॉ। आंबेडकर की मूर्ति लगाई जाए। जबकि, पाटीदार समाज के लोग सरदार पटेल की मूर्ति लगाने की मांग करते आ रहे हैं। इस मामले की जानकारी सभी जिम्मेदारो को होने के साथ ही यह मामला पंचायत मे विचाराधीन भी है।

आज जब लोगों ने यहां सरदार पटेल की मूर्ति देखी तो इसीलिए कुछ लोग भड़क गए और स्थिति पथराव और लाठी चार्ज तक पहुंच गई थी।

घटनास्थल पर पहुंचे एसपी - कहा घबराने की जरूरत नहीं अब स्थिति सामान्य

थाना माकड़ोन क्षेत्र में दो पक्षों (मालवीय,पाटीदार समाज) मे विवाद की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव, अनुविभागीय अधिकारी, थाना प्रभारी माकड़ोन पहुँचे और दोनों पक्षों से घटना के संबंध में जानकारी ली। जिसमे एक पक्ष द्वारा माकड़ोन बस स्टैंड पर पूर्व से लगी सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा को अन्य समाज के लोगों ने गिरा दिया गया था, उनकी मांग है

कि सरदार पटेल की प्रतिमा के स्थान पर बाबा अंबेडकर की प्रतिमा लगाई जावे। इसके पश्चात दोनो पक्षों में पत्थरबाजी की स्थिति बन गई। मौके पर पहुँचे अधिकारियों द्वारा दोनों पक्षों से बातचीत कर समझाईश दी गई, स्थिति सामान्य है। दोनों पक्षों के द्वारा बतायी गई घटना को संज्ञान में लेकर गंभीरता से जाँच की जा रही है।

ठाणे में 41 साल के शख्स की बेरहमी से हत्या, शरीर पर मिले धारधार हथियार के निशान

ठाणे, 25 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में अज्ञात हमलावरों ने 41 साल के शख्स की बेरहमी से हत्या कर डाली. घटना कल्याण थानाक्षेत्र के अदिवाली इलाके की है. मृतक के शरीर पर धारधार हथियार से वार के कई निशान मिले हैं. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है. मामले में आगामी कार्रवाई जारी है. मृतक के बेटे ने बताया कि अल सुबह उसके पिता के फोन से उसे एक कॉल आया. किसी अंजान शख्स ने बताया कि उसके पिता का एक्सीडेंट हो गया है और उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा है.

फेसबुक पर हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ वाम विधायक की टिप्पणी से उठा विवाद

त्रिशूर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। केरल में एक वामपंथी विधायक की फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिये भगवान राम, सीता और लक्ष्मण के खिलाफ की गई टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया है। त्रिशूर विधानसभा सीट से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के विधायक पी बालाचंद्रन ने विवाद उठने के बाद, फेसबुक से पोस्ट को वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने तो केवल एक पुरानी कहानी पोस्ट की थी लेकिन इससे भगवान राम के भक्तों को जो पीड़ा हुई उसके लिए वह खेद व्यक्त करते हैं। उन्होंने एक अन्य फेसबुक पोस्ट में कहा, "मैंने पिछले दिनों फेसबुक पर एक पुरानी कहानी पोस्ट की थी।

मेरा इरादा किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं था। मैंने इसे कुछ ही मिनटों में वापस ले लिया, इसलिए किसी को इसके बारे में चिंता नहीं करनी चाहिए। मैं माफी मांगता हूं।" भाजपा ने बालाचंद्रन की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि केवल एक कम्युनिस्ट ही करोड़ों हिंदुओं की आस्था को कुचल सकता है । पार्टी ने कहा कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने के लिए व्यापक आलोचना का सामना करने के बाद बालाचंद्रन ने फेसबुक पोस्ट को वापस ले लिया। रामायण पर उनके विवादास्पद पोस्ट में आरोप लगाया गया था कि सीता ने राम और लक्ष्मण को 'परांठा' और मांस परोसा था। भाजपा के त्रिशूर जिला अध्यक्ष के के अनीशकुमार ने स्क्रीनशॉट साझा कर बालाचंद्रन के पोस्ट की आलोचना की।

गजब: बठिंडा में केस प्रॉपर्टी बना मुर्गा

पुलिस की कस्टडी में रहेगा, तारीख पर कोर्ट में पेश भी किया जाएगा

बठिंडा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के बठिंडा में एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक मुर्गा एक मामले में कस्टडी में है और केस प्रॉपर्टी बन गया है। पुलिस को अदालत में कार्रवाई के दौरान उसे पेश करना होगा। दरअसल बल्लुआना गांव में मुर्गों की लड़ाई करवाने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार करने के अलावा एक मुर्गे को भी कब्जे में लिया। पकड़े गए आरोपी को जमानत पर छोड़ दिया गया जबकि मुर्गे को पुलिस कस्टडी में पाला जा रहा है। यह मुर्गा केस चलने तक पुलिस की कस्टडी में रहेगा और अदालत की कार्रवाई के दौरान कोर्ट में पेश भी किया जाएगा। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 11 ट्राफियां बरामद की हैं। जानवरों, पशु पछियों की प्रतियोगिताओं पर प्रतिबंध लगा हुआ है। लेकिन गांव बल्लुआना में कुछ लोग मुर्गों की लड़ाई प्रतियोगिता करवा रहे थे। इसका पता चलने पर पुलिस ने मौके पर रेड कर राजविंदर सिंह को गिरफ्तार कर एक मुर्गा और 11 ट्रॉफियां बरामद की जब कि मौके से उसके साथी जगसीर सिंह और गुरजीत सिंह फरार हो गए। पुलिस ने राजविंदर सिंह को जमानत दे दी है जब कि उसका मुर्गा पुलिस की कस्टडी में है। जांच अधिकारी निर्मलजीत सिंह ने बताया कि मुर्गा पुलिस की कस्टडी में पाला जा रहा है। अदालती कार्रवाई के दौरान गवाही के दौरान मुर्गे को भी पेश किया जाएगा।

महिला कर्मचारी से जूते का लेस बंधवाने वाले एसडीएम पर गिरी गाज, सीएम मोहन यादव ने दिए हटाने के निर्देश

सिंगरौली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में एक महिला से जूते के फीते बंधवाने के मामले में एसडीएम पर गाज गिर गई है। सीएम मोहन यादव ने चितरंगी एसडीएम को हटाने के निर्देश दे दिए हैं। दरअसल, सोशल मिडिया पर एक फोटो वायरल हो रही थी जिसमें चितरंगी एसडीएम असवान राम चिरावन एक महिला से जूते की लेस बंधवाते नजर आ रहे हैं। मामने ने तूल पकड़ा तो मुख्यमंत्री मोहन यादव ने संज्ञान लेते हुए एसडीएम को हटाने के निर्देश दे दिए। मुख्यमंत्री दफ्तर ने ट्वीट करते हुए लिखा, "सिंगरौली जिले के चितरंगी में एसडीएम द्वारा एक महिला से उनके जूते के फीते बंधवाने का मामला सामने आया है, जो अत्यंत निंदनीय है। इस घटनाक्रम को लेकर एसडीएम को तत्काल हटाने के निर्देश दिये हैं। हमारी सरकार में नारी सम्मान सर्वोपरि है।" वही हाल ही में बांधवगढ़ एसडीएम द्वारा ओवरटेक करने पर कार सवार युवक की पिटाई के मामले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कार्रवाई करते हुए निलंबन के आदेश दिए थे।

'राम-राम' सुनते ही भड़की टीचर, कर दी छात्र की पिटाई

सतना, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सतना से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है यहाँ एक स्कूल में राम के नाम पर भारी हंगामा हो गया। आरोप है कि राम-राम बोलने पर एक बच्चे को बुरी तरह पीट डाला गया। आरोप एक प्राइवेट स्कूल की महिला टीचर पर लगा है। बताया जा रहा है कि टीचर ने छात्र को इसलिए पीट दिया क्योंकि छात्र सहपाठियों से राम-राम कहकर अभिवादन कर रहा था। सतना नगर के प्राइवेट स्कूल में शाम हंगामा हो गया। आरोप है कि एक बच्चे ने अपने सहपाठियों को राम-राम बोल रहा था। जो एक महिला अध्यापिका को अच्छा नहीं लगा। उन्होंने छात्र की पिटाई कर दी।

ओडिशा के नशा मुक्ति केंद्र में मरीज की मौत, परिजन बोले- हत्या की गई है

जाजपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के भद्रक में स्थित नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती एक शख्स की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। तो वहीं, नशा मुक्ति केंद्र वालों का कहना है कि शख्स को निमोनिया हो गया था। इस कारण उसकी मौत हो गई। फिलहाल, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। जाजपुर जिले के रहने वाले 38 साल के केदारनाथ परिदा को नशे की लत थी। इस कारण 4 जनवरी को उसे भद्रक के नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती करवाया गया था। बुधवार को केदार के परिजनों को सूचित किया गया कि उसकी मौत हो गई है। परिजन तुरंत उस अस्पताल में जा पहुंचे जहां केदार को नशा मुक्ति केंद्र वाले ले गए थे। परिजनों की मानें तो सेंटर वालों ने उन्हें कहा था कि केदार की मौत निमोनिया से हुई है। लेकिन जब परिजनों ने केदार का शव देखा तो उन्हें उसके शरीर पर चोट के कई निशान दिखे। जिस कारण उन्हें शक हुआ कि सेंटर वाले कहीं न कहीं झूठ बोल रहे हैं। मृतक के परिजन तुरंत नजदीकी थाने पहुंचे। वहां उन्होंने नशा मुक्ति केंद्र वालों पर केदार की हत्या का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केदार के साथ कुछ तो गलत हुआ है। उसे निमोनिया नहीं था। बल्कि, सेंटर वाले झूठ कह रहे हैं। केदार की हत्या की गई है। उसके शरीर पर चोट के निशान इस बात की गवाही दे रहे हैं। पुलिस ने मृतक के परिजनों की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। मामले में आगामी कार्रवाई जारी है। धामनगर पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक फनींद्र भूषण नायक ने कहा कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पता चलेगा। तब तक सभी से पूछताछ की जा रही है।

चुनाव आयोग ने किया इंडिया गठबंधन से मिलने से इनकार, कांग्रेस ने की निर्वाचन आयोग की आलोचना

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के दिन निर्वाचन आयोग ने इंडिया गठबंधन पार्टियों के प्रतिनिधिमंडल से मिलने से इनकार कर दिया। कांग्रेस ने इसके लिए निर्वाचन आयोग की जमकर आलोचना की है। उन्होंने इसे अन्याय बताया है जो लोकतंत्र की बुनियाद को आघात कर रहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस अपने प्रतिनिधियों को चुनने की स्वतंत्रता का प्रयोग करके अपने भाग्य का निर्धारण करने की लोगों की शक्ति की पुष्टि करता है। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'हर साल निर्वाचन आयोग 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के तौर पर मनाता है। लेकिन, दुख की बात है कि यह स्वतंत्र संस्था 'इंडिया' गठबंधन की पार्टियों के नेताओं के प्रतिनिधिमंडल से मिलने से इनकार कर रही है। ये पार्टियां केवल मतदाताओं द्वारा वोट डालने पर वीवीपैट के अधिक से अधिक उपयोग पर अपनी बात रखना चाहते हैं।' जयराम रमेश आगे कहा, 'वीवीपीएटी और कुछ नहीं बल्कि 'वोटर-वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल' है। निर्वाचन आयोग का लगातार इनकार करना अन्याय है जो हमारे लोकतंत्र की बुनियाद पर हमला कर रहा है। मतदाता को यह जानने का पूरा अधिकार है कि उनका वोट सटीक तरीके से दर्ज किया गया है।'

जयराम रमेश ने पिछले साल 30 दिसंबर को निर्वाचन आयोग को चिट्ठी लिखकर इंडिया गठबंधन प्रतिनिधिमंडल को वीवीपैट पर्चियों पर अपने विचार रखने के लिए मिलने का अनुरोध किया था। हालांकि, निर्वाचन आयोग ने वीवीपैट पर जयराम रमेश की चिंताओं को खारिज कर दिया था। आयोग ने जवाबी पत्र में बताया कि मतदाता पर्चियों संबंधी नियम कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा 2013 में पेश किए गए थे। जयराम रमेश ने आठ जनवरी को फिर से एक बार आयोग को चिट्ठी लिखकर दोबारा से मिलने के लिए समय मांगा था।

बेंगलुरु: कार में कर रहे थे अश्लील हरकतें सब-इंस्पेक्टर ने रोका तो रौंद दिया

बेंगलुरु, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु से अजीबा मामला सामने आया है। यहां के एक पार्क में प्रेमी जोड़ा कार में अश्लील हरकतें कर रहा था। कार से सारा नजारा बाहर से गुजर रहे लोगों को दिख रहा था। वहीं, नजारा देखकर उन्हें रोकने के लिए पुलिस पहुंची तो आरोपी ने उनके ऊपर कार चढ़ा दी। कार के हमले में एक सब-इंस्पेक्टर घायल हुआ है। घायल सब-इंस्पेक्टर महेश को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस कार और आरोपियों की तलाश कर रही है। यह मामला बेंगलुरु के ज्ञानभारती पुलिस स्टेशन इलाके का है।

कौन हैं प्रियंका सिंह ? दिल्ली में गणतंत्र दिवस पर होने वाली परेड में शामिल होने का मिला है न्योता

तरैया (सारण), 25 जनवरी (एजेंसियां)। नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस के अवसर पर होने वाली परेड में तरैया प्रखंड के डेवढ़ी पंचायत की मुखिया प्रियंका सिंह को आमंत्रण पत्र मिला है। वे परेड में शामिल होने का आमंत्रण पत्र प्राप्त करने वाली सारण जिले की एक मात्र महिला है। वह महिला सशक्तिकरण की मिशाल बनी हुई है। पंचायती राज मंत्रालय द्वारा गणतंत्र दिवस के निमंत्रण से मुखिया व स्वजन समेत क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर नई दिल्ली में विशेष परेड का आयोजन किया जाता है। इस परेड में शामिल होना यह गौरव सारण जिले के एमबीए मुखिया सह सरेया बसंत निवासी ई। दिलीप सिंह की पत्नी प्रियंका सिंह को प्राप्त हुआ है। परेड में शामिल होने के लिए मुखिया अपने पति के साथ नई दिल्ली रवाना हो गई है। रवाना होने से पहले उन्होंने बताया कि नई दिल्ली गणतंत्र दिवस समारोह में परेड में शामिल होना गौरव की बात है। साथ ही परिवर्तन के लिए शुरुआत पंचायत से होनी चाहिए। तब जाकर गांव का विकास होगा खासकर वहां की महिलाओं को महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी पहल करने की जरूरत है। संसद भवन में महिला सशक्तिकरण को लेकर आयोजित सेमिनार में वह बिहार की 25 महिला जनप्रतिनिधियों का प्रतिनिधित्व भी कर चुकी है। साथ ही पंचायती राज विभाग भारत सरकार द्वारा जयपुर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान महिला फ्रेंडली पंचायत के सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार पंचायत वासियों को जागरूक करते हुए घूम - घूम कर शिक्षा के प्रति उनके द्वारा प्रेरित किया गया है। महिला सशक्तिकरण को लेकर महिलाओं को जीविका से जुड़ उनके लिए वरदान साबित कराया गया है। जीविका से जुड़ते ही महिलाओं को रोजगार मिला। इससे उनकी आर्थिक स्थिति ठीक होने की दिशा में उनके द्वारा पहल कराया गया है।

80 हजार की नौकरी छोड़ एमबीए प्रियंका बनी मुखिया

वह बिजनेस स्कूल आफ दिल्ली से एमबीए की पढ़ाई पूरी की। कोर्स पूरा होते ही पहले महिंद्रा एंड महिंद्रा और बाद में इंडिगो एयरलाइंस में नौकरी मिल गई। वहां से 80 हजार की सैलरी पर कार्य करने वाली प्रियंका नौकरी छोड़ गांव का रुख की। गांव पहुंचते ही उन्होंने पंचायत प्रतिनिधि बन गांव में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की बात कही। उसपर घर वालों को कुछ अटपटा लगा। बाद में सभी राजी हो गए। वैसे भी इनके ससुर शंभू सिंह लगातार 32 वर्षों से मुखिया बन लोगों की सेवा किये है। इनसे ही प्रेरित होकर वे मुखिया बन आज महिलाओं के लिए मिशाल बनी हुई है।

संसद कांड से सबक, 26 जनवरी को जैकेट-जूतों की होगी जांच, सुरक्षा के रहेंगे 6 लेयर, दिल्ली पुलिस ने की यह अपील

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। कर्तव्य पथ पर 26 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं और सुरक्षा के चक्र को भी बढ़ा दिया है। वहीं संसद सुरक्षा चूक की घटना से सबक लेते हुए दिल्ली पुलिस ने इस बार कर्तव्य पथ पर होने वाले परेड को देखने आए लोगों के जूतों की भी जांच करेगी।

दिल्ली पुलिस इस बार 6 लेयर की सुरक्षा के साथ लोगों के जूतों की भी खास चेकिंग करेगी। इस बाबत नई दिल्ली के डीसीपी देवेश कुमार मेहला ने बताया कि 26 जनवरी के मौके पर पुलिस की काफी सुरक्षा रहेगी। हमने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। इस बार 6 लेयर की सुरक्षा है, जिसमें से तीन लेयर फिजिकल हैं। बाकी ह्यूमन फोर्सज की प्रजेंस के साथ

है, जिसमें पूरी टेक्नोलॉजी है चाहे वह सीसीटीवी हो या फिर दूसरी इंतजाम हो काफी बार हमने इसकी रिहर्सल भी की है। इन नए सुरक्षा इंतजामों के बारे में पूरे स्टाफ को ब्रीफिंग दी गई है। 26 जनवरी के दिन हर जगह पर सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। कंट्रोल रूम तैयार किया गया है, जिसमें सीसीटीवी मॉनिटरिंग करने के लिए हमने स्टाफ लगाया हुआ है। कम्युनिकेशन चैनल भी हमारे पास है। अगर एक चैनल फेल होता तो दूसरे चैनल का हम इस्तेमाल करेंगे। हमारा पूरा स्टाफ इस पर निगरानी रख रहा है। अगर कहीं पर कोई चिड़िया भी दिखती है या आदमी दिखता है या कोई बैग मिलता है या संदिग्ध गाड़ी घूमती है तो हमारी उन सब पर नजर है। उन्होंने कहा, 'हम लोगों से कहना चाहते हैं कि देश प्रेम की भावना के साथ लोग आएं और 26 जनवरी परेड सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लें। अपने साथ आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस जैसी चीज लाएं। क्योंकि आपके पास कार्यक्रम का पास होता है तो आपकी पहचान भी जरूरी है।

जाना था गोवा, पति ले गया अयोध्या तो पत्नी ने मांगा तलाक

भोपाल, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पत्नी ने अपने पति से तलाक के लिए आवेदन दिया है। क्योंकि पत्नी को गोवा ले जाने का वादा कर पति उसे अयोध्या ले गया। इसके चलते महिला ने कुटुंब न्यायालय में तलाक का आवेदन दिया। फिलहाल पति-पत्नी दोनों की काउंसलिंग की जा रही है। मामला भोपाल के पिपलानी इलाके का है। रिलेशनशिप काउंसलर शैल अवस्थी के मुताबिक, दोनों की शादी पिछले साल अगस्त में हुई थी। पति आईटी इंजीनियर है और सैलरी भी काफी अच्छी है। शादी के बाद पति-पत्नी के बीच हनीमून पर जाने की बात हो रही थी तो पत्नी ने किसी विदेशी पर्यटन स्थल पर जाने की बात की। तब पति ने बुजुर्ग माता-पिता का हवाला देते हुए भारत में ही किसी पर्यटन स्थल पर चलने की बात कही तो दोनों के बीच गोवा चलने पर सहमति बन गई।

पुलिस और डकैतों के बीच मुठभेड़, 25-25 हजार के इनामी डकैत को जंगल से दबोचा

धौलपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। सीओ बाबूलाल मीणा ने बताया आईजी भरतपुर रेंज रूपेंदर सिंध पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार एवं एडिशनल एसपी ओम प्रकाश मीणा के निर्देश में वांछित अपराधी एवं बदमाशों की धर पकड़ के लिए पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। धर पकड़ अभियान के दौरान जिला पुलिस लगातार कार्रवाई कर अपराधियों को सलाखों के पीछे भेज रही है। उन्होंने बताया मुखबिर द्वारा सूचना मिली की 25-25 के इनामी डकैत अजीत ठाकुर एवं कल्याण ठाकुर करौली जिले के मडराल क्षेत्र में छिपे हुए हैं। मुखबिर की सूचना पर सैपऊ, कंचनपुर एवं सरमथुरा पुलिस थाने से टीम का गठन किया गया। कार्रवाई में साइबर सेल को भी शामिल कर डकैतों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम को मंडरायल भेजा गया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जैसे ही डकैतों को पकड़ने का प्रयास किया तो बाइक से दोनों डकैत फरार हो गए। पुलिस टीम ने लगातार डकैतों का पीछा किया। सीओ बाबूलाल मीणा ने बताया कि धौलपुर जिला समेत भरतपुर एवं करौली जिले में भी नाकाबंदी कराई गई। डकैत पुलिस के दबाव को देख सरमथुरा थाना क्षेत्र में बाइक से घुस गए। डोमई गांव के पास जंगलों में बाइक फिसल कर गिर गई। इस दौरान दोनों डकैतों ने पुलिस पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। डिफेंस में पुलिस ने भी बचाव करते हुए डकैतों पर गोली चलाई, लेकिन दोनों डकैत जंगल में गहरे गड्ढे में गिरने से घायल हो गए। पुलिस टीम ने सुनियोजित तरीके से दोनों डकैतों को मौके से घेराबंदी कर दबोच लिया है। दोनों डकैतों के पैरों में गड्ढे में गिरने से चोट लगी है। उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती करा दिया है। उपचार कराने के बाद दोनों डकैतों से पूछताछ की जाएगी। गिरफ्तार शुदा डकैत अजीत ठाकुर एवं कल्याण ठाकुर के सहयोगी डकैत विष्णु, कल्ला उर्फ करुआ एवं लालू को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

पांचों डकैतों ने 22 दिसंबर 2023 को सैपऊ थाना क्षेत्र के करीमपुर गांव स्थित एक पेट्रोल पंप पर लूट की नीयत से फायरिंग कर दहशत फैलाई थी। पेट्रोल पंप संचालक ने नामजद बदमाशों के खिलाफ स्थानीय पुलिस थाने में आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया था।

महिला ने कर्नाटक पुलिसकर्मी के खिलाफ यौन शोषण की शिकायत दर्ज कराई

विजयपुरा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में एक महिला ने गुरुवार को एक पुलिस अधिकारी के खिलाफ शादी के झूठे वादे कर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने विजयपुरा शहर के गांधी चौक पुलिस स्टेशन से जुड़े विनायक टक्कलगी के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया है। शिकायत के मुताबिक, बसवनबागेवाड़ी की महिला का पुलिसकर्मी से आठ महीने पहले परिचय हुआ था। उन्होंने फोन नंबरों का आदान-प्रदान किया और नियमित रूप से मोबाइल पर चैट और कॉल करना शुरू कर दिया। दोनों में प्यार हो गया। आरोपी ने उससे शादी का वादा किया और जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। लेकिन, कुछ समय बाद उसने उसकी उपेक्षा करना शुरू कर दिया और आखिरकार उससे शादी करने से इनकार कर दिया।

एआईएडीएमके नेता और पूर्व तमिलनाडु मंत्री अंबलगन की बहू की जलने से मौत

चेन्नई, 25 जनवरी (एजेंसियां)। अन्नाद्रमुक नेता और पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री के.पी. अंबलगन की बहू एम. पूर्णिमा (30) की जलने से मौत हो गई है। पूर्णिमा का गुरुवार सुबह वेल्लोर के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (सीएमसी) में निधन हो गया। मृतक पूर्णिमा अंबलगन के सबसे छोटे बेटे ए. शशिमोहन की पत्नी थी। 18 जनवरी को पलाकोड गांव में अपने आवास में पूजा के लिए दीपक जलाते समय उनकी साड़ी में आग लग गई थी। हालांकि आग पर तुरंत काबू पा लिया गया, लेकिन रेशम की साड़ी पहने होने के कारण वह गंभीर रूप से झुलस गई। पुलिस ने कहा कि वह 83.5 फीसदी जल गई थी और प्रारंभिक चिकित्सा सहायता के बाद उन्हें तुरंत सीएमसी, वेल्लोर ले जाया गया। उनका इलाज सीएमसी अस्पताल के सर्जिकल आईसीयू में किया गया, लेकिन वह उबर नहीं सकी और उनकी मृत्यु हो गई।

स्वतंत्र वार्ता
शुक्रवार, 26 जनवरी - 2024

जननायक कर्पूरी ठाकुर को श्रद्धांजलि

रघु ठाकुर

स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर स्वतंत्रता आंदोलन के दिनों से जीवन के आखरी क्षण तक समता मूलक समाज के निर्माण के लिए संघर्रत रहे। दर्शन को कहना और बोलना आसान होता है परन्तु दर्शन के संकल्प के साथ जीना एक कठोर साधना होती है जिसमें निरंतर अपने आप से, अपने परिवार से और समाज से संघर्ष करना होता है। इसलिए महात्मा गाँधी कहते थे कि सत्याग्रह की शुरूआत सरकार से नहीं वरन अपने आप से होती है। स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर न केवल समाजवादी विचारधारा के ज्ञाता और भाष्यकार थे वे इन विचारों के लिए जीते भी थे और इस प्रयोग में उन्हें कांटों भरा जीवन भी जीना होता था। समाजवादी विचारधारा समता पर आधारित विचारधारा है जिसमें राष्ट्र और समाज के सुखों और दुखों का मिलकर बंटवारा करना होता है। समाजवादी विचारधारा श्रेणी-भेद को मिटाना चाहती है और इसलिए एक सच्चे समाजवादी को देश का आम एवं गरीब नागरिक जैसा जीवन जीना होता है। मार्क्सवादी शब्दावली में जिसे कहा जाये अपने आपको वर्ग विहीन बनाने का कार्य कठिन होता है। आजकल हमारे देश के राजनेताओं के चेहरे, बोली, भाषा, और भूषा, भवन और भौतिक सुविधाओं में आम आदमी से अलगाव स्पष्ट नज़र आता है। 20वीं सदी के आखिरी दशक और 21वीं सदी के शुरूआती दौर के राजनेताओं की भूषा, सफारी और जीन्स वाली हैं जबकि देश का आम आदमी का पहनावा लुंगी, धोती और पजामा कुर्ता है। ऐसे राजनेताओं की बोल-चाल की भाषा विदेशी भाषा होती है, वो अपने संतानों को अंग्रेजी स्कूलों में पढ़ाते हैं और पूरा प्रयास करते हैं कि उन्हें विदेशों में जाकर पढ़ने का मौका मिले। विदेशों में छात्रवृत्तियाँ और विदेशों में नौकरियां मिलें। उनकी जीवन शैली ठाट-वाट और विलासिता पूर्ण होती है जो राजा महाराजाओं से कम नहीं होती। आप असली भारत की कल्पना न कर सकते, क्योंकि उनके चहरों की बनावट ही अलग होती है। जबकि समाजवादी विचारधारा के राजनेता के चेहरे में ही देश के आम आदमी को देखा जा सकता है। गाँधी देश के साथ कितने एकाकार थे वह गाँधी के चेहरे, वेश-भूषा और जीवन शैली से स्पष्ट हो जाता था। डॉ. लोहिया में उनकी बोली से लेकर भूषा तक भारतीयता और आम आदमी नज़र आता था। इसी क्रम में स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर थे जिन्हें देखकर, जिनसे मिलकर, आम आदमी को अपनापन महसूस होता था। नेता कोई रोब-दाब और भय की चीज नहीं, नेता कोई खतरनाक जीव जन्तु नहीं बल्कि अपने ही बीच में से ज्ञान और विचारों की रोशनी को लेकर चलने वाला एक व्यक्ति है, यह स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर को देखकर महसूस होता था। बिहार जैसे प्रदेश के मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के पद पर रहने के बावजूद भी उनमें, उनके रहन सहन में और जीवन में कोई परिवर्तन नहीं आया था। मैं अनेकों अपने समव्यस्क राजनेताओं को जानता हूँ जिनके दिल्ली के घरों में आज दस-दस एयर कंडीशनर चल रहे हैं और एक एयर कंडीशनर का मतलब है, औसतन 400-500 रूपये रोज का बिजली का खर्च होता है। एक वर्ष में अकेले घर पर एयरकंडीशनर पर लगभग 15 लाख रूपया खर्च करने वाले समाजवादी राजनेता आज दिल्ली जैसे शहर में एक नहीं अनेकों मिल जायेंगे और उसमें भी बिहार जैसे गरीब प्रदेश से जहाँ आम आदमी को बिजली के दर्शन ही देव दर्शन के समान है, उस प्रदेश से अनेकों समाजवादी विचारधारा के राजनीति के कार्यकर्ता कुर्सियों पर पहुंचकर कुर्सीमय हो चुके हैं। समाज बदलने का संकल्प लेकर लच्छेदार भाषण, बड़े-बड़े वायदे और पद लाभग्रस्त ये राजनेता आज समाज को बदलने के बजाय खुद को बदल चुके हैं। परन्तु स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर उन लोगों में से एक थे जिन्होंने सारा जीवन समाज को बदलने का प्रयास किया। भले ही समाज न बदल सका परन्तु उन्होंने अपने आप को नहीं बदला। राजनीति की खरीद फरोख्त की दुनिया में उन्होंने अपने आप को मंडी का बिकाऊ माल नहीं बनने दिया। मृत्यु के समय तक स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर अपने मकान के ऊपर के दहलान में एक पंखे के नीचे सोते रहे। उनके तख्त के आसपास मिलने वाले गरीब-गुरबा लोग और कुछ राशन का सामान रहता रहा। उनके लोगों ने कर्पूरी जी को सादगी का मजाक भी उड़ाया। उन्हें कपटी ठाकुर से लेकर अनेकों प्रकार की गालियां भी दी परन्तु कर्पूरी ठाकुर इन सबसे प्रभावित हुये बगैर अपने पथ पर आगे बढ़ते रहे। आज देश में ज्ञानवान लोग अहंकार से युक्त होते हैं और देश के आम आदमी का उपहास करते हैं। परन्तु कर्पूरी जी को अहंकार ने दूर-दूर तक स्पर्श ही नहीं किया था। एक गरीब और अनपढ़ व्यक्ति से उनका संवाद जितना प्रभावी था उतना ही बड़े-बड़े बुद्धिजीवियों और प्रचार्यों के साथ। उनकी विनम्रता विश्वविद्यालय के व्याख्यान के शोध-ग्रन्थों और अंग्रेजी की बड़ी-बड़ी किताबों से अर्जित नहीं की गई थी, बल्कि बिहार के गरीब की झोपड़ी, खेत और खलियान की प्रयोगशाला में काम करके अपने अनुभवों से, उन्होंने ज्ञान अर्जित किया था। वे महात्मा गाँधी के अंतिम उपदेशानुसार समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति या आखिरी व्यक्ति के हक के लिए लड़ते रहे। वे सारा जीवन अभावों से जूझे अभावों में रहे और अभावों को ही उन्होंने अपना निकटम सहयोगी बना लिया। बिहार जैसे सामन्त शाही और जमींदारों से ग्रस्त समाज में उन्होंने पिछड़े वर्ग को भी जगाया और साथ-साथ उन कमजोर और वंचित जातियों की पैरवी भी की जिन्हें पिछड़े वर्ग के ताकतवर लोगों ने भी उपेक्षित कर दिया था। उन्होंने मुंगेरी लाल आयोग की रपट के आधार पर अति पिछड़े वर्ग के लोगों को पृथक आरक्षण देने का प्रावधान किया और सही मायनों में इस प्रकार सर्वहारा के साथ न्याय करने की प्रक्रिया शुरू की। बड़ी जातियों से छीनकर मध्य जातियों को हिस्सेदारी मिले इतने पर ही पूर्ण विराम लगाने से सामाजिक न्यास संभव नहीं है।

वास्तविक न्याय के लिए उस भूमिहीन हाथ के कौशल वाली कमजोर जाति के लोगों को हिस्सेदारी दिलानी होगी जो समाज में सम्पूर्णतः वंचित और उपेक्षित है। जिस प्रकार सैंकड़ों वर्षों के इतिहास में अग्रणी रही जातियों से हिस्सेदारी लेने के लिए पिछड़े वर्ग के लिए विशेष अवसर जरूरी है, उसी प्रकार पिछड़े वर्ग के, ताकतवर समूह से हिस्सेदारी लेने के लिए अति पिछड़े वर्ग के लोगों को भी विशेष अवसर जरूरी है, यह उनकी सोच थी। आरक्षण और विशेष अवसर मिले इस सोच के साथ लोगों को समाज परिवर्तन और क्रांति के लिए तैयार करना है। इस दर्शन के साथ उन्होंने रणनीति बनाई थी।

ज्ञान और कर्म का संगम स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर थे तप और तपस्या के अग्नि कुण्ड में अपने आपको सतत तपाकर चमकने का स्वर्णिम व्यक्तित्व कर्पूरी ठाकुर थे। नख से शिख तक कर्पूरी जी सम्पूर्ण भारतीय थे, जिनमें भारतीय संस्कृति और सभ्यता परिलक्षित होती थी। जब देश में बहुराष्ट्रीय कंपनियों का शिकन्जा निरंतर कसता चला जा रहा है आज देश आर्थिक रूप से गुलाम हो चुका है तथा अप्रत्यक्ष रूप से देश, राजनैतिक रूप से गुलामी का शिकार हो रहा है, तब कर्पूरी जी की याद और आवश्यकता का महत्व बढ़ जाता है। भारतीय संस्कृति और सभ्यता की आजादी के इस संघर्ष के लिए पूरे जी जान से लड़ना उन सभी का दायित्व है जो मनसा- वाचा कर्म से कर्पूरी जी को मानते हैं। बिहार के सत्ताधारी आज भ्रष्टाचार के आरोपों में जेलों को सुशोभित कर रहे हैं। वे अपार संपदा के मालिक है। बिहार गरीब है पर बिहार के नेता आज अरबपति और अमीर है। परंतु बिहार के एक मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर भी थे जिनके जीवन काल में घर का पता भी नहीं बदला। कर्पूरी जी न केवल परिवारवाद के वचन से विरोधी थे बल्कि कर्म से भी विरोधी थे।

पद और कद के लिए टकराव

सत्ता हासिल करने के लिए देश में राजनीतिक गठबंधन कई बार बने और बिखरे, लेकिन इस बार का नजारा ही कुछ अलग दिख रहा है। इस बार ने विपक्षी गठबंधन में चुनाव तक इंतजार करने का भी धैर्य नहीं दिखाई दे रहा है। सब अपना और अपनी पार्टी का नफा-नुकसान देख कर अलग-अलग राग अलापने लगे हैं। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने जहां अपना अलग झंडा उठा लिया है तो वहीं पंजाब के लिए आम आदमी पार्टी ने भी झाड़ू मारने में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। आप नेता एवं सीएम भगवंत मान ने घोषणा कर दी है कि उनकी पार्टी पंजाब की सभी सीटों पर बगैर तालमेल के चुनाव लडेगी। बता दें कि अभी ज्यादा दिन नहीं हुए जब कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने मिल कर 'इंडिया' नाम से एक समूह का गठन किया गया था, तब लगा था कि भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को आगामी आम चुनावों में खासी चुनौती मिल सकती है। लेकिन समय बीतने के साथ जिस तरह से विपक्षी गठबंधन के एक एक साथी बिछड़ रहे हैं उससे तो लगता नहीं कि यह गठबंधन चुनाव तक सिरे चढ़ पाएगा। चुनावी सीटों की संख्या को लेकर खींचतान सतह पर आ गई दिखती है। इसे देख कर तो यही लगता है कि इस समूह में सिद्धांत के आधार पर साथ आने की सहमति शायद नहीं बन पाई है, बल्कि इसमें शामिल कुछ दलों पर फिलहाल अपनी सीटें बढ़ा कर राजनीतिक शक्ति बढ़ाने की मंशा भारी पड़ रही है। गठबंधन में शामिल कुछ दलों के बीच स्पष्ट मतभेद और दूरी के संकेत तब सामने आए, जब बुधवार को तृणमूल कांग्रेस की शीर्ष नेता ममता बनर्जी ने बंगाल में सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी तो दूसरी ओर पंजाब में आम आदमी पार्टी ने भी यही राग अलापा। बिहार में नीतीश कुमार को लेकर विपक्ष में भ्रम की स्थिति बन रही है। उनकी चाल-ढाल देख कर जहां उनके साथी घबराए हुए हैं वहीं भाजपा के नेता बल्लियों उछलते नजर आ रहे हैं। ममता बनर्जी तो इसलिए बिफर गई हैं कि राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के बंगाल में आयोजित किए जाने के बारे में शिष्टाचार के नाते भी उन्हें सूचित नहीं किया गया। ममता दीदी ने सख्त लहजे में यहां तक कह डाला कि मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि देश में क्या किया जाएगा। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस एक धर्मनिरपेक्ष पार्टी है और वह अकेले ही भाजपा को हराने में सक्षम है। जाहिर है, यह नए बने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के लिए एक तरह से झटका है, क्योंकि देश की राजनीति में ममता बनर्जी का अपना एक प्रभाव है और अब वे विपक्ष की राजनीति के लिए एक महत्त्वपूर्ण कड़ी मानी जाती हैं। शायद यही वजह है कि उनके ताजा रुख और उससे जुड़ी आशंकाओं के सामने आते ही कांग्रेस सहित विपक्ष के अहम नेताओं की ओर से ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को गठबंधन का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए इस मसले का हल निकाल लेने की बात कही जा रही है। इसके अलावा भी खबर आई कि गठबंधन में शामिल आम आदमी पार्टी के नेता और पंजाब के मुख्यमंत्री ने राज्य की सभी तेरह लोकसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की बात कही है। सवाल है कि जब लोकसभा चुनावों करीब है और उसी मुताबिक विपक्ष को अपनी तैयारी करने की जरूरत है तो ऐसे में इस तरह की स्थितियां क्यों पैदा की जा रही हैं, जिसमें गठबंधन की जड़ों में मट्ठा पड़ जाए। देश के राजनीतिक परिदृश्य में जैसी चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, उसमें विपक्ष से जीत की उम्मीद तो नहीं की जा रही है लेकिन लोकतंत्र की मजबूती के लिए, एक सशक्त विपक्ष की जरूरत महसूस की जा रही है। ऐसे हालात में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए अपने सामने कोई चुनौती नहीं मान रहा है। अगर विपक्षी दलों ने मिल कर उसका सामना करने के लिए कोई समूह बनाया है, तो उसकी प्राथमिकताएं क्या होनी चाहिए? पिछले कुछ समय से 'इंडिया' समूह की बैठकों में जैसी खींचतान देखी जा रही है, उससे यही लगता है कि इसमें शामिल सभी पार्टियों को सबसे पहले सैद्धांतिक कसौटी पर खरा उतरने की जरूरत है। राजनीतिक दलों के गठबंधनों के भीतर पद और कद को लेकर जिस तरह का टकराव रोज-रोज देखा जा रहा है, वह अभी से 'इंडिया' समूह के लिए शुभ संकेत नहीं है।

पैरोल को न बनाएं मखौल

रजनीश कपूर

जब भी किसी अपराधी का अपराध सिद्ध हो जाता है तो उसे अदालत उचित सज़ा सुनाकर जेल भेज देती है। जेल में हर अपराधी, जो दोषी करार दिया जाने के बाद सज़ा काटता है उसे जेल के नियम के तहत अपनी सज़ा पूरी करनी पड़ती है। अपराधी चाहे पेशेवर गुंडा हो, कोई आम आदमी हो जिसके द्वारा किसी विशेष परिस्थिति में अपराध हुआ हो या फिर कोई रसूखदार व्यक्ति हो, क़ानून सबके लिए एक समान है। परंतु क्या ऐसा वास्तव में होता है? क्या हमारे देश की जेलों में सभी के साथ एक जैसा व्यवहार होता है? रसूखदार क़ैदियों के संदर्भ में इस सवाल का जवाब आपको 'नहीं' ही मिलेगा।ऐसा क्या कारण है कि जेल के नियम और कायदों को तोड़-मरोड़ कर रसूखदार क़ैदियों को 'विशेष शिष्टाचार' दिया जाता है? आए दिन हमें ऐसी खबरें पढ़ने को मिलती हैं जब किसी रसूखदार अपराधी के ख़िलाफ़ कोर्ट में केस चलता है और उसे सज़ा सुना कर जेल भेज दिया जाता है। परंतु आम जनता के मन में यही शक रहता है कि जेल में जा कर भी वो रसूखदार व्यक्ति ऐशो-आराम की ज़िंदगी ही जियेगा। हद तो तब हो जाती है जब यह प्रभावशाली अपनी सज़ा के दौरान ही कई बार पैरोल या फरलो मिल जाती है। रसूखदार क़ैदियों को दिये जाने इस विशेष व्यवहार पर जब राजनैतिक तड़का लगता है तो यह व्यवहार कई गुना बढ़ जाता है। यदि यह रसूखदार क़ैदी किसी ऐसे धार्मिक पंथ का मुखिया हो जिसके करोड़ों भक्त हों, तो राज्य सरकार हर चुनाव से पहले उसे पैरोल या फरलो पर छोड़ने में देर नहीं करती। यहाँ पर पैरोल और फरलो को समझना भी ज़रूरी होगा। जेल नियम के तहत एक साल में अधिकतम 100 दिन तक किसी भी क़ैदी को जेल से बाहर रहने दिया जा सकता है। इसमें 30 दिन की फरलो और 70 दिन का पैरोल शामिल है। राजनैतिक पार्टी कोई भी सत्ता में हो, हर पार्टी अपने राजनैतिक स्वार्थ के लिए इस प्रावधान का दुरुपयोग करती आई है। आपको ऐसे कई उदाहरण मिल जाएँगे जहां सत्ताधारी दल ने ऐसे रसूखदार क़ैदियों के लिए अधिकतम कदम उठा कर उसे अधिक से अधिक समय तक जेल से बाहर रखा है। ऐसे हालात में, ऐसे किसी भी क़ैदी, जिसे कैद-ए-बामशक्कत की सज़ा सुनाई गई हो उससे आप जेल में किसी भी तरह के श्रम की उम्मीद कैसे लगा सकते हैं? जब-जब ऐसे दुर्दांत अपराधियों को जेल के नियम का दुरुपयोग कर जेल के बाहर भेजा जाता है तो पीड़ित परिवार ख़ुद को बेबस महसूस करते हैं। ताज़ा मामला डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख बाबा गुरमीत राम रहीम का है। डेरा प्रमुख को दो हत्याओं और दो बलात्कार के मामलों में अदालत द्वारा दोषी पाया गया है। परंतु उल्लेखनीय है कि बीते दो वर्षों में यह अपराधी लगभग 250 से अधिक दिनों तक जेल के बाहर रहा। ग़ौरतलब है कि जिस अपराधी पर इतने संगीन आरोप लगे हों और वो दोषी भी ठहराया गया हो उस पर इतनी मेहरबानी क्यों की जा रही है? डेरा प्रमुख के 6 करोड़ से ज़्यादा भक्त हैं जो इनके एक इशारे पर कुछ भी करने को तैयार रहते हैं।

गणतंत्र दिवस पर याद रखना इन बालवीरों को

आर.के. सिन्हा

हर साल जनवरी का महीने आते ही देश में गणतंत्र दिवस की तैयारियां अपने चरम पर पहुंच जाती हैं। राजधानी दिल्ली में तो गणतंत्र दिवस की तैयारियों बाकी जगहों से अधिक बड़े स्तर पर होती हैं क्योंकि राजधानी दिल्ली में ही गणतंत्र दिवस परेड निकलती है। उस परेड का हिस्सा वे बालवीर भी होते हैं, जिन्हें देश उनके साहस, सूझबूझ और शौर्य के लिए सम्मानित कर रहा होता है। वे जब राष्ट्रपति जी को सलामी देते हुए आगे बढ़ते हैं, तो कर्तव्यपथ (पहले राजपथ) में उपस्थित जनसमूह उनका हर्षध्वनि से स्वागत करता है। गणतंत्र दिवस परेड का 1959 से हिस्सा हैं बालवीर पुरस्कार विजेता। यह कुछ साल से खुली जीप में निकलने लगे हैं। हालांकि लंबे समय तक यह हाथियों पर सवार होते थे। पर मेनका गांधी के विरोध के बाद इन्हें हाथियों पर बैठाने की परंपरा को रोक दिया गया। बालवीर गणतंत्र दिवस परेड से दस दिन पहले राजधानी में आकर परेड की रिहर्सल में शामिल होते हैं। इसके अलावा, यह दोपहर और शाम को कभी राष्ट्रपति कभी, प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री, कभी दिल्ली के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल वायुसेना नौसेना और थलसेनाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण व्यक्तियों से मिलते हैं। कभी लालकिला, पुरानाकिला, कुतुब मीनार, हुमायूँ का मकबरा जैसी ऐतिहासिक इमारतें और कभी फन एंड फूड विलेज जैसे मनोरंजक स्थल घूमते हैं। इन्हें राजधानी के फन एंड फूड विलेज के संस्थापक और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथी सरदार सेवा सिंह नामधारी बहुत सारे उपहार देते थे। उनके ना रहने के बाद भी बालवीरों का वहां सम्मानित किया जाता है। गणतंत्र दिवस से कुछ दिन पहले तक तो यह बालवीर खबरों में रहते हैं। यह अपने इंटरव्यू देते हैं और फिर यह ओझल हो जाते हैं। यह स्थिति कोई आदर्श नहीं मानी जा सकती। कोशिश तो ऐसी होनी चाहिए कि जिन्हें बालवीर पुरस्कार मिला, उन्हें उनके राज्यों की सरकारें जीवन में आगे बढ़ने के हर संभव अवसर दें। हमें पुरस्कार सांकेतिक रूप से नहीं देने चाहिए। ईमानदार कोशिश होनी चाहिए ताकि बालवीरों को बेहतर शिक्षा के अवसर मिलें। आमतौर पर इनका संबंध देश के सुदूर इलाकों में रहने वाले निर्धन परिवारों से ही होता है। इन्हें हर संभव प्रोत्साहन की दरकार होती है। यह सब देश के नौनिहाल होते हैं। इनके प्रति ठंडा रूख रखना गलत है। अब तक विभिन्न राज्यों से करीब एक हजार से भी अधिक बच्चों को राष्ट्रीय बाल वीरता पुरस्कार प्रदान किया जा चुका है। वर्ष 2018 के बाद से भारत सरकार का बाल विकास मंत्रालय स्वयं इन बच्चों का चयन करता है अब यह राष्ट्रीय पुरस्कार वीरता श्रेणी के अतिरिक्त खेल, मनोरंजन, विज्ञान अनुसंधान, आदि अन्य अनेक श्रेणियों में भी बाल प्रतिभाओं को दिए जाने लगे हैं। अब देश में कितने लोगों को याद है कि पहला बालवीर पुरस्कार हरीश मेहरा नाम के बालक को मिला था। अब हरीश मेहरा करीब 80 साल के बुजुर्ग हो गए हैं। वे दिल्ली में ही रहते हैं। उन्होंने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को एक बड़े हादसे का शिकार होने से बचाया था। वह तारीख थी 2 अक्तूबर,1957। स्थान था दिल्ली का रामलीला मैदान। शाम के सात बजे थे। उस दिन हरीश मेहरा राजधानी के रामलीला मैदान में चल रहे एक कार्यक्रम के दौरान वलंटियर की ड्यूटी दे रहे थे। वीआईपी मेहमानों के लिए आरक्षित कुर्सियों पर पंडित नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी, केन्द्रीय मंत्री बाबू जगजीवन राम वगैरह भी उपस्थित थे। तब ही उस शामियाने के ऊपर तेजी से आग की लपटें फैलने लगीं जिधर तमाम नामवर हस्तिय़ां बैठीं थीं। वे तुरंत 20 फीट ऊंचे खंभे के सहारे उस जगह पर चढ़ने लगे जिधर आग लगी थी। उनके पास स्काउट का चाकू भी था। जिधर से आग फैल रही थी, वहां पर पहुंचकर उन्होंने उस बिजली की तार को अपने चाकू से काट डाला। इस सारी प्रक्रिया को अंजाम देने में मात्र पांच मिनट का वक्त लगा। उस शामियाने के नीचे बैठे तमाम आम और खास लोगों ने हरीश मेहरा के अदम्य साहस और सूझबूझ को देखा। पर इस दौरान उनके दोनों हाथ बुरी तरह से झुलस गए। उन्हें राजधानी के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अगले दिन अस्पताल में उनका हालचाल जानने के लिए बाबू जगजीवन राम स्वयं आए। हरीश मेहरा को उनकी इस बहादुरी के लिए बालबीर सम्मान मिला। वे 26 जनवरी,1959 को गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा बने। उनसे पहले यह सम्मान किसी को नहीं मिला था। उसके बाद उन्हें किसी ने याद नहीं रखा। वे सारी उम्र एक सरकारी विभाग में क्लर्की करते रहे। यह सारी स्थितियां हमारी व्यवस्था की काहिली को ही दिखाती हैं। 1959 से अब तक कोई बहुत साल गुजरे नहीं हैं कि हम बालवीरों का कोई डाटा ना बना सके या उन तक ना पहुंच सके। पर लगता यह है कि बालवीरों को 26 जनवरी को सम्मानित करने के बाद हमारे पास उनके लिए कोई योजना नहीं होती। हरीश मेहरा के बाद राजधानी के दीन दयाल उपाध्याय मार्ग(राउज एवेन्यू) पर स्थित सर्वोदय स्कूल के सातवीं कक्षा के छात्र फकीरचंद गुप्ता को भी बालवीर पुरस्कार मिला। उनकी सूझबूझ के चलते एक बड़ा रेल हादसा टल गया। वह फरवरी महीने की 28 तारीख थी और साल था 1959। सुबह स्कूल आते समय फकीरचंद गुप्ता ने रेलवे लाइन के साथ हरकत करते कुछ लोगो को देखा, वे पटरी काट रहे थे। अरे कुछ देर बाद तो इस पटरी पर ट्रेन आने वाली है बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इस स्कूल से सटी है रेल लाइन।फकीरचंद को आशंका हुई तो उन्होंने दौड़कर यह जानकारी अपने स्कूल के पास खड़े पुलिस कर्मियों को दी। पुलिस ने आकर उन बदमाशों को पकड़ लिया। जाहिर है, फकीरचंद गुप्ता की वजह से बहुत बड़ी दुर्घटना टल गई। उन्हें भी राष्ट्रीय बाल वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया।

पर उपदेश कुशल बहुतेरे

डॉ टी महादेव राव

कहते हैं न के खरबूजा खरबूजे को देख रंग पकड़ता है। आप जिसके साथ रहेंगे वैसे हो जाओगे। इसी का परिणाम यह है कि चोरों, हत्यारों और खादीधारियों के साथ इनकी दोस्ती नहीं निकाल रंग उनके जैसा कर दिया है। खादीधारियों के साथ इनकी दोस्ती ने इनके खाकी रंग को उनके जैसा कर दिया है। कुछ पुलिसियों को तो यह रंग इतनी जल्दी पकड़ता है कि क्या कहें? इन चोरों, हत्यारों और खादी धारियों की आदतों को अपनाकर ओड़ीशा के बोलाडीर जिले के सिंधीकेला के रक्षक सिपाही एक ग्रामीण के बकरियों के झुंड से दो बकरे गायब कर दिए। सीधे थाने के पिछवाड़े जाकर मटन करी बनाने के चक्कर में छुरी चाकू तेज कर रहे थे कि बकरी वाला ग्रामीण आकर गिड़ गिड़ाता रहा कि उसके बकरे छोड़ दिये जायें। रक्षक उसे "तेरी हिम्मत कैसे हुई यहां आकर यह सब कहने की? भाग जा यहाँ से" कहते हुए उसे दुत्कार दिया, भगा दिया। बेचारा चला गया और वे मटन करी बना कर खाते रहे, बकरे का स्वाद लेते रहे। यह बात किसी तरह एसपी साहब के कानों तक पहुंची तो उन्होंने विस्तृत जांच कराया और एएसआई को निलंबित कर दिया। अखिल भारतीय पुलिस की प्रतिष्ठा को मिट्टी में मिलाने वाली इस हरकत पर अधिकारियों ने यह सब किया, लेकिन नकाब डाले बकरों को बगल में दबाकर भागना क्या आम आदमी कर सकता है? बोलिए! यह कहा जाता है कि बहुत पहले गांवों में भेड़, बकरी, मुर्गी चुराने वाले चोर हुआ करते थे। रात के समय जो जीव हाथ में आया लपक कर उठा ले जाते थे। शताब्दियों पूर्व की चोरकला का पुनरुद्धार कर मरम्मत करने की कसम खाए हुए रक्षक या तक्षक सिपाहियों की, बकरे की खाल का शाल ओढ़ाकर सम्मान करने की बजाय उन्हें निलंबित करना महापाप है, घोर गलती है। अंधेरे में बिना किसी आहट के, खामोशी के साथ अपना काम कर जाने वाले पागल चोरों को देखकर सीखने को कहते हुए अपनी चोर विद्या का दिनदहाड़े प्रदर्शन करने वालों को अगर संभव हुआ तो कुटिल कौशल रत्न या मुश्कर तस्कर सम्राट जैसी उपाधियां देकर अभिनंदन करना तो बनता ही है न। ऐसे चोर-पुलिसियों की देश में कहीं भी कमी नहीं है। चोरों में साहूकार और साहूकारों में चोरों का होना कोई नई बात नहीं है। इसलिए ऊपर दिए गए कथन पर आश्चर्य करना छोड़ कर चलिए आगरा चलते हैं। पागल खाना या ताजमहल दिखाने नहीं ले जा रहा हूं। वहां एक और बेहद रोचक और मजेदार कहानी तैयार है। घर में अगर चोर पड़े तो उन्हें पकड़ने पुलिस आती है न। फिर थाने में चोर घुस कर सारा कुछ उड़ा ले जाए तो रक्षक सिपाहियों की रक्षा कौन करेगा? वही हुआ जगदीशपुरा पुलिस थाने में। थाने में रखे रुपयों पर नजर गड़ाए चोर एक दिन अच्छी साइत देखकर काम पर लग गए। पूरे पच्चीस लाख रुपए आसानी से चुरा ले गए। प्रश्न उठना सहज है इतना पैसा थाने में क्यों था? क्योंकि चार दिन पहले ही एक चोरी के मामले में पुलिस ने उस पैसे को बरामद किया था। वह चोरी हो गया है कह रहे हैं पुलिस वाले। राजा हरिश्चंद्र भले ही झूठ बोले, लेकिन पुलिस वाले क्या कभी झूठ बोलते हैं? एफ़ आई आर को साक्षी मानकर हर समय हर हालत में वे सच बोलते हैं, यह सबको पता है। यह सब तो ठीक है लेकिन किसी ने यह कहकर चिढ़ाया कि राजाओं का धन पत्थरों पर यानी शिल्पकला पर बर्बाद तो चोरों का माल पुलिस पर बर्बाद। चिढ़ाने पर चिढ़कर पीठ दिखाने वाले नहीं हैं पुलिस वाले वहां।

राहुल की 'भारत जोड़ो यात्रा ' के बंगाल में प्रवेश के पहले ही ममता का खेला !

अशोक भाटिया

मणिपुर से संघर्ष भरी शुरुआत और असम में हिमंत बिस्वा सरमा से टकराव के बाद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पश्चिम बंगाल में प्रवेश कर रही है। ऐसा तो नहीं कि ममता बनर्जी ने बंगाल में नो एंट्री का बोर्ड लगा दिया हो लेकिन जो संकेत दिया है वो उससे कम भी नहीं है।ममता बनर्जी के पश्चिम बंगाल में लोक सभा चुनाव अकेले लड़ने के ऐलान के साथ ही तृणमूल कांग्रेस ने ये भी साफ कर दिया है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने का उसका कोई इरादा नहीं है। टीएमसी का ये रिएक्शन भी बिलकुल वैसा ही है जैसा सीटों के बंटवारे के मुद्दे पर कांग्रेस की राष्ट्रीय गठबंधन समिति के नेताओं से मिलने को लेकर था। बता दे कि असम के बाद भारत जोड़ो न्याय यात्रा 25 जनवरी को कूच बिहार से पश्चिम बंगाल में प्रवेश कर रही है। असम के मुकाबले पश्चिम बंगाल में न्याय यात्रा को छोटा रखा गया है। असम में न्याय यात्रा के तहत 833 किलोमीटर की दूरी रखी गयी थी, जबकि पश्चिम बंगाल के लिए ये दूरी 523 किलोमीटर ही है। असम के 17 जिलों से गुजरने वाली राहुल गांधी की यात्रा पश्चिम बंगाल में सिर्फ 7 जिलों को कवर करेगी, जिसमें कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाले मालदा और मुर्शिदाबाद भी शामिल हैं। बंगाल के बाद न्याय यात्रा बिहार पहुंचेगी, जहां पहले से ही नीतीश कुमार के ताजा हाव-भाव से उथल-पुथल मची हुई है। यही नहीं उत्तरप्रदेश में समाजवादी पार्टी भी अपने उम्मीदवार बिना सीट बंटवारे के घोषित करती जा रही है । कल ही समाजवादी पार्टी ने लखनऊ से रविदास मेहरोत्रा को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को साफ कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) राज्य की सभी 13 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब में हम कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करेंगे, हमारा कांग्रेस के साथ कुछ भी नहीं है। ऐसे में अब इंडिया गठबंधन को लेकर सवाल फिर से शुरू हो गए हैं। क्या इंडिया गठबंधन चुनाव तक स्थिर रह पाएगा, इंडिया गठबंधन का आगे क्या होगा, यह तमाम सवाल उठ रहे हैं। ममता बनर्जी ने घोषणा की कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) राज्य में आगामी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। ममता ने इसके लिए कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे पर बात नहीं बन पाने का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि मैंने उन्हें जो भी प्रस्ताव दिया, कांग्रेस ने सभी को अस्वीकार कर दिया। बनर्जी ने कहा कि तब से, हमने बंगाल में अकेले जाने का फैसला किया है। डैमेज कंट्रोल करते हुए कांग्रेस ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के बिना विपक्षी गठबंधन की कल्पना नहीं की जा सकती। जयराम रमेश ने कहा कि इंडिया ब्लॉक पश्चिम बंगाल में गठबंधन की तरह लड़ेगा और उम्मीद है कि भविष्य में टीएमसी के साथ सीट-बंटवारे की बातचीत सफल होगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने साफ कहा कि ममता और टीएमसी भारत गठबंधन के बहुत मजबूत स्तंभ हैं। हम ममता जी के बिना इंडिया गठबंधन की कल्पना नहीं कर सकते। भाजपा के अमित मालविया ने कहा कि पश्चिम बंगाल में अकेले लड़ने का ममता बनर्जी का फैसला हताशा का संकेत है। अपनी राजनीतिक जमीन बरकरार रखने में असमर्थ, वह सभी सीटों पर लड़ना चाहती है, इस उम्मीद में कि चुनाव के बाद भी वह प्रासंगिक बनी रह सकती है। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से बाहर निकलने के लिए जमीन तैयार कर रही थीं। लेकिन तथ्य यह है कि राहुल गांधी के बंगाल में सर्कस आने से ठीक पहले उनकी अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा आई.एन.डी.आई. गठबंधन के लिए एक मौत की घंटी है।

बताया जा रहा है कि ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को दो से ज्यादा सीटें देने को तैयार नहीं थीं। 2019 के चुनाव में बंगाल में कांग्रेस ने सिर्फ दो सीटों पर ही जीत हासिल की थी। हालांकि, कांग्रेस पश्चिम बंगाल में ज्यादा सीटों की उम्मीद कर रही है। इतना ही नहीं, ममता बनर्जी के खिलाफ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी के बड़े नेता अधीर रंजन चौधरी लगातार बयान देते रहे हैं। वे ममता बनर्जी की सरकार पर सवाल उठाते रहे हैं। यह ममता बनर्जी को बिल्कुल भी रास नहीं आ रहा था। सूत्र दावा कर रहे हैं की ममता बनर्जी ने कांग्रेस आलाकमान को इसकी शिकायत भी की थी। लेकिन उनकी ओर से कुछ नहीं किया गया। इतना ही नहीं, ममता बनर्जी इस बात से भी नाराज थीं कि इंडिया गठबंधन में कम्युनिस्ट पार्टी का बोलबाला है। ममता बनर्जी ने कम्युनिस्ट पार्टी को ही हराकर बंगाल में सत्ता हासिल किया है।

कितना बर्बर था औरंगजेब, कैसे मंदिरों को ध्वस्त कर रही थी मुगलिया फौज

प्रतापगढ़ के अष्टभुजा मंदिर में आज भी मौजूद हैं निशान

देश में कुछ ऐसे मंदिर हैं जहाँ खंडित मूर्तियाँ मंदिरों में स्थापित हैं। ऐसा नहीं है कि इन खंडित मूर्तियों की पूजा किसी परंपरा की वजह से होती है, बल्कि यह उस इस्लामिक कट्टरपंथ की निशानी है जिसे भारत ने सदियों तक झेला है। हमने आपको मध्य प्रदेश के सतना जिले में स्थित गैवीनाथ मंदिर के बारे में बताया था जहाँ मुगल आक्रांता औरंगजेब ने शिवलिंग पर तलवार से प्रहार किया था, लेकिन उसे तोड़ने में असफल रहा था।

इसके बाद से गैवीनाथ मंदिर में खंडित शिवलिंग की पूजा ही की जा रही है। ऐसा ही 900 साल पुराना अष्टभुजा मंदिर उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के गोंडे गाँव में है, जहाँ विराजमान हैं बिना सिर वाली मूर्तियाँ और यहाँ भी मूर्तियों को खंडित करने वाला कोई और नहीं बल्कि औरंगजेब ही था।

इतिहास

लखनऊ से लगभग 160 किमी दूर प्रतापगढ़ के गोंडे गाँव में स्थित है अष्टभुजा धाम, जहाँ स्थापित है अष्टभुजा देवी की प्रतिमा। इस क्षेत्र का इतिहास रामायण और महाभारत काल के समय का है इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि इस मंदिर और यहाँ स्थापित मूर्तियों की स्थापना किसने की थी। वर्तमान मंदिर के विषय में भी पुरातत्वविदों में मतभेद देखने को मिलता है। कुछ इसे 11वीं शताब्दी का बना हुआ मानते हैं और यह संभावना प्रकट करते हैं कि मंदिर का निर्माण सोमवंशी राजाओं ने करवाया होगा। यही तथ्य पुरातत्व विभाग के गजेटियर में दर्ज है। मंदिर की कुछ नक्काशी और शिल्पकलाएँ मध्य प्रदेश के खजुराहो स्थित प्राचीन मंदिरों से मिलती-जुलती है।

इतिहासकारों का एक वर्ग यह भी मानता है कि इस मंदिर का अस्तित्व सिंधु घाटी सभ्यता के दौरान भी था। ऐसा इसलिए क्योंकि मंदिर की दीवारों के कई हिस्सों पर की गई नक्काशियाँ, सिंधु घाटी सभ्यता के दौरान की जाने वाली नक्काशियों और मूर्ति की बनावट से मिलती-जुलती है। इसके अलावा मंदिर के मुख्य द्वार पर किसी विशेष लिपि में कुछ लिखा गया है।

इतिहासकार इसे ब्राह्मी लिपि बताते हैं तो कुछ इसे उससे भी पुराना मानते हैं। इस तरह आज भी मंदिर के इतिहास के विषय में कोई पुख्ता जानकारी उपलब्ध नहीं है।

मस्जिद जैसा द्वार

यह उस समय की बात है जब मुगल आक्रांता अपनी इस्लामिक कट्टरपंथी विचारधारा के अहंकार में हिंदुओं के धर्म स्थलों को नष्ट कर रहे थे। एशियानेट न्यूज से चर्चा के दौरान अष्टभुजा धाम मंदिर के मुख्य पुजारी राम सजीवन गिरी ने बताया था कि इस क्षेत्र के मंदिरों को भी तोड़ने के लिए औरंगजेब की मुगल सेना आई हुई थी। मंदिर को बचाने के लिए तत्कालीन पुजारी ने एक उपाय सोचा। उन्होंने मंदिर के मुख्य द्वार और मार्ग का निर्माण इस प्रकार करवाया कि यह एक मस्जिद की तरह दिखाई दे। लगभग पूरी मुगल फौज मंदिर के सामने से गुजर गई, लेकिन अंत में एक की नजर मंदिर में लगे घंटे पर पड़ गई। इसके बाद औरंगजेब की फौज ने मंदिर के भीतर प्रवेश किया और प्रतिमाओं के सिर, धड़ से अलग कर दिए।

तब से ही मंदिर में बिना सिर वाली मूर्तियों की पूजा की जाती है। सभी मूर्तियों के सिर मंदिर में ही रखे गए हैं। मंदिर में देवी अष्टभुजा की एक अष्टधातु से निर्मित प्रतिमा स्थापित की गई थी, लेकिन लगभग 17 साल पहले वह मूर्ति भी चोरी हो गई थी। हालाँकि ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से यहाँ देवी अष्टभुजा की एक पत्थर की प्रतिमा स्थापित करवाई।

कैसे पहुँचे?

यह मंदिर प्रतापगढ़ में स्थित है जो यूपी की राजधानी लखनऊ से लगभग 160 किमी दूर है। गोंडे गाँव का नजदीकी हवाईअड्डा प्रयागराज में स्थित है जो यहाँ से लगभग 80 किमी दूरी पर है। इसके अलावा इस स्थान की अयोध्या से दूरी लगभग 100 किमी है, जहाँ आगामी समय में एक शानदार एयरपोर्ट का निर्माण किया जाना है।

प्रतापगढ़ रेलमार्ग से भी कई बड़े शहरों से जुड़ा हुआ है। यहाँ मुख्य जंक्शन के अलावा चिबिला और भूपिया मऊ जैसे रेलवे स्टेशन हैं। इसके अलावा प्रतापगढ़ सड़क मार्ग से पहुँचना बहुत आसान है। प्रतापगढ़, राष्ट्रीय राजमार्ग 96 (प्रयागराज-अयोध्या के बीच), राष्ट्रीय राजमार्ग 31 (लखनऊ-वाराणसी के बीच) पर स्थित है। इसके अलावा यह उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी गंगा एक्सप्रेसवे पर भी स्थित है।

आज से शुरू होगा माघ मास

ये महीना भगवान विष्णु, श्रीकृष्ण और सूर्य पूजा का; इन दिनों स्नान-दान से मिलता है अश्वमेध यज्ञ का पुण्य

माघ मास 26 जनवरी, शुक्रवार से शुरू होगा। जो कि 24 फरवरी शनिवार तक रहेगा। इस महीने के स्वामी माधव हैं। ये भगवान विष्णु और कृष्ण का ही नाम है। इस महीने में सूर्य के सहस्रांशु रूप को पूजने का विधान अग्नि पुराण में बताया गया है। माघ मास में भगवान विष्णु, कृष्ण और सूर्य पूजा की परंपरा है। ऐसा करने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं, इसलिए माघ मास को पाप खत्म करने और पुण्य देने वाला महीना कहा गया है।

इस पवित्र महीने में स्नान का बहुत महत्व है। यानी माघ में पवित्र नदियों के जल से नहाना चाहिए। ऐसा न कर पाएं तो घर पर ही गंगाजल या किसी भी पवित्र नदी के जल की कुछ बूंदे पानी में डालकर नहाने से भी तीर्थ स्नान करने जितना पुण्य मिलता है।

माघ स्नान का महत्व

पद्म पुराण में माघ मास का महत्व बताते हुए कहा गया है कि इस महीने में स्नान करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और सभी पापों से मुक्ति मिलती है।

इस महीने में स्नान करने से हजारों अश्वमेध यज्ञ करने के बराबर पुण्य फल मिलता है। वहीं, प्रयागराज के संगम में माघ मास के दौरान स्नान करने से कभी न खत्म होने वाला पुण्य मिलता है।

माघ मास में हर दिन प्रयाग संगम पर नहाने से सुख, सौभाग्य, धन और संतान प्राप्ति होती है और मृत्यु के बाद मोक्ष भी मिल जाता है। भगवान विष्णु का धाम मिलता है। पूरे माघ महीने में प्रयागराज के संगम में नहाने से कई यज्ञों को करने जितना पुण्य भी मिलता है। साथ ही सोना, भूमि और गोदान करने का पुण्य भी माघ मास में तीर्थ स्नान करने से मिलता है।

सोने का गहना धारण करते समय करें इन मंत्रों का जाप

सोने के गहने पहनना किसे पसंद नहीं होता। हर कोई यही चाहता है कि उसकी तिजोरी सोने के गहनों से भरी रहे। चाहे पूजा-पाठ हो या फिर कोई शादी हर जगह इन्हें पहना जाता है। बता दें कि सुंदरता को बढ़ाने के साथ-साथ ये ज्योतिष शास्त्र में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सोना धारण करने से धारण करने से सूर्य की ऊर्जा मिलती है। इनको धारण करते समय सूर्य देव के मंत्रों का जाप करना बेहद ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति की खूबसूरती में बढ़ोतरी होती है और कुंडली में ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है। इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि ऐसा करने से आर्थिक दशा पहले से और भी ज्यादा बेहतर हो जाती है। मान्यताओं के अनुसार सोना हमेशा शुभ दिन और मुहूर्त और देखकर ही पहनना चाहिए।

सोना धारण करने के लिए शुभ दिन- रविवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार।

सूर्य गायत्री मंत्र
ॐ भास्कराय विद्महे महातेजाय धीमहि।
तन्नो आदित्यः प्रचोदयात।
सूर्य देव का बीज मंत्र
सूर्य बीज मंत्र - ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।
सूर्य मंत्र- आदित्याय विदमहे दिवाकराय धीमहि। तन्नो सूर्यः प्रचोदयात।
इस दिन पहने सोना

आत्मा असिद्ध नहीं होगी

यह सिद्ध नहीं होगा, इस भूल में कोई वैज्ञानिक न रहे कि हम आदमी की उम्र अगर पांच सौ वर्ष कर लेंगे, हजार वर्ष कर लेंगे, तो हमने सिद्ध कर दिया कि आदमी के भीतर कोई आत्मा नहीं है। नहीं, इससे कुछ भी सिद्ध नहीं होता। इससे इतना ही सिद्ध होता है कि मैकेनिजम शरीर का जो था, उसे आत्मा को इसीलिए बदलना पड़ता था कि वह जराजीर्ण हो गया था। अगर उसको रिप्लेस किया जा सकता है, हृदय बदला जा सकता है, आख बदली जा सकती है, हाथ—पैर बदले जा सकते हैं, तो आत्मा को शरीर बदलने की कोई जरूरत न रही। पुराने घर से ही काम चल जाएगा। रिपेयरमेंट हो गया। उससे कोई आत्मा नहीं है, यह दूर से भी सिद्ध नहीं होता। और यह भी हो सकता है कि कल विज्ञान टेस्ट — टयूब में जन्म दे सके, जीवन को पैदा कर सके। और तब शायद वैज्ञानिक इस भ्रम में पडूगा कि हमने जीवन को जन्म दे लिया, वह भी गलत है। यह भी मैं कह देना चाहता हूं कि उससे भी कुछ सिद्ध नहीं होता।

मां और बाप मिलकर क्या करते हैं? एक पुरुष और एक स्त्री मिलकर क्या करते हैं स्त्री के पेट में? आत्मा को जन्म नहीं देते। दे जस्ट क्रियेट ए सिचुएशन, वे सिर्फ एक अवसर पैदा करते हैं जिसमें आत्मा प्रविष्ट हो सकती है। मां का और पिता का अणु मिलकर एक अपरचुनिटी, एक अवसर, एक सिचुएशन पैदा करते हैं जिसमें आत्मा प्रवेश पा सकती है। कल यह हो सकता है कि हम टेस्ट — टयूब में यह सिचुएशन पैदा कर दें।

इससे कोई आत्मा पैदा नहीं हो रही है। मां का पेट भी तो एक टेस्ट—टयूब है, एक यांत्रिक व्यवस्था, वह प्राकृतिक है। कल विज्ञान यह कर सकता है कि प्रयोगशाला में जिन—जिन रासायनिक तत्वों से पुरुष का वीर्याणु बनता है और स्त्री का अणु बनता है, उन —उन रासायनिक तत्वों की पूरी खोज और प्रोटोप्लाज्म की पूरी जानकारी से यह हो सकता है कि हम टेस्ट —टयूब में रासायनिक व्यवस्था कर लें। तब जो आत्माएं कल तक मां के पेट में प्रविष्ट होती थीं, वे टेस्ट—टयूब में प्रविष्ट हो जाएंगी। लेकिन आत्मा पैदा नहीं हो रही है, आत्मा अब भी आ रही है। जन्म की घटना दोहरी घटना है —शरीर की तैयारी और आत्मा का आगमन, आत्मा का उतरना। आत्मा के संबंध में आने वाले दिन बहुत खतरनाक और अंधकारपूर्ण होने वाले हैं, क्योंकि विज्ञान की प्रत्येक घोषणा आदमी को यह विश्वास दिला देगी कि आत्मा नहीं है। इससे आत्मा असिद्ध नहीं होगी, इससे सिर्फ आदमी के भीतर जाने का जो संकल्प था, वह क्षीण होगा। **(क्रमशः)**

मोक्ष की इच्छा रखना माया है

इस बात से कोई भी इंकार नहीं करेगा कि हमारा देश आज कोरे उपदेशकों का देश बन गया है। कहा जाता है कि प्रत्येक भारतीय जन्मजात दार्शनिक होता है, इसीलिए पैदा होने के साथ ही उसे दर्शन-शास्त्र की घुट्टी पिलाई जाती है, तभी तो भारत के बच्चे भी दार्शनिक विषयों पर सहजता से वार्तालाप कर सकते हैं। लेकिन फिर भी आज जितना नैतिक और आध्यात्मिक पतन भारतवासियों का हुआ है, उतना शायद ही किसी देश के नागरिकों का हुआ होगा। आज कोने-कोने में धर्मस्थल बन रहे हैं, फिर भी देश दिनों-दिन पतन के गर्त में गिरता जा रहा है। क्या आपने कभी विचार किया है कि ऐसा क्यों है ? ऐसा इसलिए हैं क्योंकि तोते की तरह विद्वानों के महान उपदेशों और दार्शनिक सिद्धांतों को लोगों ने रट तो लिया है, लेकिन व्यावहारिक जीवन में उनकी कुछ भी अनुभूति नहीं कर रहे।

एक दिन बाजार में चलते-चलते एक व्यक्ति की नजर किसी दुकान के भीतर रखे हुए एक सुनहरे पिंजरे में बैठे तोते पर पड़ी। उसने देखा तोता बड़े मजे से स्वादिष्ट भोजन खा रहा था पर बीच-बीच में जोर-जोर से 'मुक्ति-मुक्ति' की रट भी लगाए जा रहा था। यह देख उस व्यक्ति को बड़ा आश्चर्य हुआ कि यह कैसा कैदी है जो कैदखाने में आनंदपूर्वक भोजन भी कर रहा है और साथ ही साथ मुक्त होने की पुकार भी लगा रहा है।

करुणा के वशीभूत होकर उसने दुकान के अंदर जाकर तोते को आजाद करने के ख्याल से पिंजरे का दरवाजा खोल दिया। परंतु दरवाजा खुलते ही तोते ने एक बार खुले दरवाजे की तरफ दृष्टि उठाई और फिर वापस अपना भोजन कुतरने लगा और फिर से पहले की ही तरह बीच-बीच में 'मुक्ति-मुक्ति' की रट लगाए जा रहा था।

यह दृश्य देख उस व्यक्ति के आश्चर्य की सीमा न रही और फिर उसने जबरदस्ती तोते को पकड़कर बहार निकाला और मुक्त आकाश में छोड़ दिया, लेकिन वह असीम गगन में स्वतंत्रता-पूर्वक विचरण करने की बजाय फिर से आकर पिंजरा पकड़ कर बैठ गया और फिर वही 'मुक्ति-मुक्ति' की रट लगाने लगा। यह सारा दृश्य बड़े मजे से देख रहे दुकानदार ने उस व्यक्ति को अपने पास बुलाया और हंसते हुए कहा कि 'मुक्ति-मुक्ति' यह तोते के अंतरात्मा की पुकार नहीं है बल्कि मेरा सिखाया हुआ शब्द-जाल है, जिसका उसकी चाह से कोई भी संबंध नहीं है। इस कथा पर हमें गंभीरतापूर्वक यह सोचना चाहिए की तोते के इस आचरण पर क्या कुछ भी आश्चर्य करने की आवश्यकता है ? क्या आज के मनुष्यों का आचरण भी उस तोते-जैसा नहीं है ? बल्कि क्या मनुष्यों का आचरण उस तोते से भी अधिक आश्चर्यजनक नहीं है ?

आज लाखों मनुष्य प्रतिदिन भगवान से मुक्ति के लिए करबद्ध प्रार्थना करते हैं। यह जानकर भी कि इस शरीर को छोड़ने के बाद ही तो मुक्ति मिल सकती है, फिर भी हम उसके लिए प्रार्थना करते रहते हैं और मन ही मन मृत्यु के नाममात्र से कांपते भी रहते हैं। इसी प्रकार अनेक मनुष्य प्रतिदिन भगवान से यह प्रार्थना करते हैं कि हमारे कर्म-बंधन की जंजीरों को काटो, लेकिन जंजीरों की एक कड़ी भी टूटने पर, अपने एक भी निकट संबंधी के शरीर छोड़ने पर वे भगवान पर क्रोधित हो जाते हैं और उनको अपशब्द बोलना शुरू कर देते हैं। भगवान से प्रार्थना करते हैं कि हमें पंच विकारों से छुड़ाओ, लेकिन वे विकारों से उतना ही चिपटे रहते हैं जितना तोता पिंजरे से।

समझदार वही है जो मुक्ति-मुक्ति करने के बजाय अपनी अंतरात्मा की आवाज सुन कर खुद ही अपने को मुक्त करेगा और अन्यों को भी मुक्त होने में सहयोगी बनेगा।

कुणाल ने पत्नी सोहा को खास अंदाज में दी शादी की सालगिरह की बधाई, करीना ने भी लुटाया प्यार

सोहा अली खान और कुणाल खेमू बॉलीवुड के सबसे क्यूट कपल्स में से एक हैं। दोनों स्टार्स आज अपनी शादी की नौवीं सालगिरह मना रहे हैं। सोहा और कुणाल ने साल 2015 में शादी की थी। दोनों सितारे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और एक-दूसरे की तस्वीरें साझा करते रहते हैं। आज अपनी शादी की सालगिरह के खास दिन पर सोहा और कुणाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर एक-दूसरे को खास अंदाज में शुभकामनाएं दी हैं। वहीं, सोहा की प्यारी भाभी और अभिनेत्री करीना कपूर ने भी पोस्ट साझा कर कपल को वेडिंग एनिवर्सरी की बधाई दी है।

सोहा ने साझा कीं अनदेखी तस्वीरें

अभिनेत्री सोहा अली खान ने शादी की सालगिरह पर अपने इंस्टाग्राम हैंडल से कुछ तस्वीरें साझा की हैं। सोहा ने शादी की तस्वीरों के आलावा कुणाल खेमू के साथ बिताए प्यारे पलों की झलक दिखाई है। एक तस्वीर में सोहा अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं।

कुणाल ने सोहा पर लुटाया प्यार

सोहा के आलावा कुणाल खेमू ने अपनी शादी की सालगिरह के खास मौके पर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक प्यारा सा वीडियो साझा किया है। वीडियो में, उन्होंने शादी की कई अनदेखी तस्वीरों से लेकर अपनी छुट्टियों के खुशी भरे पलों को संजोया है। कुणाल खेमू ने वीडियो साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'आज हमारी शादी का हैप्पी बर्थडे है।

प्यार से सोहा का पति' करीना ने दी शुभकामनाएं

सोहा और कुणाल खेमू की पोस्ट पर फैंस से लेकर सेलेब्स तक बधाई दे रहे हैं। वहीं, सोहा की प्यारी भाभी और अभिनेत्री करीना कपूर खान ने भी कमेंट बॉक्स में लिखा, 'हैप्पी एनिवर्सरी प्यारे प्यारे प्रेमियों।' इसके आलावा अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी में सोहा और कुणाल की तस्वीर भी साझा की है। तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने लिखा, 'हैप्पी एनिवर्सरी फेवरेट।' सोहा अली खान और कुणाल खेमू ने कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट किया और जुलाई 2014 में सगाई की थी। एक साल बाद दोनों स्टार्स ने 25 जनवरी, 2015 को पवित्र शादी के बंधन में बंधे थे।

फैमिली स्टार में खास होगा मृणाल का किरदार, अलग अंदाज से लोगों को चौंकाने के लिए अभिनेत्री तैयार

मृणाल ठाकुर ने बहुत कम समय में अपनी अदाकारी से लोगों के दिलों में खास जगह बना ली है। हिंदी पट्टी के साथ दक्षिण भारत में भी उनकी अच्छी फैन फॉलोइंग है। हाल ही में वे अभिनेता नानी के साथ फिल्म हाय पापा में दिखाई दी थी। इस फिल्म में यशना के किरदार में उनको काफी पसंद किया गया है।

मजेदार होगा मृणाल का किरदार

अभिनेत्री ने हाल ही में एक बातचीत में अपने आगामी प्रोजेक्ट पर खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने विजय देवरकोंडा के साथ फैमिली स्टार नाम की फिल्म पर भी खुलासा किया। मृणाल ने बताया कि फिल्म में उनका किरादर काफी मजेदार है। अभिनेत्री ने कहा कि यह फिल्म उन सभी लोगों के लिए हैं, जिन्हें शिकायत है कि वे पर्दे पर अक्सर उन्हें रुला देती हैं।

फिल्म में मिलेगा हर एक मसाला

उन्होंने बताया कि फैमिली स्टार मजेदार फिल्म है, जिसमें दर्शकों को वो सब चीजें देखने को मिलेंगी जो एक मनोरंजक फिल्म में होती हैं। मृणाल ने कहा, फिल्म में डांस है, खूबसूरत गाने हैं, खूबसूरत दृश्य हैं, मेरा मतलब है कि इसमें वह सबकुछ है जो लोग देखना चाहते हैं। मैं फिल्म से लोगों को चौंकाना और आश्चर्यचकित करना चाहती हूं। परशुराम सर के साथ काम करना मजेदार था।"

ये सितारे भी आएंगे नजर

निर्देशक की तारीफ करते हुए उन्होंने आगे कहा, "वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं और मैं उनके लेखन की बहुत शौकीन हूं। मेरे लिए उनकी यात्रा बहुत प्रेरणादायक है। मैं वास्तव में फिल्म को लेकर उत्साहित हूं, क्योंकि यह परशुराम गारू के जीवन से भी संबंधित है। यह बहुत दिलचस्प है कि इसमें हमारे पास विजय और रोहिणी मैम हैं जो फिल्म में एक बहुत ही अभिन्न भूमिका निभा रहे हैं।

संजय गुप्ता ने साधा विवेक ओबेरॉय पर निशाना

संजय गुप्ता अब तक कई हिट फिल्में बना चुके हैं। उन्होंने शूटआउट एट लोखंडवाला नाम की फिल्म से लोगों पर गहरी छाप छोड़ी है। इस फिल्म में उन्होंने माया डोलस की भूमिका के लिए विवेक ओबेरॉय को कास्ट किया था। हाल ही में विवेक की वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स रिलीज हुई है। इसमें उनके काम को काफी पसंद किया जा रहा है। एक बातचीत के दौरान विवेक ने खुलासा किया था कि करियर में एक ऐसा वक्त भी आया था, जब उनके पास फिल्में नहीं थीं और वे डिप्रेशन में जा रहे थे।

हालांकि, उस समय संजय ने विवेक को शूटआउट एट लोखंडवाला ऑफर की थी। इस फिल्म में दर्शकों को विवेक की अदाकारी काफी पसंद आई थी, लेकिन इसके बाद जब निर्देशक ने उन्हें अपनी एंथोलॉजी फिल्म 'दस कहानियां' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए कहा तो उन्होंने इसे करने से इनकार कर दिया था। हाल ही में एक साक्षात्कार में संजय गुप्ता ने इन मुद्दों पर खुलकर बात की।

उन्होंने कहा कि सभी कलाकार 'दस कहानियां' का हिस्सा बनने के लिए सहमत थे और विवेक एकमात्र व्यक्ति थे, जिन्होंने इसे रिजेक्ट कर दिया। निर्देशक ने कहा कि इस पर उन्होंने कुछ नहीं कहा, लेकिन मन बना लिया कि अब से वे उनसे दूर रहेंगे। उसके बाद उन्होंने उनके साथ काम नहीं किया। फिल्मकार ने आगे याद करते हुए कहा कि जब वे 'शूटआउट एट वडाला' बना रहे थे तो विवेक ने सुझाव दिया कि वे फिर से साथ काम करें, लेकिन इस बार भी, वे आखिरी समय में पीछे हट गए। संजय ने खुलासा किया कि ओबेरॉय दिवाली पर उनके घर आए थे, फिल्म की कहानी सुनी और बाद में फिल्म का हिस्सा बनने के लिए सहमत हो गए। संजय ने बताया कि जब उन्होंने फिल्म की घोषणा की तो विवेक पीछे हट गए, क्योंकि उन्हें संजय दत्त की टीम से कुछ कॉल आए थे।

बाद में, संजय ने उस भूमिका में सोनू सूद को कास्ट किया। माना जाता है कि यह फिल्म मुंबई के एक गैंगस्टर मान्या सुर्वे के जीवन पर आधारित थी। यह फिल्म दर्शकों को पसंद आई और व्यावसायिक रूप से भी सफल भी रही थी।

वाणी के लिए धमाकेदार रहने वाला है साल 2024

वाणी कपूर ने अपना उत्साह जाहिर करते हुए एक बयान में कहा, '2024 को लेकर मैं बहुत रोमांचित हूं। इस साल मैं चार अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में शामिल हूं। इनमें एक 'रेड 2' है, जिसमें मुझे शानदार एक्टर अजय देवगन के साथ काम करने का मौका मिला है'। अभिनेत्री वाणी कपूर के लिए ये साल काफी शानदार होने वाला है। उनकी झोली में कई प्रोजेक्ट्स हैं और वे बड़े-बड़े सुपरस्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। वाणी इस साल एक या दो नहीं, बल्कि पूरे चार प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी। इनमें से एक फिल्म है 'रेड 2', जिसमें वे अजय देवगन के साथ पहली बार काम कर रही हैं। इसके अलावा वेब सीरीज 'मंडला मर्डर्स' के जरिए वे ओटीटी पर भी धमाल मचाएंगी। अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर वाणी काफी उत्साहित हैं।

अजय देवगन के साथ आएंगी नजर

वाणी कपूर ने अपना उत्साह जाहिर करते हुए एक बयान में कहा, '2024 को लेकर मैं बहुत रोमांचित हूं। इस साल मैं चार अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में शामिल हूं। इनमें एक है 'रेड 2' है, जिसमें मुझे शानदार एक्टर अजय देवगन के साथ काम करने का मौका मिला है। इस फिल्म के जरिए न सिर्फ मुझे सीखने को मिलेगा, बल्कि बतौर कलाकार भी ये फिल्म मेरी अभिनय यात्रा को मजबूती देगी'।

बड़े सुपरस्टार के साथ करेंगी फिल्म

इसके अलावा वाणी ने एक और सुपरस्टार के साथ फिल्म करने को लेकर बात कीं, लेकिन इसकी डिटेल अभी सीक्रेट रखी गई हैं। अभिनेत्री ने कहा, 'मैंने एक बड़े सुपरस्टार के साथ एक प्रोजेक्ट शुरू किया है, लेकिन अफसोस कि अभी इस प्रोजेक्ट को सीक्रेट रखा गया है, इसलिए मुझे इसकी जानकारी देने से भी रोका गया है'।

'सर्वगुण संपन्न' में जल्द आएंगी नजर

वाणी कपूर ने आगे फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' को लेकर बात की। इसमें वह लीड रोल कर रही हैं। फिल्म जल्द ही थिएटर में दस्तक देगी। वाणी ने कहा कि सालभर दर्शकों को वह अलग-अलग भूमिकाओं में नजर आएंगी। इसके अलावा वह 2024 में वाईआरएफ की

पिता के नाम के बगैर जैमी को मिला था इंडस्ट्री में काम, जॉनी लीवर ने नहीं किया बेटी का मार्गदर्शन!

बॉलीवुड इंडस्ट्री के मशहूर कलाकार जॉनी लीवर ने अपनी कॉमेडी से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया है। वहीं, अब उनकी बेटी जैमी लीवर तेलुगु फिल्म से अभिनय करियर में कदम रखने जा रही हैं। जैमी लीवर भी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री ने साझा किया है कि जब उन्होंने कॉमेडी में अपनी यात्रा शुरू की, तो उनके पिता जॉनी लीवर ने उन्हें बॉलीवुड में एक सफल कॉमेडियन बनने के लिए कोई रास्ता नहीं दिखाया।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में जैमी ने याद किया कि उन्हें पहला ब्रेक सोनी टीवी के कॉमेडी सर्कस से मिला था, जहां उन्हें उनके स्टेज नाम का इस्तेमाल करके काम पर रखा गया था और निर्माताओं को इस बात का अंदाजा नहीं था कि वे जॉनी लीवर की बेटी को काम पर रख रहे हैं। जैमी ने कहा, "पिताजी नहीं चाहते थे कि मैं उस पर शो पर काम करूं। उनका कहना था कि मुझे नहीं पता कि यह कैसा होगा और तुम कैसे काम करोगी।' जैमी ने शो में काम करने के अपने अनुभव का खुलासा किया और बताया, "मैं कलाकारों और क्रू मीट में सुदेश, कृष्णा और भारती से मिली। उन्होंने मेरी रैगिंग शुरू कर दी। उन्होंने मुझसे पूछा 'तुम्हारे पिता क्या करते हैं?'

मैंने उन्हें अपने पिता का नाम बताया, तो सुदेश जी ने कहा 'अरे बेटा, तुम हमारी बेटी की तरह हो।'उस वक्त मुझे ऐसा लगा जैसे मैं अब इस परिवार का हिस्सा बन गई हीं। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम सबकी देखभाल करें।"जैमी ने कहा कि जब निर्माताओं को पता चला कि वह जॉनी की बेटी है, तो वे चाहते थे कि जैमी हर एपिसोड में अपने पिता की छाप छोड़े। उन्होंने साझा किया, मेकर्स कहते थे कि 'जॉनी लीवर का थोड़ी सी छाप होनी चाहिए' क्योंकि हमें इस बात पर जोर देना होगा कि वह जॉनी लीवर की बेटी है और हमने उसे लॉन्च किया है।

बता दें कि जैमी कॉमेडी में अपने पिता को भी मात देती हैं। अक्सर उनके कॉमेडी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। अब अभिनेत्री तेलुगु फिल्मों से साउथ पट्टी में भी अपनी अमिट छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।

कृति सेनन को यूएई में मिला गोल्डन वीजा

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कृति सेनन बॉलीवुड की प्रतिभावान कलाकारों में से एक हैं। अपनी कला के दम पर उन्होंने देश के साथ विदेश में भी जबर्दस्त फैन फॉलोइंग बना रखी है। इस बीच अभिनेत्री के नाम एक बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। हाल ही में उन्हें प्रतिष्ठित यूएई गोल्डन वीजा से सम्मानित किया गया है। इसके बाद वे शाहरुख खान जैसी प्रसिद्ध भारतीय फिल्म हस्तियों की श्रेणी में शामिल हो गई हैं, जिन्हें पहले यह सम्मान मिल चुका है।

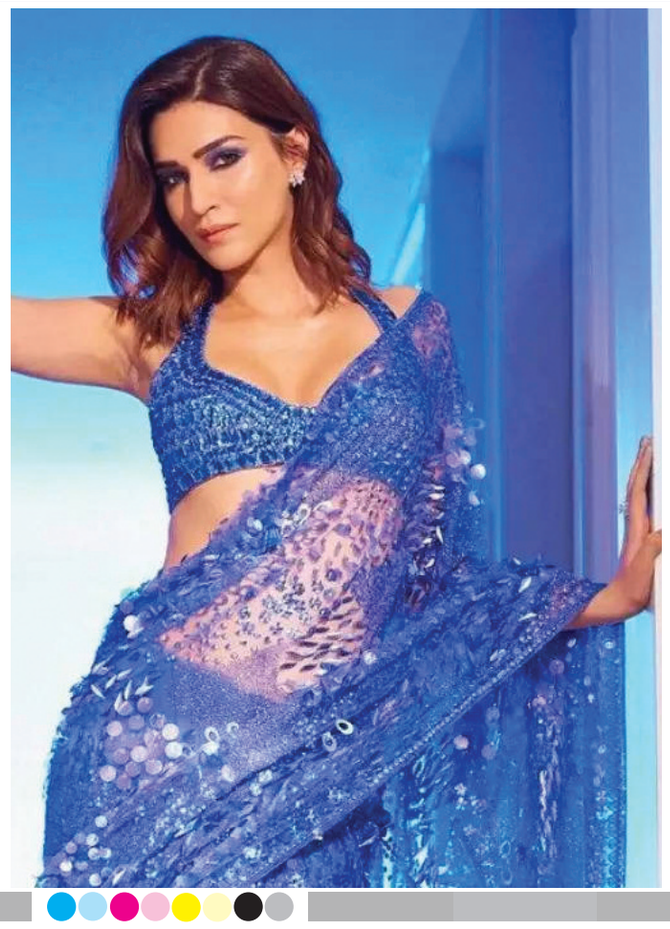

2019 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा पेश की गई, गोल्डन वीजा प्रणाली लंबी अवधि के निवास वीजा की सुविधा देती है, जिससे विदेशियों को राष्ट्रीय प्रायोजक की आवश्यकता के बिना और उनके 100 प्रतिशत स्वामित्व के साथ यूएई में रहने, काम करने, व्यापार और अध्ययन करने में सक्षम बनाया जाता है।

ईसीएच डिजिटल के सीईओ इकबाल मार्कोनी से कृति सेनन को यह गोल्डन वीजा मिला। अपना आभार व्यक्त करते हुए अभिनेत्री ने कहा, "यूएई गोल्डन वीजा प्राप्त करना सम्मान की बात है। दुबई का मेरे दिल में एक विशेष स्थान है और मैं इसके जीवंत सांस्कृतिक परिदृश्य का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हूं।"

कृति से पहले, शाहरुख खान और उनके परिवार, संजय दत्त, सानिया मिर्जा, बोनी कपूर और उनके बच्चे अर्जुन, जान्हवी, खुशी और अंशुला कपूर, संजय कपूर, वरुण धवन, रणवीर सिंह, कमल हासन, मोहनलाल, ममूटी सहित कई हस्तियों को यह वीजा मिल चुका है। उनके अलावा दुलकर सलमान, मौनी रॉय, उर्वशी रौतेला, सुनील शेट्टी, नेहा कक्कड़, फराह खान, सोनू सूद, टोविनो थॉमस और अमला पॉल को भी इस सम्मान से नवाजा जा चुका है।

विज्ञापन

वर्क फ्रंट की बात करें तो कृति सेनन अमित जोशी और आराधना साह की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में नजर आने वाली हैं। फिल्म में वे शाहिद के अपोजिट दिखेंगी। हाल ही में इसका ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की काफी सराहना मिला है। फिल्म में वे रोबोट के किरदार में हैं। इसे फरवरी के महीने में वैलेंटाइट वीक पर रिलीज करने की तैयारी है।

कानूनी पचड़े में फंस सकती है धनुष की 'कैप्टन मिलर'

मकर संक्रांति के मौके पर रिलीज हुई धनुष की 'कैप्टन मिलर' का बॉक्स ऑफिस पर हाल बेहाल है। फिल्म ने 11 दिनों में जहां 44 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है, वहीं अब इस पर साहित्यिक चोरी का सनसनीखेज आरोप लगा है। वेला रामामूर्ति का दावा है कि यह फिल्म उनके उपन्यास पर आधारित है।

साउथ के सुपरस्टार धनुष सोमवार को जहां राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में भाग लेने अयोध्या पहुंचे थे, वहीं उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'कैप्टन मिलर' कानूनी पचड़े में फंसती हुई नजर आ रही है। फिल्म पर कहानी चोरी करने का आरोप लगा है। अरुण माथेश्वरन के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई है। मकर संक्रांति के मौके पर रिलीज इस फिल्म ने 11 दिनों में महज 44.12 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है।

कैप्टन मिलर' पर प्लेजियरिज्म यानी साहित्यकि चोरी का सनसनीखेज आरोज लगा है। तमिल राइटर और एक्टर वेला रामामूर्ति ने ये आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि यह फिल्म उनके तमिल उपन्यास 'पट्टथु यानै' की कॉपी है। वेला का कहना है कि धनुष और उनकी फिल्म के मेकर्स ने बनि इजाजत के उनके उपन्यास की कहानी पर 'कैप्टन मिलर' फिल्म बनाई है।

'डायरेक्टर्स यूनियन तक ले जाऊंगा चोरी का मामला'

एक तमिल मैगजीन से बात करते हुए वेला ने कहा, 'कैप्टन मिलर की कहानी मेरे उपन्यास 'पट्टथु यानै' पर आधारित है। मुझे इस साहित्यकि चोरी के लिए इंसाफ चाहिए। इंडस्ट्री में ईमानदारी नहीं बची है। मैं इस मामले को तमिल सिनेमा डायरेक्टर्स यूनियन (TCDU) तक लेकर जाऊंगा। मुझे उम्मीद है कि फिल्ममेकर भारतीराजा सर मेरे साथ न्याय करेंगे।'

धनुष और रनजीकांत के साथ काम कर चुके हैं वेला

इंटरव्यू में वेला ने आगे यह भी कहा कि उनका मकसद इस मामले को उठाकर प्रसिद्धि पाना नहीं है। ना ही उन्हें इसके लिए कोई पैसा या भुगतान चाहिए। वह सिर्फ अपनी रचना के लिए न्याय चाहते हैं। वेला रामामूर्ति इससे पहले धनुष के ससुर जी और सुपरस्टार रजनीकांत के साथ भी काम कर चुके हैं। वेला को रजनीकांत की फिल्म 'अन्नात्थे', 'सेतुपति' और 'कीदारी' में देखा गया है। यही नहीं, वह धनुष के साथ फिल्म 'एनाई नोक्की पायुम थोटा' में नजर आए थे।

मकर संक्रांति के मौके पर 12 जनवरी को रिलीज 'कैप्टन मिलर' में आजादी से पहले के भारत की कहानी दिखाई गई है। फिल्म एक ऐसे किरदार 'कैप्टन मिलर' की कहानी है, जो पहले अंग्रेजों की सेना में कैप्टन था, लेकिन बाद में गांव वालों की रक्षा के लिए वह ब्रिटिश हुकूमत के खलिफ हो जाता है।

बिग बॉस 17 के बाद अंकिता लोखंडे बनेंगी एकता कपूर की नई नागिन?

अंकिता लोखंडे की तारीफ में बिग बॉस ने पढ़े कसीदे

टीवी के चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' अपने अखिरी पड़ाव पर है और बस कुछ दिनों में शो को इस सीजन का विनर मिल जाएगा। 'बिग बॉस 17' को टॉप 5 फाइनलिस्ट मिल गए हैं। इसमें अंकिता लोखंडे, मुनव्वर फारूकी, अरुण मोशेट्टी, अभिषेक कुमार और मन्नारा चोपड़ा को जगह मिली है। 'बिग बॉस 17' के टॉप 5 फाइनलिस्ट के शो के जर्नी वीडियो सामने आने लगे हैं। अब अंकिता लोखंडे का शो का जर्नी वीडियो दिखाया गया है। शो का एक प्रोमो वीडियो सामने आया है जिसमें बिग बॉस अंकिता लोखंडे की तारीफ करते नजर आ रहे हैं, वहीं, टीवी एक्ट्रेस अपनी तारीफ सुनकर इमोशनल हो जाती हैं। आइए देखते हैं कि 'बिग बॉस 17' को लेकर अंकिता लोखंडे का क्या कहती हैं।

'बिग बॉस 17' का नया प्रोमो वीडियो

सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' में अब टॉप-5 फाइनलिस्ट के जर्नी वीडियो दिखाए जा रहे हैं। अब शो के लेटेस्ट प्रोमो में अंकिता लोखंडे के बिग बॉस 17 का जर्नी वीडियो दिखाया गया। इस वीडियो में देख सकते हैं कि बिग बॉस कहते है, 'अंकिता लोखंडे के दिल में वाकई रिश्तों की काफी जगह और अहमियत है। दिल से निभाए गए दावे के साथ आपका ये रिश्तों की परीक्षा भरा सफर काफी दिलचस्प रहा है या मैं यूं कहूं कि पवित्र रहा है।' वहीं, 'अंकिता लोखंडे कहती हैं, टीवी मेरा मायका है। जिस तरीके से प्यार मुझे यहां मिला है, मुझे जिंदगी में कहीं नहीं मिलेगा।'

'बिग बॉस 17' के विनर को लगाई जा रहीं अटकलें

रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' का फिनाले आने वाले रविवार यानी 28 जनवरी को होने जा रहा है। शो के फिनाले को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। शो के टॉप-5 फाइनलिस्ट में अंकिता लोखंडे, मुनव्वर फारूकी, अरुण मोशेट्टी, अभिषेक कुमार और मन्नारा चोपड़ा को जगह मिली है। सोशल मीडिया पर कयासबाजी हो रही है कि शो 'बिग बॉस 17' के टॉप 3 में अंकिता लोखंडे, मुनव्वर फारूकी, और अभिषेक कुमार पहुंचने वाले है और शो की ट्रॉफी मुनव्वर फारुकी के हाथ आएगी। हालांकि, ये तो देखने वाली बात होगी कि शो 'बिग बॉस 17' का विनर कौन बनता है।

सलमान खान का रियलिटी शो बिग बॉस 17 खत्म होने वाला है। शो का ग्रैंड फिनाले 28 जनवरी को होगा, जिसमें अंकिता लोखंडे विनर की ट्रॉफी उठा सकती हैं। अंकिता लोखंडे टीवी की दमदार एक्ट्रेस हैं और इस शो की मजबूत कंटेस्टेंट भी हैं, लेकिन अब अंकिता लोखंडे से जुड़ी एक और बड़ी खबर आ रही है। दावा किया जा रहा है कि अंकिता लोखंडे एकता कपूर के सुपरहिट शो नागिन के 7वें सीजन में लीड रोल निभाने वाली हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अंकिता लोखंडे टीवी की नई नागिन बनने वाली हैं। इस खबर में कितनी सच्चाई है। आइए आपको बताते हैं।

क्या नागिन बनेंगी अंकिता लोखंडे?

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे इन दिनों बिग बॉस 17 में नजर आ रही हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि बिग बॉस 17 के अंदर ही अंकिता लोखंडे को एकता कपूर ने नया ऑफर दे दिया है। दावा है कि शो में रहते हुए अंकिता को नागिन सीरियल ऑफर हुआ है और एक्ट्रेस ने इसे करने के लिए हां भी कर दी है। ये रिपोर्ट सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हुई, जिस पर अब अपडेट भी सामने आ गया है। लेटेस्ट रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि नागिन 7 पर मेकर्स अब भी काम कर रहे हैं। राइटर्स अभी भी शो की स्टोरी को पूरा करने में बिजी हैं। ऐसे में कास्ट की बात करना अभी बहुत जल्दी हो जाएगा। चैनल के अंदरूनी लोगों का कहना है, 'अंकिता लोखंडे को अब तक अप्रोच नहीं किया गया है। शो का काम अभी शुरुआती स्टेज पर ही है। ऐसे में कास्टिंग से जुड़ी जितनी भी रिपोर्ट्स हैं, वो सब गलत हैं।' बता दें कि बिग बॉस 15 की विनर तेजस्वी प्रकाश शो के बाद सीधा नागिन की शूटिंग करती दिखी थीं। ऐसे में अंकिता नई नागिन बनती हैं, तो कोई बड़ी बात नहीं होगी।

इन एक्ट्रेस का सामने आ चुका है नाम

बता दें कि बिग बॉस 16 के दौरान भी ऐसी ही खबरें सामने आई थीं। दावा किया गया था कि एकता कपूर को शो में प्रियंका चाहर चौधरी काफी ज्यादा पसंद आई हैं और इसी वजह से उन्होंने अपनी नई नागिन के रूप में प्रियंका को फाइनल कर लिया है। इस रिपोर्ट को 100 प्रतिशत सच माना जा रहा था। इसी बीच सुंबुल तौकीर खान का नाम सामने आया और दावा किया गया कि प्रियंका या सुंबुल में से कोई एक एक्ट्रेस नागिन बन सकती हैं। हालांकि, दोनों ने ही इन रिपोर्ट्स को गलत बता दिया था।

निशांत पिट्टी संग अफेयर की खबरों पर कंगना रनौत ने तोड़ी चुप्पी, एक्ट्रेस ने कहा- 'मैं किसी और को डेट कर रही हूं'

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत फिल्मों से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। अभी हाल ही में कंगना रनौत अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पहुंची थीं। इस आयोजन से कंगना रनौत के एक के बाद एक कई वीडियो और फोटोज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुए थे। अब इन सब के बाद कंगना रनौत की अयोध्या से नई फोटोज वायरल हो रही हैं।

इन फोटोज में कंगना रनौत मिस्ट्री मैन के साथ नजर आ रही हैं। कंगना रनौत की इन फोटोज के सामने आने के बाद उनके और मिस्ट्री मैन के बीच अफेयर को लेकर अफवाह उड़नी शुरू हो गई है। इन सब कंगना रनौत ने रिएक्शन दिया है।

मिस्ट्री मैन संग दिखीं कंगना रनौत

कंगना रनौत अक्सर अपने बयानों की वजह से सुर्खियों बनी रहती हैं। इसी बीच कंगना रनौत की अयोध्या से कुछ फोटोज सामने आ रही हैं। इन फोटोज में कंगना रनौत एक मिस्ट्री मैन संग नजर आईं। कंगना रनौत और मिस्ट्री मैन की ये तस्वीरें आते ही सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो गईं। इन वायरल हो रही तस्वीरों में कंगना रनौत मिस्ट्री मैन के साथ काफी खुश दिखाई दीं। मिस्ट्री मैन और कंगना रनौत की इन तस्वीरों को सामने आने के बाद एक्ट्रेस के अफेयर को लेकर अफवाह उड़ने लगी। आपको बता दें कि कंगना रनौत के साथ दिख रहे मिस्ट्री मैन कोई और नहीं EaseMyTrip के को- फाउंडर निशांत पिट्टी है। अफेयर की खबरों को लेकर अब कंगना रनौत ने रिएक्शन दिया है। कंगना रनौत ने इन सभी खबर को फेक बताया है। उन्होंने कहा कि को किसी और डेट कर रही हैं।

इस फिल्म में नजर आएंगी कंगना रनौत

कंगना रनौत इस तस्वीर के साथ-साथ अपनी अपकमिंग फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर भी काफी चर्चा में हैं। कंगना रनौत फिल्म 'इमरजेंसी' से बॉक्स ऑफिस पर दमदार वापसी करने की तैयारी कर रही हैं। निशांत पिट्टी और कंगना रनौत की तस्वीरों को लेकर आपकी क्या राय है, कमेंट कर के हमें जरूर बताएं।

इन देशों में रिलीज नहीं होगी 'फाइटर'

अगर आप दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन के बहुत बड़े फैन हैं। अगर आप मूवी 'फाइटर' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और अगर आप खाड़ी देशों में रहते हैं। तो आपके लिए ही एक बुरी खबर है। फिल्म बिजनेस एक्सपर्ट और प्रोड्यूसर गिरीश जौहर के मुताबिक, 'फाइटर' को अभी तक संयुक्त अरब अमीरात को छोड़कर सभी खाड़ी देशों में रिलीज करने से इनकार कर दिया गया है।

हालांकि, बैन की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। गिरीश ने ट्वीट किया, 'एक झटके में, फाइटर की थिएटर रिलीज को मध्य पूर्व क्षेत्रों में आधिकारिक तौर पर बैन कर दिया गया। केवल UAE ही ये फिल्म PG15 क्लैरिफिकेशन के साथ रिलीज करेगा!' ऐसे में ये बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब में रिलीज नहीं होगी। सिर्फ UAE में ही रह रही जनता इसे देख सकेगी।

जिस पल का पूरा देश बेसब्री से इंतजार कर रहा था। वह घड़ी अब आ चुकी है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो गया है और 22 जनवरी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम भी आयोजित होगा। जिसमें दूर-दूर के इलाकों से श्रद्धालु तो पहुंचेंगे ही। साथ ही तमाम दिग्गज नेता और अभिनेता भी इस ऐतिहासिक दिन के साक्षी बनेंगे। सरकार की तरफ से अधिकतर लोगों को न्योता भेजा गया है। मगर कुछ ऐसे भी रह गए हैं, जिन्हें ये निमंत्रण नहीं मिला है। आइए बताते हैं कि वह कौन हैं।

'फाइटर' नहीं होगी गल्फ देशों में रिलीज

'फाइटर' टीम के एक करीबी सूत्र ने भी UAE को छोड़कर खाड़ी देशों में फाइटर की रिलीज के संबंध में अपडेट की पुष्टि की। निर्माताओं ने अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। जबकि फाइटर को खाड़ी देशों में सेंसर बोर्ड से हरी झंडी नहीं मिली है। वहीं, ये मूवी 25 जनवरी को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसकी एडवांस बुकिंग हफ्तेभर पहले ही शुरू हो गई थी।

'फाइटर' की कास्ट

'फाइटर' का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है और इसमें अनिल कपूर, करण सिंह ग्रोवर और अक्षय ओबेरॉय भी हैं। इसमें भारतीय सशस्त्र बल की वीरता, बलिदान और उनकी देशभक्ति को दिखाया गया है। फिल्म का प्रमोशन करने या तो ऋतिक रोशन जा रहे है या फिर अनिल कपूर। दीपिका कहीं नजर नहीं आ रहीं। इसके पहले सिद्धार्थ आनंद की फिल्म 'पठान' में भी दीपिका थीं और उसमें इनके गाने और कपड़ों ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। भयंकर विवाद हुआ था।

रोहित शेट्टी ने आसान किया अल्लू अर्जुन का रास्ता? 'पुष्पा 2' के मेकर्स लेंगे चैन की सांस

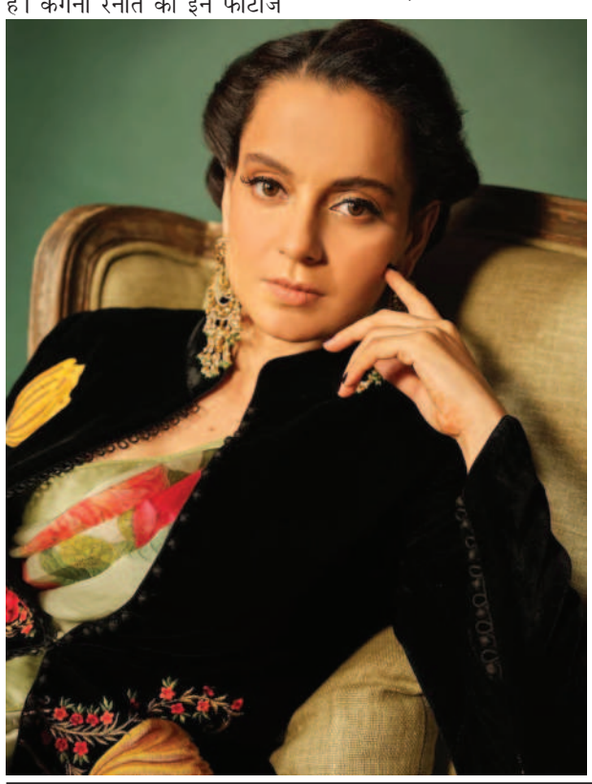

बॉलीवुड के हिट मशीन माने जाने वाले ब्लॉकबस्टर फिल्मों के निर्माता रोहित शेट्टी की हालिया रिलीज वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स खास कमाल नहीं कर सकी है। जिसका असर रोहित शेट्टी की अगली मूवी पर पड़ता दिख रहा है। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी सिद्धार्थ मल्होत्रा और शिल्पा शेट्टी स्टारर वेब सीरीज को दर्शकों से काफी निगेटिव रिव्यूज मिले हैं। इस वेब सीरीज के वीएफएक्स, एक्शन सीक्वेंस और प्लॉट को लेकर लोगों ने जमकर आलोचना की। जिसके बाद निर्देशक रोहित शेट्टी की वेब सीरीज से दर्शकों को खासा निराशा हुई है। अहम बात ये है कि ये रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की ही एक झलक थी। जिसके असर अब निर्देशक की अगली मूवी पर पड़ता दिख रहा है।

'इंडियन पुलिस फोर्स' ने तोड़ी 'सिंघम अगेन' की उम्मीदें

एंटरटेनमेंट न्यूज वर्ल्ड की दुनिया में चल रहीं लेटेस्ट मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो बॉलीवुड फिल्ममेकर रोहित सेट्टी की वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' को दर्शकों से मिले निगेटिव रिव्यूज का असर 'सिंघम अगेन' पर पड़ सकता है। जिसकी वजह से अजय देवगन स्टारर इस मूवी पर अब हर किसी की नजर टिक गई है। 'इंडियन पुलिस फोर्स' के बाद रोहित शेट्टी की मूवी 'सिंघम अगेन' भी उनके कॉप यूनिवर्स की अगली कड़ी है। जिसे लेकर फैंस का उत्साह सांतवे आसमान पर है। मगर अब लोगों के इस क्रेज को 'इंडियन पुलिस फोर्स' के पिटने से झटका लगा है।

'पुष्पा 2' के लिए आसान हुई 'सिंघम अगेन' से भिड़ने की जंग

यही नहीं, लोगों का ये भी मानना है कि अब अजय देवगन और दीपिका पादुकोण स्टारर मूवी 'सिंघम अगेन' तेलुगु सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' से होने वाली जंग में पीछे पड़ सकती है। बता दें कि ये दोनों ही फिल्में 15 अगस्त के मौके पर सिनेमाघर पहुंचेंगी। साल 2024 में इन दोनों फिल्मों के बीच होने वाले बॉक्स ऑफिस क्लैश पर हर किसी की नजर है। ये साल 2024 का सबसे बड़ा क्लैश है। जिस पर दर्शक आंख लगाए बैठे हैं। मगर अब 'सिंघम अगेन' से कम होती दर्शकों की उम्मीदें 'पुष्पा 2' के लिए फायदे का सौदा हो सकती हैं। इस बारे में आपकी क्या राय है। आप अपनी राय हमें कमेंट कर बता सकते हैं।

अपने परिवार के साथ चेन्नई लौटे रजनीकांत ने मीडिया से बातचीत के दौरान खुलासा किया कि वह राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान 150 लोगों में शामिल थे। वह इस ऐतिहासिक पल के गवाह बने। उन्होंने तमिल में कहा, 'मुझे दर्शन बहुत अच्छे से हुआ। राम मंदिर खुलने के बाद, मैं (राम लला की मूर्ति) देखने वाले पहले 150 लोगों में से एक था, और इससे मुझे बहुत खुशी हुई... मेरे लिए, यह आध्यात्मिकता है, राजनीति नहीं। हर किसी की अलग-अलग राय हो सकती है, जरूरी नहीं कि एक ही हो।'

जिस पल का पूरा देश बेसब्री से इंतजार कर रहा था। वह घड़ी अब आ चुकी है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो गया है और अब 22 जनवरी यानी कल प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम भी आयोजित होगा। जिसमें दूर-दूर के इलाकों से श्रद्धालु तो पहुंचेंगे ही। साथ ही तमाम दिग्गज नेता और अभिनेता भी इस ऐतिहासिक दिन के साक्षी बनेंगे। सरकार की तरफ से अधिकतर लोगों को न्योता भेजा गया है। मगर कुछ ऐसे भी रह गए हैं, जिन्हें ये निमंत्रण नहीं मिला है। आइए बताते हैं कि वह कौन हैं।

हर साल अयोध्या जाएंगे रजनीकांत

जब उनसे उस कार्यक्रम के एक वीडियो के बारे में पूछा गया, जो सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा था। जिसमें उन्हें सीट ठीक से बैठने के लिए नहीं मिली। इस पर रजनीकांत ने जवाब दिया, 'ऐसा कुछ नहीं है। सब अच्छा था।' इससे पहले रजनीकांत ने अयोध्या में पत्रकारों से कहा था , 'यह एक ऐतिहासिक घटना थी और मैं बहुत भाग्यशाली हूं। हर साल अयोध्या जरूर आऊंगा।'

कभी भारत से काफी आगे था फ्रांस

आज इकोनॉमी के मोर्चे पर ये है हाल

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों आज यानी 25 जनवरी को भारत आ रहे हैं। वो 2 दिन के आधिकारिक राजकीय दौरे और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर शामिल होने भारत आ रहे हैं। बता दें, इमैनुएल मैक्रों भारतीय गणतंत्र दिवस की परेड के चीफ गेस्ट हैं। ऐसे में राष्ट्रपति मैक्रों पेरिस का आज का दिन बेहद खास होने वाला है। मैक्रॉन की यात्रा भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ के जश्न के मौके पर हो रही है। जहां एक तरफ भारत और फ़्रांस की दोस्ती बढ़ रही है वहीं, इकोनॉमी मोर्चे पर भी दोनों देश टक्कर में हैं। ऐसे में आइए आपको बताते हैं अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर कौन किसे मात दे रहा है। उससे पहले जान लेते हैं मैक्रॉन के भारत दौरे का पूरा ब्यौरा...मैक्रों भारत आने के बाद

सीधे जयपुर एयरपोर्ट पर उतरेंगे। यहां वे सबसे पहले आमेर किला जाएंगे। इस दौरान मैक्रों भारतीय कारीगरों, भारत-फ्रांस कल्चरल प्रोजेक्ट्स के स्टेकहोल्डर्स के साथ-साथ छात्रों से बातचीत करेंगे। इसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी उन्हें रिसीव करेंगे। यहां से दोनों नेता साथ में जंतर-मंतर और जयपुर के हवा महल जैसे कुछ पर्यटक स्थलों पर जाएंगे। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, जयपुर में ही दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक होगी। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि मोदी-मैक्रों जयपुर में एक रोड शो भी करेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपित मैक्रों, हवा महल में यूपीआई ट्रांजैक्शन भी करेंगे।

इकोनॉमी में कौन आगे?

भारत की इकोनॉमी 4 ट्रिलियन डॉलर के मुहाने पर खड़ी है। जी हां, भारत की जीडीपी 3.73 ट्रिलियन डॉलर की हो चुकी है। जबकि यूरोप के सबसे बड़े देशों में शुमार फ्रांस की इकोनॉमी भी सिर्फ 3 ट्रिलियन डॉलर के आस-पास ही है, लेकिन वह भारत से काफी पीछे हैं। मौजूदा समय में फ्रांस की इकोनॉमी 3.05 ट्रिलियन डॉलर है।

भारत तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था

वर्ल्ड बैंक से लेकर आईएमएफ और ओईसीडी तक भारत को दुनिया में फास्टेस्ट इकोनॉमी का तमगा पहना चुके हैं। ओईसीडी के अनुसार भारत की इकोनॉमी वित्त वर्ष 2025 में 6.1 फीसदी पर रह सकती है। जबकि आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक के अनुसार यह आंकड़ा 6.1 फीसदी से लेकर 6.5 फीसदी तक रह सकता है। अगर बात आरबीआई की करें तरे वित्त वर्ष 2024 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7 फीसदी पर रह सकती है। जबकि वित्त वर्ष 2025 की पहली तीन तिमाहियों में ग्रोथ 6.7 फीसदी, 6.5 फीसदी और 6.4 फीसदी रह सकती है।

16 साल के शीर्ष पर पहुंच सकता है सकल कर संग्रह, जीडीपी में 11.6 फीसदी हो सकती है हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)।चालू वित्त वर्ष में केंद्र सरकार का सकल कर राजस्व 16 साल के शीर्ष पर रह सकता है। एसबीआई रिपोर्ट के अनुसार, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात में इसके 11.6% रहने की उम्मीद है। 2024-25 में सकल कर राजस्व दो दशकों में सर्वाधिक रहने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष में शुद्ध टैक्स बजट अनुमान से 80,000 करोड़ रुपये ज्यादा रह सकता है। गैर टैक्स राजस्व 50,000 करोड़ ज्यादा रहने की उम्मीद है। इस दौरान केंद्र का खर्च भी 60,000 करोड़ बढ़ सकता है। राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष में कम होकर जीडीपी के अनुपात में 5.9% रह सकता है। अंतरिम बजट में इसका लक्ष्य 5.5% हो सकता है। जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में यह और कम होकर 5.3 से 5.4 फीसदी के लक्ष्य पर आ सकता है।2024-25 में केंद्र सरकार बाजार से 11.7 लाख करोड़ रुपये का उधारी ले सकती है। 3.6 लाख करोड़ का पुनर्भुगतान भी कर सकती है। सकल उधारी इस दौरान 15.3 लाख करोड़ रुपये रहने की उम्मीद जताई गई है। 2024-25 में अर्थव्यवस्था सालाना आधार पर 11% बढ़कर 329 लाख करोड़ हो सकती है। इस दौरान कर राजस्व 10.5 फीसदी की तेजी के साथ 26.6 लाख करोड़ रह सकता है। गैर कर राजस्व बढ़कर 3.6 लाख करोड़ रहने की उम्मीद है।

49 लाख करोड़ रुपये खर्च का अनुमान

2024-25 में केंद्र सरकार का खर्च 7.3% बढ़कर 48.9 लाख करोड़ रहने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2025 में वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर 6.8% रह सकती है। सरकार छोटी बचत योजनाओं को बढ़ाने के लिए जोर दे सकती है।

फ्लाइट टिकट कैंसिल कराने पर कितना कटता है चार्ज?

कैसे और कब मिलता है पैसा वापस

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। ठंड और कोहरे के कारण कई फ्लाइट्स घंटों की देरी चल रही हैं। जिसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। जहां कई लोग अपना टिकट कैंसिल करा रहे हैं तो कुछ अपनी जर्नी को रिशेड्यूल कर रहे हैं। रिशेड्यूल कराने के बजाए कैंसिल कराने वाले यात्रियों को ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। क्योंकि उनको जो रिफंड मिल रहा है वो महज खुल्ले पैसे ही हैं। ऐसे में आइए आपको बताते हैं कि अगर आपको भी टिकट कैंसिल कराना है तो कितना चार्ज लगता है साथ ही इसके लिए एयरलाइन का क्या नियम है ये जानते हैं।फ्लाइट और एयरलाइन से जुड़ी बहुत सारी समस्याओं में से एक एयरलाइन कैंसिलेशन पॉलिसी भी है। कई बार एयरलाइन टिकट कैंसिलेशन चार्ज इतना ज्यादा हो जाता है कि हज़ारों की टिकट में से कुछ पैसे ही वापस आते हैं। एयरलाइन मोटा पैसा कैंसिलेशन चार्ज और कंवीनिएंस फीस आदि के नाम पर काट लेती है।डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने पैसेंजर्स के टिकट कैंसिलेशन को लेकर निर्देश जारी कर रखा है। इसके मुताबिक अगर अगर आपकी फ्लाइट किसी भी कारण से कैंसिल हो जाती है तो एयरलाइन कंपनियां आपको दो विकल्प देती है। पहली आपके लिए फ्लाइट की वैकल्पिक व्यवस्था या फिर आपके टिकट का पूरा रिफंड देती हैं। वहीं अगर आपको किसी कारण से टिकट कैंसिल करवाना पड़ता है तो इसके लिए नियम अलग-अलग है।एयरलाइंस अपनी वेबसाइट पर कैंसिलेशन चार्ज और नियमों का उल्लेख रहता है। इंडियो की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के मुताबिक डिपार्चर से 0 से 3 दिन पहले टिकट कैंसिल कराने पर 3500 रुपये का कैंसिलेशन चार्ज या एयरफेयर चार्ज जो भी कम हो वो आपको लगेगा। जबकि डिपार्चर से 4 या ज्यादा दिन पहले कैंसिल करने पर 3000 रुपये कैंसिलेशन चार्ज या एयरफेयर जो भी कम हो वो आपके टिकट से कट जाएगा। अगर आप सफर से 7 दिन पहले टिकट बुक करवाते हैं और 24 घंटे के भीतर टिकट कैंसिल करते हैं तो पूरा रिफंड मिलता है। लेकिन अगर आपने एयरलाइंस के किसी ऑफर के तहत टिकट बुक किया है तो टिकट कैंसिल करवाने पर कोई रिफंड नहीं मिलेगा। कैंसिलेशन चार्ज से जुड़ी ये शर्तें डोमेस्टिक फ्लाइट पर लागू होती है।

बाप के गिफ्ट से बेटा मालामाल, इतने कमाने में कई लोगों की खत्म हो जाती है पूरी जिंदगी

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। एक आम परिवार पूरी जिंदगी नौकरी करने के बाद अपने अकाउंट में 1 करोड़ रुपए की सेविंग नहीं कर पाता है। छोटे बिजनेसमैन भी इसी के इर्द-गिर्द जिंदगी गुजार देते हैं। करोड़पति बनने का सपना हर कोई देखता है, लेकिन कम ही लोगों के सपनों को पंख लगता है। आज शेयर बाजार से जुड़ी एक ऐसी खबर आई है, जिसने हर बेटे के अंदर बाप के प्रति प्रेम की नई परिभाषा लिखने का काम किया है। क्योंकि एक पिता ने 500 करोड़ रुपए की कीमत के शेयर अपने बेटे के नाम कर दिया है। आज जब मार्केट खुला तो स्टॉक एक्सचेंज ने इसकी जानकारी दी। स्टॉक एक्सचेंजों के आंकड़ों के मुताबिक, अरबपति व्यवसायी और विप्रो के मालिक अजीम प्रेमजी ने अपने दोनों बेटों रिशद और तारिक को लगभग 500 करोड़ रुपये मूल्य के 10 मिलियन यानी 1 करोड़ से अधिक के शेयर उपहार में दिए हैं। शेयरों की राशि विप्रो की शेयर पूंजी का 0.20% है, जो कंपनी में बेटों की हिस्सेदारी में 0.10% जोड़ती है।

बाजार को बताया गया है कि मैं ऋषद अजीम प्रेमजी (खरीदार) आपको सूचित करना चाहता हूं कि विप्रो लिमिटेड (कंपनी) के 51,15,090 इक्विटी शेयर अजीम हाशम प्रेमजी से उपहार के रूप में प्राप्त हुए हैं।रिशद वर्तमान में विप्रो के अध्यक्ष हैं, जबकि तारिक अजीम प्रेमजी एंडोमेंट फंड में उपाध्यक्ष हैं। अजीम प्रेमजी द्वारा उनकी परोपकारी पहलों को वित्तपोषित करने के लिए स्थापित एक इकाई। अजीम प्रेमजी, जिनके पास 22,58,08,537 (22.58 करोड़/225.80 मिलियन) शेयर या विप्रो में 4.32% हिस्सेदारी है, ने 20 जनवरी को बड़े बेटे रिशद और तारिक को 51,15,090 (51.15 लाख/5.11 मिलियन) शेयर दिए।

इस लेनदेन के साथ, अजीम प्रेमजी बेंगलुरु स्थित कंपनी में 4.12% के मालिक होंगे, जिसमें उन्होंने 21 साल की उम्र में अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला था।प्रेमजी परिवार के सदस्यों के पास विप्रो में 4.43% शेयर हैं, जिसमें अजीम प्रेमजी की पत्नी यासमीन के पास 0.05% और दोनों बेटों के पास 0.13% शेयर हैं। पिछले साल दिसंबर के अंत में विप्रो में प्रमोटर्स की कुल हिस्सेदारी 72.90% थी। प्रमोटर समूह में तीन साझेदारी फर्में शामिल हैं – हाशम ट्रेडर्स, प्राज़िम ट्रेडर्स और ज़ैश ट्रेडर्स।

जिंदल हुए 'आउट'अब अडानी-अंबानी के लिए 'साख' का सवाल बनी ये कंपनी

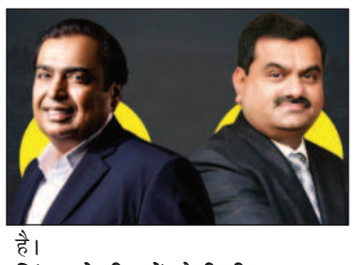

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। दिवाला प्रक्रिया का सामना कर रही एक बिजली कंपनी को पहले नवीन जिंदल की 'जिंदल पावर' खरीदने वाली थी, लेकिन अचानक से जिंदल पावर ने यू-टर्न ले लिया है। इसके बाद अब इस कंपनी को खरीदने की रेस में अब गौतम अडानी की 'अडानी पावर' और मुकेश अंबानी की 'रिलायंस इंडस्ट्रीज' शामिल हैं। वहीं एक एक सरकारी कंपनी भी अपनी किस्मत आजमा रही है।

ऐसे में देखना है कि बाजी किसके हाथ लगती है।जी हां, लैंको अमरकंटक पावर का अधिग्रहण अडानी और अंबानी के लिए साख का सवाल बन चुका है। जबकि पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन के नेतृत्व में बना एक कंपनी समूह भी इस दौड़ शामिल में है। लैंको अमरकंटक पावर कॉरपोरेट इंसॉल्वेंसी प्रक्रिया का सामना कर रही है।

जिंदल ने बीच में छोड़ी डील

जिंदल पावर पहले इस बिजली कंपनी को खरीदने में बेहद दिलचस्पी ले रही थी। बीते मंगलवार को उसने अमरावती नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) में डील से बाहर होने की दरख्वास्त दाखिल करके अपना नाम वापस ले लिया। जिंदल पावर ने 12 जनवरी को ही इस डील में हिस्सा लेने की अनुमति मांगी थी। कंपनी ने 4,203 करोड़ रुपए का कैश ऑफर पेश किया था। साथ ही 100 करोड़ रुपए की बैंक गारंटी भी देने की पेशकश की थी।

अडानी और अंबानी ने दिए बड़े ऑफर

इस कंपनी को खरीदने के लिए अडानी पावर काफी डेस्परेट है। नवंबर के महीने में उसने 3,650 करोड़ रुपए का ऑफर दिया था। लेकिन जिंदल के ऑफर के आसपास अपने ऑफर को बढ़ाकर 4100 करोड़ रुपए कर दिया। वहीं पीएफसी के कंसोर्टियम ने इसके लिए 3,020 करोड़ रुपए की बोली लगाई है।अब लैंको अमरकंटक पावर के लिए एनसीएलटी नीलामी करने जाएगा। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज को भी बुलाया जाएगा, क्योंकि कंपनी ने बेहद शुरुआत में ही लैंको अमरकंटक के लिए एक रेजोल्यूशन प्लान पेश किया था। लैंको अमरकंटक का पहला फेज पूरा हो चुका है, जिसमें 300 मेगावाट की दो थर्मल यूनिट से बिजली पैदा होती है।

पेटीएम-फोन पे को मिलेगी टक्कर

आरबीआई से जोमैटो को मिला पेमेंट लाइसेंस

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)।फूड-डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने गुरुवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि उसे पेमेंट एग्रीगेटर और प्रीपेड वॉलेट जारीकर्ता के रूप में बिजनेस करने के लिए लाइसेंस मिल गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने जोमैटो को अब अपना पेमेंट सिस्टम लॉन्च करने की अनुमति दे दी है। यानी अब यह कंपनी फोन पे और पेटीएम जैसी कंपनियों की तरह पेमेंट की सर्विस शुरू कर सकेगा। बता दें कि कंपनी इसके लिए काफी समय से कोशिश कर रही थी। अब जाकर उसे सफलता मिली है।बता दें कि यह सर्विस जोमैटो अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ज़ोमैटो पेमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से प्रोवाइड करेगी। कंपनी का कहना है कि पेमेंट एग्रीगेटर का बिजनेस आगे बढ़ाने के लिए उसने 4 अगस्त 2021 को शुरुआत की थी। बता दें कि पिछले साल लिस्टेड फूडटेक स्टार्टअप ज़ोमैटो ने कथित तौर पर अपने यूपीआई भुगतान वर्टिकल, ज़ोमैटो यूपीआई पर नए यूजर्स के लिए बंद कर दिया था। जुलाई 2023 में आई ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने यूपीआई पेमेंट सर्विस प्रदान करने के लिए आईसीआईसीआई बैंक के साथ साझेदारी की थी। तब उसके पास लाइसेंस नहीं था।

आईटी -एफएमसीजी स्टॉक्स में बिकवाली के चलते लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, स्मॉल कैप इंडेक्स में रही तेजी

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार भारी उठापटक देखने के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ है। दिन के कारोबार में निवेशकों के मुनाफावसूली के चलते बाजार अपने दिन के हाई से 700 अंक नीचे जा फिसला। जबकि निफ्टी अपने हाई से 200 अंकों नीचे जा लुढ़का। आईटी और एफएमसीजी स्टॉक्स में मुनाफावसूली के चलते बाजार में ये गिरावट देखने को मिली है। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 360 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 101.35 अंक नीचे गिरकर 21,352 अंकों पर बंद हुआ है। अगले दिनों तक शेयर बाजार बंद रहेगा। शुक्रवार को गणतंत्र दिवस पर छुट्टी के चलते बाजार बंद रहेगा।

मार्केट कैप फिसला

शेयर बाजार के लाल निशान में बंद होने के चलते निवेशकों के संपत्ति में गिरावट आई है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 371.28 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले कारोबारी सत्र में 371.39 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 11,000 करोड़ रुपये की कमी आई है।

सेक्टर का हाल

आज के ट्रेड में बैंकिंग, आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में गिरावट रही। जबकि कमोडिटी, एनर्जी, रियल एस्टेट, मेटल्स और ऑटो स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में मिडकैप स्टॉक्स में गिरावट रही जबकि स्मॉल कैप स्टॉक्स का इंडेक्स हरे निशान में बंद हुआ है।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 11 स्टॉक्स तेजी के साथ जबकि 19 गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 17 शेयर तेजी के साथ बंद हुए जबकि 33 स्टॉक्स में गिरावट रही।

चढ़ने - गिरने वाले शेयर

आज के कारोबार में बजाज ऑटो 5.33 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 2.29 फीसदी, एनटीपीसी 1.91 फीसदी, कोल इंडिया 1.78 फीसदी, रिलायंस 0.68 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.57 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि टेक महिंद्रा 6.10 फीसदी, सिप्ला 3.37 फीसदी, भारती एयरटेल 2.47 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

सोने की कीमत में दर्ज की गई गिरावट, जानें चांदी का हाल

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)।आप अगर सोने में पैसे इन्वेस्ट करना चाहते हैं, तो यह एक अच्छा समय हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस समय देश की राजधानी दिल्ली समेत कई हिस्सों में सोने की कीमत में गिरावट देखने को मिल रही है। कल भारत के साथ ही दिल्ली में भी सोने की कीमत में सामानता देखी गई थी लेकिन आज इनमें मामूली गिरावट दर्ज की गई है। जानकारी के लिए बता दें कि आज देश में 24 ग्राम सोने की कीमत में 50 रुपए की गिरावट देखने को मिली है। आपको बताते चलें कि कल 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 63150 रुपए थी, जो आज 50 रुपए गिरकर 63100 के स्तर पर आ गई है।वहीं अगर हम बात करते हैं 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की तो इसमें भी कल के मुकाबले आज गिरावट देखने को मिली है। आज 22 कैरेट सोने की कीमत 57850 रुपए रही, जो कि कल आज के मुकाबले 50 रुपए ज्यादा के साथ 57900 रुपए के स्तर पर थी। शादी विवाह का फंक्शन या फिर कोई त्योहार आते ही सोने की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। वहीं इस समय इनमें गिरावट देखी जा रही है और यह आपके लिए गोल्ड में पैसे इन्वेस्ट करने का सही समय है।आज 18 कैरेट सोने में 40 की गिरावट देखने को मिली है। 10 ग्राम 18 कैरेट सोने की कीमत आज 47,330 है जो कल 47,370 रुपए के आसपास थी।अगर भारत के बड़े शहरों में आज सोने की कीमत की बात करें तो, चेन्नई में आज 22 कैरेट सोने की कीमत 58300 है। वहीं 24 कैरेट 10 ग्राम सोना 63600 के स्तर पर बिक रहा है। अगर बात की जाए 18 कैरेट सोने की टू चेन्नई में 18 कैरेट सोना 47760 रुपए का है। मुंबई में सोने के दाम महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी भी कहा जाता है। मुंबई में भी कीमत में गिरावट दर्ज की गई है। राजधानी मुंबई में 10 ग्राम 22 सोने की कीमत में 50 रुपए की कमी देखने को मिली और यह आज 57700 पर है। इसके अलावा 24 कैरेट गोल्ड प्राइस में भी गिरावट देखी गई है और यह 62,950 रुपए के स्तर पर बना हुआ है। अगर बात की जाए 18 कैरेट सोने की तो मुंबई में 18 कैरेट सोने की कीमत 27,210 रुपए प्रति 10 ग्राम रही। कोलकाता में गोल्ड रेट बात करें कोलकाता की तो यहां भी दिल्ली और मुंबई के समान ही सोने के रेट रहे हैं और गिरावट देखने को मिली है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर में	मकर..	06-09 बजे
चंद्र-	कर्क में	कुंभ...	08-00 बजे
मंगल	धनु में	मीन ..	09-37 बजे
बुध-	धनु में	मेष--	11-13 बजे
गुरु-	मेष में	वृष--	12-58 बजे
शुक्र-	धनु में	मिथुन..	14-58 बजे
शनि-	कुंभ में	कर्क...	17-10 बजे
राहु-	मीन में	सिंह...	19-22 बजे
केतु-	कन्या में	कन्या..	21-29 बजे
		तुला.....	23-34 बजे
		वृश्चिक	00-45 बजे
		धनु.....	04-02 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - **06-53**
भोग्य कलि वर्ष-**426876** सूर्यास्त. **-18-04**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा - **01 :19** - तक उपरान्त द्वितीया
मास - माघ कृष्ण पक्ष , शुक्रवार **26 January**
नक्षत्र - पुष्य - **10 : 28** - तक उपरान्त आश्लेषा
योग - प्रीति - **07 : 41** - तक उप आयुष्मान
करण- बालव - **12 :19** - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - गणतंत्र दिवस ७५ वां

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 11:04 से 12:29 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	06:53 - 08:15 शुभ	रोग.	18:04 - 19:42 अशुभ
लाभ	08:15 - 09:40 शुभ	काल.	19:42 - 21:18 अशुभ
अमृत	09:40 - 11:04 शुभ	लाभ.	21:18 - 22:53 शुभ
काल.	11:04 - 12:29 अशुभ	उत्पात	22:53 - 24:29 अशुभ
शुभ.	12:29 - 13:53 शुभ	शुभ.	24:29 - 02:04 शुभ
रोग	13:53 - 15:18 अशुभ	अमृत	02:04 - 03:39 शुभ
उत्पात	15:18 - 16:42 अशुभ	चंचल	03:39 - 05:15 शुभ
चंचल	16:42 - 18:04 शुभ	रोग	05:15 - 06:53 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

ये समय महान प्रभाव के लोगों के साथ वार्तालाप करने के लिए अति उत्तम है। आप इन लोगो से जितना संवाद बढ़ा पाये बढ़ाये , क्यों की एक बेहतर जगह तक पहुँचने के लिए या अपने वर्तमान स्थिति का उन्नयन करने के लिए ये बहुत जरुरी है । आप अभी काफी दुविधा में है की ये अवसर आपकी धन वृद्धि कर सकते है की नहीं या आप उन्हें पकड़ पाएँगे की नहीं ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

हास्य की आपकी भावना आपकी सबसे बड़ी संपत्ति है, अपने आप को और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के बीच की खाई को पाटने के लिए यह सबसे उपयुक्त है । बोले गए कठोर शब्दों को अपने दिल में न रखे बल्कि ये कठोर शब्द के बारे में सोचे क्यों की ये बोले गए कठोर शब्द ही आपको आगे ले जाने में मदद करेंगे । आज अप्रत्याशित स्रोतों से धन प्राप्ति के संकेत है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप समय के महत्व को जानते हैं और आप आज एक लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। आप सही रास्ते पर हैं। कड़ी मेहनत करे , सफलता आप से दूर नहीं है। आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर है और इसलिए आप व्यापार और शेयरों में कुछ जोखिम ले सकते हैं । आय के नए अवसर आज दिखाई दे सकते हैं। आगे जाने से पहले अपने शुभचिंतकों से परामर्श करें।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

जिन परियोजनाओं पर आप लम्बे समय से लग्न के साथ कार्य कर रहे थे , इस मोड़ पर आप उन्हें सार्वजनिक कर सकते है, और इस तरह से आप अपनी शैली में मंच पर आगे की और शान से रख कर सकते है । आपके काम की विशिष्टता आपको सम्मान दिलाएगी जब यह सबके सामने आएगी , हालांकि गोपनीयता बना कर रखना समय की मांग है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आप अपने करियर को नए सिरे से शुरू करेंगे । आप एक नियोक्ता से दूसरे की तरफ अपना रुख कर सकते है , क्योंकि ये नया अवसर आपको आगे बढ़ने के मौके दे सकता है , लेकिन धोखाधड़ी के प्रस्तावों से सावधान रहे क्यों की कोई आपकी क्षमता और चतुराई का अनुचित लाभ लेने के लिए लंबे समय से प्रयासरत है ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

पिछले कुछ दिनों से अलग अलग दिशाओं में आपका मन भाग रहा है और निर्णायक निर्णय लेने में आप असमर्थ रहे है। बहरहाल, आज आपको दृष्टि की एक दुर्लभ स्पष्टता का अनुभव होगा और आप अपने कार्यस्थल पर मुद्दों के बारे में स्पष्ट और उचित निर्णय लेने में सक्षम होंगे । आपको किसी से अच्छी करियर सलाह मिलने की भी संभावना है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

चीजें आपके अनुसार कार्य नहीं कर रही है जैसे की अपने योजना बनाई थी , लेकिन आपको इस कारण से आक्रामक नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे आपके सारे प्रयास बर्बाद हो सकते हैं। कार्य में प्रगति के लिए आपको धैर्य की आवश्यकता होगी लेकिन ये इतनी आसानी से आपको नहीं मिलेगा । आप से कम प्रतिभाशाली व्यक्ति आपके समक्ष आ सकता है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी मुखर और प्रेरक रहेंगे । आपको ऐसे कार्य क्षेत्र में कार्य करने के अवसर मिलेंगे जहा साझेदारी से कारोबार होता हो और एक दूसरे की सहायता करना प्रमुखता हो । आप प्रमुख परियोजना को पूरा करने के लिए दुसरे को संगठित करने के लिए प्रेरित करते है , जिससे की आपकी भूमिका के लिए प्रशंसा और सम्मान आपको मिलने की संभावना है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

हालाँकि , आप अच्छी तरह से अपने क्षेत्र में स्थापित हैं पर आज आप अपने काम में बैचैनी महसूस कर सकते हैं । किसी चीज़ को लेकर आप में असंतोष की भावना आज आपको परेशान कर सकती है हालांकि, अभी अपनी नौकरी छोड़ने का कदम बेवकूफी भरा होगा । ये क्षणिक भावनाए हैं जिससे आप गुमराह हो सकते है इसलिए आज किसी भी प्रमुख कैरियर निर्णय लेने से बचें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आपको लगेगा की कुछ चीजों पर आपका नियंत्रण नहीं हैं और उनकी वजह से आप अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन नहीं कर पा रहे है । लेकिन विश्वास रखे । आप ईमानदार और मेहनती है। यहां तक की आपके मालिक आपकी बाधा और परेशानी को समझते हैं, इसलिए आप ईमानदार रहे और हमेशा की तरह काम करते रहे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज आपको एक अच्छी नौकरी की पेशकश मिल सकती हैं , लेकिन आपको इस नौकरी का लाभ लेने के लिए एक अलग शहर या यहां तक कि किसी दूसरे देश में बदलाव करना पड़ सकता है । ये नौकरी की पेशकश बहुत ही आकर्षक लग सकती है पर यह आपके परिवार के सदस्यों पर प्रभाव डालेगी , इसलिए इसे स्वीकार करने से पहले आपको विभिन्न कोणों पर विचार करने की जरूरत है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज कुछ प्रमुख व्यय के लिए आप योजना बनाने के लिए जा रहे हैं लेकिन इस खर्चे पर आपकी नजर रहेगी । आज का दिन वित्तीय योजना बनाने के लिए एकदम सही है और कुछ कार्य जो की कुछ समय से अधूरे थे उन्हें पूरा करना का भी उचित समय है । आज आप अपनी बचत और परिसंपत्तियों की एक पूरी सूची के साथ बैठे और उन्हें व्यवस्थित करे क्यों की आज आपको शुभ समाचार मिल सकता है ।

पं।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

कभी भट्ठे पर काम किया, अब 85 बीघा में शेख मार्केट

ईडी के राडार पर चढ़ा टीएमसी लीडर शाहजहां शेख फरार

कोलकाता, 25 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। शाहजहां शेख, उम्र 42 साल। पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले में शाहजहां की पहचान मछुआरों के लीडर, कारोबारी, डॉन और जमीन माफिया की है। वैसे तो वो ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस में डिस्ट्रिक्ट लेवल का लीडर है, पर बीते 20 दिन से सेंट्रल एजेंसी ईडी उसे ढूंढ रही है। शाहजहां कहां है, ये कोई नहीं जानता।

नॉर्थ 24 परगना जिले के संदेशखाली गांव में शाहजहां का घर है। ईडी ने 5 जनवरी को यहां रेड की तो शाहजहां के 200 से ज्यादा सपोर्टर्स ने अटैक कर दिया। टीम जान बचाकर भागी। उलटा पश्चिम बंगाल पुलिस ने ईडी के अफसरों पर केस दर्ज कर लिया।

24 जनवरी, यानी बीते बुधवार को ईडी दोबारा शाहजहां के घर गई। सीआरपीएफ के 100 से ज्यादा जवानों के अलावा लोकल पुलिस भी साथ थी। टीम ने घर की तलाशी ली, लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। शाहजहां की तलाश राशन घोटाले में चल रही है। ईडी के मुताबिक, ये घोटाला करीब 10 हजार करोड़ का है। इसमें शाहजहां शेख का रोल क्या है, शाहजहां शेख कौन है और ईंट भट्ठे पर काम करने से लेकर करोड़ों की प्रॉपर्टी बनाने का उनका सफर कैसा है, इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

बांग्लादेश भागने की अटकलें

संदेशखाली शाहजहां शेख का गांव है। कोलकाता से ये गांव करीब 80 किमी दूर है। नॉर्थ 24 परगना जिला बांग्लादेश बॉर्डर से सटा है। भारत-बांग्लादेश 4,096 किमी की बॉर्डर साझा करते हैं, इसमें से करीब 2,217 किमी बॉर्डर पश्चिम बंगाल से सटी है। बॉर्डर का ज्यादातर हिस्सा खुला है। यही वजह है कि क्राइम करने के बाद कई बार अपराधी बांग्लादेश भाग जाते हैं। शाहजहां शेख के बारे में भी इसी तरह की बातें हो रही हैं कि वो बांग्लादेश भाग गया है। शेख का घर बांग्लादेश बॉर्डर से करीब 2 से 3 किमी दूर है। गांव के लोग शाहजहां के बारे में कुछ नहीं बोलना चाहते, लेकिन सोर्स बताते हैं कि वो बांग्लादेश नहीं गया है, बल्कि संदेशखाली में ही है। जेल से बचने के लिए वकीलों से सलाह-मशविरा कर रहा है। वो कहां है ये सिर्फ उससे जुड़े

खास लोगों को ही मालूम है। उसकी सिक्योरिटी में 8 से 10 हथियारबंद लोग तैनात रहते हैं।

संदेशखाली गांव में शाहजहां शेख का खासा प्रभाव है। लोग उसके बारे में कहते हैं कि जब भी लोगों के आपस के झगड़े होते हैं, तो शेख भाई ही सुलह करवाते हैं।' हालांकि, कई लोगों में उसके लिए गुस्सा भी है। वे कहते हैं कि 'शाहजहां का काम जबरन जमीनें हड़पना है। उसने मर चुके लोगों के नाम से फर्जी कागज बनवाकर उनकी जमीनें अपने नाम करवा ली हैं। वो तृणमूल कांग्रेस में है, इसलिए उसके सारे काम होते चले गए। उसके पास इतनी ताकत है कि एरिया में कोई उसके सामने बोलने की हिम्मत नहीं करता।'

संदेशखाली में शाहजहां की कई कहानियां पता चलीं। चार भाई-बहनों में सबसे बड़े शाहजहां ने ईंट-भट्ठों पर काम किया। मछलियां बेचीं, लेकिन फिर देखते ही देखते करोड़ों का आसामी हो गया।

2006 में वो रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी से जुड़ा। कुछ वक्त बाद सीपीएम जॉइन कर ली। तब पश्चिम बंगाल में सीपीएम की ही सरकार थी।

2011 में ममता बनर्जी की लीडरशिप में पहली बार टीएमसी ने सरकार बनाई। तब शाहजहां टीएमसी से जुड़ गया। शेख सबसे पहले तब नेशनल जनरल सेक्रेटरी रहे मुकुल रॉय और नॉर्थ 24 परगना जिले के डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट ज्योतिप्रिय मलिक के कॉन्टैक्ट में आया।

पार्टी जॉइन करने के कुछ दिन बाद ही शाहजहां शेख मलिक का करीबी हो गया। टीएमसी के बड़े लीडर्स के साथ करीबी होने का नतीजा रहा कि 2013 में उसने सरबेरिया अग्रघाटी ग्राम पंचायत सीट में चुनाव लड़ा और डिप्टी हेड बना। कुछ दिन बाद पंचायत प्रधान बन गया। 2019 में संदेशखाली से पार्टी का ब्लॉक प्रेसिडेंट बना। 2023 में जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीता और नॉर्थ 24 परगना जिला परिषद मत्स्य पालन संघ का अध्यक्ष बना।

संदेशखाली के लोग बताते हैं कि जिले के फिशरीज बिजनेस पर शाहजहां शेख का कब्जा है। उसने 85 बीघा जमीन पर खुद का मार्केट बनाया है। इसमें लग्जरी होटल और कॉम्प्लेक्स बने हैं। कुछ वक्त पहले उसने कोलकाता में करोड़ों की प्रॉपर्टी खरीदी है। शाहजहां का भाई आलमगीर शेख बिजनेस में उसका पार्टनर है। ईडी अधिकारियों पर हमला होने के बाद से शाहजहां शेख फरार है, तब से आलमगीर ही पूरा बिजनेस संभाल रहा है।

संदेशखाली सीट से टीएमसी विधायक सुकुमार महतो कहते हैं, 'शाहजहां साजिश का शिकार हुआ है। वो संदेशखाली में ही है। शाहजहां राशन घोटाले में शामिल नहीं है। उसके परिवार का भी इससे कोई लेना-देना नहीं है।' महतो कहते हैं, ईडी के अधिकारियों को उसकी बेटी के पास से मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक का लेटर मिला था। इसमें उन्होंने बनगांव के पूर्व अध्यक्ष शंकर अध्या और शाहजहां की मदद की बात लिखी थी। इसी वजह से जांच शुरू हुई।'

राशन घोटाला मामले में ईडी ने 27 अक्टूबर, 2023 को ज्योतिप्रिय मलिक को गिरफ्तार कर लिया था। संदेशखाली में इस तरह की बातें भी कही जा रही हैं कि शाहजहां शेख घोटालों के गवाह हैं और उनके पास कई राज हैं। इसलिए उनका मर्डर कराया जा सकता है।

वहीं, अपोजिशन लीडर शुभेंदु अधिकारी कहते हैं, 'मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कहने पर पुलिस ने शाहजहां शेख को पनाह दे रखी है। पुलिस कुछ भी नहीं कर रही है। पश्चिम बंगाल में बीजेपी के एक्स प्रेसिडेंट राहुल सिन्हा कहते हैं, 'शाहजहां शेख संदेशखाली का डॉन है। उस पर मर्डर के कई मामले हैं, लेकिन पुलिस एक्शन नहीं लेती क्योंकि वो टीएमसी नेता है।' शाहजहां शेख बीजेपी के तीन वर्कर्स प्रदीप मंडल, देबदास मंडल और सुकांत मंडल के मर्डर के मामले में मुख्य आरोपी है। इनकी हत्या 5 जून, 2019 को की गई थी। आरोप ये भी है कि मर्डर के बाद शेख ने इनके शव जला दिए थे ताकि कोई सबूत न मिले। पुलिस ने मामले की जांच सीआईडी को सौंपी थी। सीआईडी ने 2022 में चार्जशीट दाखिल की, जिसमें शाहजहां और उसके दो सहयोगियों के नाम हैं।

ईडी के अधिकारियों पर हमले के बाद बीजेपी वर्कर्स की रिलेटिव सुप्रिया मंडल और पद्मा मंडल ने सीआईडी की चार्जशीट को चुनौती देते हुए रिट पिटिशन दायर की है। उनका कहना है कि दोनों मर्डर में 52 से ज्यादा लोग इन्वॉल्व थे, जबकि चार्जशीट में सिर्फ शेख और उसके दो सहयोगियों को ही आरोपी बनाया गया है।

टीम पर हमले के 19 दिन बाद ईडी दोबारा शाहजहां शेख के घर रेड डालने पहुंची। टीम अपने साथ सेंट्रल पुलिस फोर्स के 120 जवान, लोकल पुलिस और दो गवाह भी साथ ले गई थी। टीम ने शाहजहां शेख के घर में हर कमरे, यहां तक कि किचन की भी तलाशी ली। अलमारियां नहीं खुलीं तो उनके गेट तोड़ दिए।

हालांकि, ईडी के एक अधिकारी के मुताबिक, उनके हाथ कुछ खास नहीं लगा है। इससे लगता है कि सभी डॉक्यूमेंट घर से कहीं और भेज दिए गए हैं। टीम जब संदेशखाली पहुंची तो लोकल पुलिस ने उन्हें शाहजहां शेख के घर में घुसने से रोक दिया, तब ईडी ने पुलिस को सर्च ऑपरेशन का ऑर्डर दिखाया। अधिकारियों ने शाहजहां के घर पर नोटिस चस्पा किया है, जिसमें उसे 29 जनवरी को ईडी के सामने पेश होने के लिए कहा है।

पत्नी, पति को परिवार से अलग नहीं कर सकती

हाईकोर्ट ने फैसले में किया वेदों का जिक्र

रांची, 25 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि भारतीय संस्कृति में एक पत्नी को अपने पति के माता-पिता की सेवा करनी होती है और वह पति को उसके माता-पिता से अलग रहने को मजबूर नहीं कर सकती। झारखंड हाईकोर्ट ने अपने फैसले में परिवार न्यायालय के उस फैसले पर भी रोक लगा दी, जिसके तहत व्यक्ति को तलाक के बाद महिला को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया गया था।

फैसले में प्राचीन धार्मिक ग्रंथों का किया उल्लेख

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में ना सिर्फ पति-पत्नी के संबंधों पर बात की बल्कि शादीशुदा जोड़ों के अधिकारों और जिम्मेदारियों पर भी टिप्पणी की। 25 पेज के आदेश में हाईकोर्ट के जस्टिस सुभाष चंद ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का भी उल्लेख किया कि कैसे भारत में महिलाओं को पति के परिवार में

स्वीकार किया जाता है। जस्टिस चंद ने अपने फैसले में प्राचीन धार्मिक ग्रंथ ऋग्वेद, यजुर्वेद, मनुस्मृति का भी जिक्र किया।

जस्टिस चंद ने कहा कि 'पश्चिमी देशों की तरह भारत में बेटे शादी के बाद अपने परिवार से अलग नहीं होते हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार, शादी के बाद महिला को उसके पति के परिवार के साथ रहना होता है, जब तक कि अलगाव की कोई बड़ी वजह न हो। पत्नी, पति के परिवार का अहम हिस्सा बनती है और पत्नी का अपने पति को परिवार से अलग होने के लिए मजबूर करना सामान्य नहीं है।'

हाईकोर्ट ने कहा शादी के बाद पुरुषों और महिलाओं से भारतीय संस्कृति और सामाजिक आचरण के अनुसार व्यवहार करने की उम्मीद की जाती है और यह तभी हो सकता है, जब परिवार का हर सदस्य अपनी भूमिका अच्छे से निभाए। कोर्ट ने कहा कि शादी में पति की भूमिका फैसले लेने वाले व्यक्ति, सहयोगी और अकाउंटेंट की होनी चाहिए। पति को पत्नी को भावनात्मक सपोर्ट देना भी जरूरी है। वहीं पत्नी से उम्मीद की जाती है कि वह अपने पति का सहयोग करे और पति के सामाजिक सचिव की भूमिका निभाए। पत्नी को पति के सामाजिक जीवन में अहम भूमिका निभानी चाहिए और अपने पति को समझने के साथ ही उसे बौद्धिक सहयोग भी देना चाहिए। दरअसल रुद्र नारायण राय नामक व्यक्ति ने दुमका के फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर जस्टिस सुभाष चंद ने 22 जनवरी को दिए अपने फैसले में पत्नी को दिए जाने वाले गुजारे भत्ते को रद्द कर दिया। वहीं नाबालिग बेटे को दिए जाने वाले गुजारे भत्ते को 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार कर दिया।

एक ही दिन पीएम-सीएम की सभा

4 फरवरी को आएंगे मोदी, हेमंत भी करेंगे जनसभा, राहुल की न्याय यात्रा भी यहां से गुजरेगी

धनबाद, 25 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड का धनबाद जिला अचानक से राजनीति का सेंटर बनता दिख रहा है। 4 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धनबाद आ रहे हैं। इसी दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भी धनबाद में सभा है। एक ही दिन में पीएम और सीएम दोनों जनसभा कर अपनी राजनीतिक शक्ति का प्रदर्शन करेंगे।

इतना ही नहीं इसके 4-5 दिन बाद राहुल गांधी अपनी न्याय यात्रा के दौरान धनबाद पहुंचेंगे। यानी धनबाद में फरवरी के एक सप्ताह राजनीतिक तौर पर गहमागहमी ज्यादा रहेगी। हालांकि 11 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रांची आगमन की भी चर्चा तेज है। माना जा रहा है कि झारखंड में लोकसभा चुनाव का बिगूल भी पीएम इस रैली के जरिए फूकेंगे। एक ही दिन कार्यक्रम होने से भाजपा और झामुमो समर्थकों के बीच टकराव की भी आशंका है।

दोनों दलों के कार्यकर्ता सतर्क हैं। धनबाद में प्रधानमंत्री बलियापुर हवाई अड्डा मैदान में और मुख्यमंत्री गोल्फ ग्राउंड में जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी भारत जोड़ो न्याय यात्रा करते हुए धनबाद पहुंच रहे हैं। झारखंड की राजनीति में धनबाद का महत्व अचानक से बढ़ गया है। सभी प्रमुख कार्यक्रम अचानक इसी जगह हो रहे हैं। धनबाद में बन रहे इस राजनीतिक घमासान को लेकर पुलिस विभाग की अलर्ट है। भाजपा और झामुमो कार्यकर्ता और समर्थकों में टकराव भी की संभावना है। इसे लेकर प्रशासन अभी से अलर्ट मोड पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर्ल खाद कारखाना सिंदरी के उद्घाटन के अवसर पर यहां मौजूद होंगे। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री और कोडरमा की सांसद अन्नपूर्णा देवी ने इस यात्रा के संबंध में जानकारी देते हुए बताया है कि प्रधानमंत्री सुबह 11 बजे धनबाद में जनसभा को संबोधित करेंगे। चार फरवरी की शाम को गोल्फ ग्राउंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सभा होगी। पार्टी की स्थापना दिवस के मौके पर यह आयोजन होगा। इस आयोजन में हजारों लोग पारंपरिक हथियारों के साथ सभा स्थल पहुंचेंगे। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की झारखंड में छह फरवरी के बाद इंट्री होगी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने बताया कि रूट चार्ट अभी तैयार हो रहा है। नौ या दस फरवरी को यात्रा धनबाद में प्रवेश करेगी। यात्रा के दौरान राहुल गांधी धनबाद में लोगों को संबोधित करेंगे। धनबाद, गिरिडीह, राजमहल, हजारीबाग, रांची, खूंटी, जमशेदपुर समेत आठ से दस लोकसभा क्षेत्रों में यह यात्रा जाएगी।

साधराम यादव हत्याकांड के मास्टरमाइंड की दुकान पर चला बुलडोजर

कबीरधाम, 25 जनवरी (एजेंसियां)। कबीरधाम जिले में साधराम यादव मर्डरकेस के मास्टरमाइंड अयाज खान की दुकान पर बुलडोजर चला है। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर मौजूद है। लोगों की भीड़ वहां जमा है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के जिले में अपराधियों के घर बुलडोजर चलाने की ये पहली बड़ी कार्रवाई है। मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है। गुरुवार 25 जनवरी की सुबह करीब 8 बजे भारी पुलिस बल के साथ नगरपालिका और जिला प्रशासन की टीम बुलडोजर लेकर कवर्धा के बीचपारा स्थित अयाज खान के घर पहुंची और मकान के सामने बनी एक मंजिला दुकान पर बुलडोजर चलाना शुरू कर दिया। इससे मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। कार्रवाई के दौरान एसएसपी अभिषेक पल्लव भी मौके पर मौजूद रहे। 20 जनवरी को कवर्धा सिटी कोतवाली अंतर्गत लालपुर नर्सरी के पास साधराम यादव (50) की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड के 5 आरोपियों को 21 जनवरी की शाम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। इन 5 आरोपियों में मास्टरमाइंड अयाज खान भी शामिल था। घटना के बाद से आरोपी अयाज खान के घर बुलडोजर चलाने और उसे फांसी देने की मांग शहरवासी कर रहे थे। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने भी कई मौकों पर कहा है कि प्रदेश में अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा और उनके घर पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई की जाएगी।

दलदल में फंसी गाय को घंटों रेस्क्यू कर निकाला बाहर

लोगों में भारी आक्रोश, आंदोलन की दी चेतावनी

कोरबा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राखड़ के मनमाने डंपिंग की वजह से आए दिन इंसान और मवेशियों पर आफत आती रहती है। अब एक गाय को घंटों रेस्क्यू कर दलदल से सुरक्षित बाहर निकाला गया है। लोगों ने आंदोलन की चेतावनी दी है।

कोरबा नगर और जिले के बिजली घरों में हर रोज कोयला का भारी मात्रा में उपयोग करने के बाद वहां से निकलने वाली राख जन स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए बहुत बड़ी परेशानी बनी हुई है। राखड़ के मनमाने डंपिंग के कारण हर तरफ इंसान और मवेशियों की आफत आयी हुई है। नड़ियाखड़ क्षेत्र में राखड़ के दलदल में फंसे एक मवेशी को बचाने का कार्य गौसेवक समिति ने किया है। प्रगति नगर और राताखार के मध्य नदियाखड इलाके में परिवहन कारोबारी के द्वारा बिजली घरों से निकलने वाली राख को मनवाने तरीके से डंप किया जा रहा है।

इसके नजदीक में ही हसदेव नदी का प्रवाह क्षेत्र है। नदी के जल ग्रहण क्षेत्र के नजदीक रखड़ को लगातार डाले जाने से वहां दलदल की स्थिति निर्मित हो गई है और इसके कारण कई प्रकार के खतरे बने हुए हैं। लोगों के द्वारा पशुपालन किया जा रहा है। जिनके मवेशियों के सामने इस स्थिति में समस्याएं हैं। इसी दलदल में एक मवेशी गिरकर छटपटा रही थी। इस बारे में सूचना मिलने पर गोपालक समिति के कार्यकर्ता पहुंचे और अपने संसाधन के साथ उसकी रक्षा की।

गौ सेवक अक्षत शर्मा ने बताया कि दर्री बाईपास राताखार मार्ग पर भारी मात्रा में रखड़ का डंप किया जा रहा है। जिसके चलते आम लोगों को परेशानी हो रही है। बारिश के बाद इलाके में दलदल सा हो गया है। जिसकी चपेट में आने से एक मवेशी फंस गया था। जिसका घंटों रेस्क्यू कर बाहर निकल गया। बेजुबान जानवर फंस गया है। कभी इंसान भी इसकी चपेट में आ सकता है। ऐसे लोगों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई संबंधित विभाग को करनी चाहिए नहीं तो कभी भी बड़ी दुर्घटना कर सकती है।

छत्तीसगढ़ में छेरछेरा पर्व की धूम

कोरबा और भाटापारा में बच्चे मांग रहे छेरछेरा, थाने पहुंची बच्चों की टोली

कोरबा/भाटपारा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ का लोकपर्व छेरछेरा धूमधाम के साथ मनाया मनाया जा रहा है। यह पर्व पौष पूर्णिमा के दिन खास तौर पर मनाया जाता है। यह अन्न दान का महापर्व है। छत्तीसगढ़ में यह पर्व नई फसल के खलिहान से घर आ जाने के बाद मनाया जाता है। आज सुबह से ही बच्चे, युवक व युवतियां हाथ में टोकरी, बोरी आदि लेकर घर-घर छेरछेरा मांगते हैं। वहीं युवकों की टोलियां डंडा नृत्य कर घर-घर पहुंचती हैं। धान मिंसाई हो जाने के चलते गांव में घर-घर धान का भंडार होता है, जिसके चलते लोग छेर छेरा मांगने वालों को दान करते हैं। साथ ही शहरी अंचलों में भी छेरछेरा की धूम रही। शहर के सीतामणी, बुधवारी, काशी नगर, संजय नगर शारदा विहार इलाके में बच्चों की टोली छेरछेरा मानते

नजर आए। जहां काफी संख्या में बच्चे और बड़े लोग नजर आए। इसके अलावा एक बच्चों की टोली बालको थाना पहुंची। जहां बच्चे हाथ में ड्रम बाजा लेकर बजाते हुए पहुंचे और छेरछेरा मांगने लगे। आवाज सुनकर थाना प्रभारी नितिन उपाध्याय ने बच्चों के साथ रंग में ढल गए और खुशी जाहिर करते हुए बच्चों की टोली को छेरछेरा दान किया। वहीं बच्चों की उज्जवल भविष्य की कामना भी की। दर्री थाना में भी बच्चों की एक टोली पहुंची। जहां थाना प्रभारी रूपक शर्मा ने बच्चों को चॉकलेट देकर छेरछेरा मनाया गया। मानिकपुर चौकी प्रभारी प्रेम साहू ने भी अलग अंदाज में छेरछेरा मनाया।

जहां थाना आने जाने वाले सभी को छेरछेरा का बधाई देते हुए लोगों यातयात की जानकारी दी गई। वहीं दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ के प्रमुख त्योहार में से एक त्योहार छेरर छेरा भाटापारा में धूमधाम से मनाया जा रहा है।

17 जजों का हुआ प्रमोशन

पांच जिला एवं सत्र न्यायाधीशों का तबादला

बिलासपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के पांच जिला एवं सत्र न्यायाधीशों का हाईकोर्ट ने तबादला आदेश जारी किया है। इसमें महासमुंद, कोरिया, कांकेर, जशपुर और कोरबा के जिला एवं सत्र न्यायाधीश शामिल हैं। जारी आदेश के मुताबिक, 17 जजों को प्रमोशन दिया गया है, जिन्हें अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के साथ ही क्लास टू से क्लास वन बनाया गया है। साथ ही उन्हें अलग-अलग जिलों में पोस्टिंग दिया गया है। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल सुधीर कुमार ने चीफ जस्टिस की सहमति से तीन जिला एवं सत्र न्यायधीशों को सुपर टाइम स्केल भी दिया है। वहीं, चार सिविल जजों को क्लास टू से क्लास वन में पदोन्नति देकर नई जगह पदस्थापना दी गई है। एक जिले में सिविल जज क्लास वन को प्रमोशन देकर सीजेएम बनाया गया है। वहीं, रायपुर के जिला एवं सत्र न्यायधीश को एक्ट्रोसिटी कोर्ट का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जारी आदेश के अनुसार 17 जजों को प्रमोशन दिया गया है, जिसमें 15 को क्लास टू से प्रमोट कर क्लास वन में दूसरे जिलों में पदस्थ किया गया है। जारी आदेश में डोंगरगढ़ में सिविल जज क्लास वन व एसीजेएम के पद में पदस्थ सीमा प्रताप चंद्रा को कोरबा जिले का सीजेएम बनाया गया है। उनकी जगह देवेंद्र साहू को प्रतापपुर से डोंगरगढ़ में सिविल जज क्लास वन व एसीजेएम के पद में पदस्थ किया गया है। मोहम्मद जहांगीर तिगाला, सतीश कुमार खाखा, सत्येंद्र प्रसाद व खिलेश्वरी सिन्हा को सिविल जज क्लास टू से सिविल जज क्लास वन में पदोन्नति दी गई है, जिसमें मोहम्मद जहांगीर तिगाला को मनेंद्रगढ़ से बेमेतरा व सतीश कुमार खाखा को वाड्रफनगर से प्रतापपुर तबादला किया गया है।

महासमुंद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश भीष्म प्रसाद पांडेय को कोरिया का जिला एवं सत्र न्यायाधीश बना कर भेजा गया है। आनंद कुमार ध्रुव को कोरिया से कांकेर का जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अनीता डहरिया को जशपुर से महासमुंद का जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनाया गया है। रायपुर के एक्ट्रोसिटी के स्पेशल जज हिरेंद्र सिंह टेकाम को जशपुर का जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनाया गया है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के विधिक सलाहकार सत्येंद्र कुमार साहू को कोरबा का जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनाया गया है। हाईकोर्ट के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी शैलेंद्र चौहान को जांजगीर जिले का अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनाया गया है। वहीं, रायपुर के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित राठौर को नवगठित सारंगढ़ जिले के पाक्सो फास्टट्रैक कोर्ट का स्पेशल जज बनाया गया है।

अगरबत्ती से जला मकान, लाखों की संपत्ति बर्बाद

बोकारो, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बोकारो जिला के आईइएल थाना क्षेत्र के साई नर्सिंग होम के निकट राम यादव के आवास में बुधवार को आग लग गई। उन्होंने आवास किराए पर दे रखी थी। आग के चपेट में आने से घर पर रखे पलंग, अलमीरा, लेपटॉप, पंखा, अलमीरा में रखे नगद राशि सहित अन्य लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। जब यह घटना हुई उस समय मकान की किराएदार ड्यूटी पर थी और उसकी सास छत पर धूप सेंक रही थी। घर के बगल के लोगों ने जब धुआं निकलते देखा तब फायर ब्रिगेड की गाड़ी को बुलाया और आग पर काबू पाया।

11 लोकसभा सीटों के लिए 20 लोगों की टीम तैयार

रायपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर में कांग्रेस की 26 जनवरी गुरुवार और 27 जनवरी को मैराथन बैठक होगी। लोकसभा प्रत्याशी चयन स्क्रीनिंग कमेटी की चेयरपर्सन और राज्यसभा सांसद रजनी पाटिल और प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ये बैठकें लेंगे। दोनों का कल छत्तीसगढ़ दौरा तय हुआ है। पाटिल 11 लोकसभा सीटों को लेकर बैठक करेंगी। इसके लिए वरिष्ठ नेताओं, विधायकों, पूर्व विधायकों सहित कुल 20 लोगों की टीम तैयार की गई है।

रजनी पाटिल इन्हीं नेताओं से इनके क्षेत्र को लेकर विस्तृत चर्चा करेंगी। जिम्मेदारी मिलने के बाद पाटिल का यह पहला दौरा होगा। वहीं सचिन पायलट भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए पार्टी नेताओं के साथ मंथन कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नए प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट का दौरा तय हो गया है। उनके ऑफिस से अंतिम कार्यक्रम आना बाकी है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पायलट न्याय यात्रा को लेकर प्रदेश के नेताओं से चर्चा करेंगे।

यात्रा को लेकर अंतिम रूट समेत छत्तीसगढ़ में यात्रा के स्वरूप को लेकर विस्तृत चर्चा होगी। इस बैठक से पहले पीसीसी चीफ दीपक बैज रूट में आने वाले जिलों का दौरा कर वहां के जिला अध्यक्षों को जिम्मेदारियां सौंप रहे हैं। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा करीब 10 दिन पहले 5 फरवरी को छत्तीसगढ़ में प्रवेश कर सकती है। इसका कारण असम में यात्रा का पूरा न हो पाना है। पहले संभावना थी कि कांग्रेस की यह यात्रा 15 से 18 फरवरी के बीच रायगढ़ के रास्ते छत्तीसगढ़ में प्रवेश करेगी।

कनाडा ने भारत पर लगाया चुनावों में दखल का आरोप

जांच कमीशन ने ट्रूडो सरकार से जानकारी मांगी, लिस्ट में चीन-रूस का भी नाम

ओटावा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-कनाडा में महीनों से जारी तनाव के बीच अब भारत पर वहां के चुनावों में दखल का आरोप लगा है। कनाडा का एक इंडिपेंडेंट कमीशन इसकी जांच कर रहा है। कमीशन ने ट्रूडो सरकार से मामले में जानकारी मांगी है।

दरअसल, पिछले साल सितंबर में एक रिपोर्ट सामने आई थी। इसमें कहा गया था कि कनाडा में 2019 और 2021 में हुए 2 संघीय चुनाव में चीन ने दखल दिया था। इसमें प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को जीत दिलाने में मदद की गई थी। हालांकि, चीन ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। इस मामले की जांच के लिए प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ही इस कमीशन का गठन किया था।

कमीशन ने बुधवार को बताया कि उन्होंने सरकार से इन चुनावों में भारत के तथाकथित दखल से जुड़े दस्तावेज पेश करने को कहा है। इसके अलावा कमीशन इस बात की भी जांच करेगा कि पूरे मामले की सरकार को कितनी जानकारी थी और इस पर क्या कदम उठाए गए।

इस कमीशन की अध्यक्ष क्यूबेक की जज मैरी-होसे होग हैं। चुनाव में दखल के मामले में भारत और चीन के अलावा रूस का भी नाम है। कनाडाई मीडिया के मुताबिक, कमीशन मामले में अपनी पहली रिपोर्ट 3 मई तक पेश कर सकता है। वहीं इसकी फाइनल रिपोर्ट साल के आखिर तक सामने आएगी।

फिलहाल इस मामले में कनाडा में मौजूद भारतीय हाई कमीशन या भारत सरकार ने कोई बयान नहीं दिया है। पिछले साल कनाडा के चुनाव में दखल से जुड़ी जो रिपोर्ट सामने आई थी, उसमें कहा गया था कि चीन ने 2019 के चुनावों में 11 उम्मीदवारों का समर्थन किया था। एक मामले में 2.5 लाख डॉलर से ज्यादा दिए गए थे।

2021 के चुनाव में भी चीनी राजनयिकों और प्रॉक्सी अभियानों के लिए अघोषित तौर पर पैसे दिए गए थे। चुनावी दखल का ऑपरेशन टोरंटो में चीन के वाणिज्य दूतावास से चलाया जा रहा था। इसके पीछे का मकसद सांसदों के ऑफिस में अपने लोगों को रखे जाने और नीतियों को प्रभावित करना था।

इससे पहले दिसंबर के आखिर में कनाडा की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने निज्जर की हत्या के मामले में 2 आरोपियों की पहचान करने का दावा किया था। कनाडाई मीडिया ग्लोब एंड मेल ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि कुछ हफ्तों में दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकती है। दोनों आरोपियों पर चार्जशीट दायर होने के बाद हत्या की साजिश में भारत सरकार की भूमिका का खुलासा किया जाएगा।

ट्रूडो ने भारत पर निज्जर की हत्या का आरोप लगाया था

आतंकी निज्जर की हत्या 18 जून 2023 को कनाडा में हुई थी। इसके बाद सितंबर में पीएम ट्रूडो ने भारत पर इसका आरोप लगाया था। उनकी सरकार ने भारत के एक सीनियर डिप्लोमैट को देश से निकाल दिया था। इसके बाद से भारत-कनाडा के बीच विवाद बढ़ता चला गया। हालांकि, बाद में ट्रूडो ने खुद कई बार भारत से रिश्ते बनाए रखने की बात कही थी। भारत ने कनाडा के आरोपों के खिलाफ एक्शन लेते हुए वहां के लोगों के लिए वीजा सेवाएं भी सस्पेंड कर दी थीं। साथ ही भारत से 41 कनाडाई डिप्लोमैट्स को भी हटा दिया गया था।

आर्थिक गलियारा अपग्रेड होगा, चीन पाकिस्तान के साथ काम करने को राजी

जिनपिंग सरकार ने लगाए हैं अरबों डॉलर

इस्लामाबाद/बीजिंग, 25 जनवरी (एजेंसियां)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना- सीपीईसी पर अरबों डॉलर का निवेश किया है। ताजा घटनाक्रम में चीन और पाकिस्तान इस परियोजना पर एक साथ काम करने को सहमत हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक जिनपिंग प्रशासन ने कहा है कि वह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे को अपग्रेड करने की परियोजना पर एक साथ काम करने को राजी है। चीन का कहना है कि राजनीतिक रूप से आपसी विश्वास को और मजबूत और गहरा करने के मकसद से उसने पाकिस्तान के साथ काम करने का फैसला लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर ने कहा है कि सीपीईसी का पहला चरण हासिल किया जा चुका है। पाकिस्तान शुरुआती फसल परियोजनाओं से लाभान्वित हो रहा है। पीएम काकर ने कहा कि सीपीईसी में अगले चरण का काम पूरा करने के लिए वह लगातार जिनपिंग प्रशासन के संपर्क में बने हुए हैं।

मालदीव की विपक्षी पार्टियां भारत-विरोधी नीति के खिलाफ

कहा- सबसे पुराने सहयोगी से अलग होना गलत, मुइज्जू सरकार की पॉलिसी से तनाव बढ़ेगा

माले, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मालदीव में 2 प्रमुख विपक्षी पार्टियों ने राष्ट्रपति मुइज्जू की भारत विरोधी नीति का विरोध किया है। मालदीव डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) और डेमोक्रैट्स ने कहा- भारत सबसे ज्यादा समय से हमारा सहयोगी रहा है। ऐसे किसी देश को दरकिनार करना देश के विकास के लिए सही नहीं है। एमडीपी के अध्यक्ष फैयाज इस्माइल, मालदीव की संसद के उपाध्यक्ष अहमद सलीम, डेमोक्रैट पार्टी के मुख्य सांसद हसन लतीफ और संसदीय समूह के नेता अली अजीम ने बुधवार को एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- देश की सरकार को मालदीव के लोगों के फायदे और विकास के लिए सभी भागीदारों के साथ काम करना चाहिए। ऐसा हमेशा से होता आया है।

नेताओं ने कहा- सरकार की नीतियां क्षेत्र में तनाव पैदा कर सकती हैं। मालदीव में सुरक्षा और स्थिरता के लिए हिंद महासागर में शांति होना बेहद जरूरी है। मालदीव की विपक्षी पार्टियों का यह बयान तब सामने आया है, जब भारत से तनाव के बीच 2 दिन पहले ही मुइज्जू सरकार ने

चीन के जहाज को मालदीव में रुकने की इजाजत दी थी।

मालदीव की संसद में एमडीपी और डेमोक्रैट्स के सांसदों के पास 87 में से 55 सीटें हैं। जनवरी में राष्ट्रपति मुइज्जू ने चीन का राजकीय दौरा किया था। यह उनका पहला राजकीय दौरा था, जबकि आमतौर पर मालदीव के राष्ट्रपति पहला राजकीय दौरा भारत का करते हैं। चीन से लौटने के बाद मुइज्जू ने उसकी तारीफ की थी। कहा था- चीन हमारे आंतरिक मसलों में दखल नहीं देता। उन्होंने यह भी कहा था कि हमारा देश छोटा है, लेकिन इसका ये मतलब नहीं की किसी को हमें धमकाने का लाइसेंस मिल गया है। दरअसल, मोहम्मद मुइज्जू ने अपनी चुनावी कैंपेन में इंडिया आउट का नारा दिया। उन्होंने सत्ता में आने के बाद मालदीव में मौजूद भारत के सैनिकों को निकाल लेने के आदेश दिए। भारत के साथ हाइड्रोग्राफिक सर्वे एग्रीमेंट खत्म करने की घोषणा की। इसके बाद मालदीव के दो मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप विजिट को लेकर उनके और भारत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। इसके बाद 14 जनवरी को मालदीव में हुई कोर कमेटी की बैठक में मुइज्जू सरकार ने वहां मौजूद 88 भारतीय सैनिकों को हटाने के लिए 15 मार्च तक का समय दिया। 15 नवंबर 2023 को मालदीव के नए राष्ट्रपति और चीन समर्थक कहे जाने वाले मोहम्मद मुइज्जू ने शपथ ली थी। इसके बाद से भारत और मालदीव के रिश्तों में खटास आई है।

जनवरी की शुरुआत में टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू राष्ट्रपति मुइज्जू से भारत की सैन्य मौजूदगी के मुद्दे पर सवाल पूछा गया था। सवाल था कि भारत अपने सैनिकों को बाहर निकालने की आपकी जिद से चिंतित है।

श्रीलंकाई मंत्री का सड़क हादसे में निधन

नेपाल के राष्ट्रपति ने फरवरी में शीतकालीन सत्र बुलाया

काठमांडू, 25 जनवरी (एजेंसियां)। नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने पांच परवरी को संसद का शीतकालीन सत्र बुलाया है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि अनुच्छेद 93(1) के अनुसार यह सत्र शाम के चार बजे बुलाया गया है। मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में राष्ट्रपति पौडेल से दोनों सत्रों में बैठक बुलाने की सिफारिश की गई थी। नेपाल के संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति मंत्रिमंडल की सिफारिश पर सदन सत्र बुला या स्थगित कर सकता है। देश की सरकार आगामी सत्र के माध्यम से कई विधेयकों को पारित करने की तैयारी कर रही है। इससे पहले संसद का बजट सत्र तीन जुलाई को स्थगित कर दिया गया था।

श्रीलंका के राज्य मंत्री शनत निशंता की एक सड़क हादसे में मौत हो गई। यह घटना गुरुवार को कटुनायके एक्सप्रेसवे के पास घटी। स्तानीय मीडिया ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि राज्य मंत्री के साथ एक सुरक्षा अधिकारी की भी मौत हो गई है।

जीप में राज्य मंत्री निशंता के साथ सुरक्षा अधिकारी और चालक सवार थे। उनकी जीप एक कंटेनर वाहन से टकराने के बाद सड़क के बाड़ से टकरा गई। वह कटुनायके से कोलम्बो की तरफ जा रहे थे। इस हादसे में सभी गंभीर रूप से घायल हुए थे। उन्हें रागमा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां निशंता और एक पुलिस कॉन्स्टेबल की मौत हो गई।

इस्लाम के गढ़ में पहली बार बिकेगी शराब

सऊदी प्रिंस ने क्यों दी मंजूरी? दुविधा में जिन्ना का पाकिस्तान

रियाद, 25 जनवरी (एजेंसियां)। इस्लाम के दो सबसे पवित्र शहरों मक्का और मदीना के देश सऊदी अरब में शराब की पहली दुकान खुलने जा रही है। सऊदी अरब ने अपनी राजधानी रियाद में शराब के पहले स्टोर को मंजूरी दी है। शराब का यह स्टोर खासतौर पर गैर मुस्लिम विदेशी राजनयिकों के लिए होगा। शराब को खरीदने के लिए एक मोबाइल स्टोर के जरिए कस्टमर को रजिस्टर करना होगा। इसके बाद उन्हें क्लियरेंस कोड मिलेगा। प्रत्येक कस्टमर का महीने का कोटा होगा। सऊदी अरब में कट्टर इस्लामिक कानून लागू हैं और शराब पीना हराम माना जाता है और यही वजह है कि बिक्री बैन है। सऊदी अरब की इस मंजूरी के बाद अब पाकिस्तान की सरकार दुविधा में फंस गई है जहां शराब आधिकारिक रूप से बैन है लेकिन हर जगह आसानी से मिल जाती है। सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के इस कदम को मील का पत्थर माना जा रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि सऊदी प्रिंस ने टूरिज्म और बिजनस को बढ़ाने के लिए शराब की बिक्री को मंजूरी दी है। दरअसल, साल 2030 तक सऊदी अरब अपनी अर्थव्यवस्था की तेल पर से निर्भरता को कम करना चाहता है। दुनिया में इलेक्ट्रिक गाड़ियां बढ़ रही हैं और आने वाले समय में तेल की खरीद में गिरावट आना तय माना जा रहा है। यही वजह है कि सऊदी अरब अपने अंदर तेजी से बदलाव लाना चाहता है। सऊदी अरब का पड़ोसी देश यूएई दुबई के जरिए दुनियाभर में व्यापार का गढ़ बन गया है।

सऊदी प्रिंस का प्लान 'दुबई'

अब सऊदी प्रिंस यूएई की इस सफलता को अपने यहां दुहराना चाहते हैं। यही वजह है कि वह अरबों डॉलर खर्च करके नयोम नाम से एक नया शहर बसा रहे हैं। सऊदी अरब की यह शराब की दुकान रियाद के राजनयिक इलाके में होगी जहां दूतावास स्थित हैं। यह शराब सिर्फ और सिर्फ गैर मुस्लिमों को ही बेची जाएगी। अभी यह साफ नहीं है कि क्या अन्य गैर मुस्लिम प्रवासी भी इस दुकान से शराब खरीद सकते हैं या नहीं। सऊदी अरब में लाखों की तादाद में विदेशी कामगार काम करते हैं लेकिन उनमें से ज्यादातर एशिया और मिस्र के मुस्लिम हैं।

सऊदी अरब में शराब पीने पर बहुत कड़ी सजा है। इसमें सैकड़ों की तादाद में कोड़े, डिपोर्ट किया जाना, जुर्माना या जेल की सजा शामिल है। अब कोड़े मारने को कम कर दिया गया है और उसकी जगह पर जेल की सजा को दिया जा रहा है। सऊदी अरब ने हाल के दिनों में कई कट्टर नियमों में बदलाव किया है और महिलाओं को बुर्का पहनने पर भी राहत दी है। महिलाएं अब गाड़ी चला सकती हैं। सऊदी अरब अब गैर धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा दे रहा है। यह विजन 2030 के मुताबिक दिया जा रहा है।

अकबर के भाई के 240 करोड़ के टेंडर होंगे निरस्त

रायपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार ने पूर्व मंत्री मो. अकबर के भाई मो. असगर की फर्म रायपुर कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड पर शिकंजा कसा है। 240 करोड़ का टेंडर निरस्त कराने की प्रक्रिया के बाद अब कांग्रेस सरकार में फर्म को मिले कामों की गोपनीय जांच करवा रही है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कुछ दिन पहले कुछ टेंडर निरस्त किए जाने को लेकर जानकारी मीडिया को दी थी। हालांकि अभी तक फर्म या संचालक मो. असगर की ओर से कोई बयान नहीं आया है। दूसरी ओर सरकार ने बाकी कार्यों की रिपोर्ट भी अफसरों से मांगी है। सूत्रों के अनुसार, वित्त मंत्री ओपी चौधरी को शिकायत मिली थी कि, मो. असगर की फर्म को नया रायपुर और रायपुर में 1000 करोड़ के काम नियमों के खिलाफ दिए गए। इनमें कई काम तय समय पर नहीं हुए, फिर भी किस्तों में बिल पास हुए। इसके बाद कार्रवाई की गई है। नया रायपुर में 240 करोड़ की लागत से 10 प्रोजेक्ट पर काम चल रहा था। इसमें 9 प्रोजेक्ट रायपुर कंस्ट्रक्शन और एक प्रोजेक्ट कल्याण कंस्ट्रक्शन के पास था। रायपुर कंस्ट्रक्शन कंपनी को मिले कुछ प्रोजेक्ट जून तक पूरे होने थे, लेकिन उनमें 20 प्रतिशत ही काम हुआ। इसके अलावा नया रायपुर के सेक्टर 12, 15 और 16 में सड़क निर्माण करना था, लेकिन पूरा नहीं हुआ। इसे लेकर एनआरडीए ने आधा दर्जन से ज्यादा नोटिस कंपनी को दिए थे, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया। अफसरों का कहना है कि इसी के चलते कार्रवाई की गई।

रायपुर कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को नया रायपुर में 45 करोड़ की लागत से 36 किमी का साइकिल ट्रैक बनाना था। इसके अलावा सड़क, पार्किंग, क्लब हाउस, मंत्रालय का सौंदर्यीकरण, तालाब का निर्माण समेत कुछ और कामों को भी पूरा करना था।

दुनिया के इन दो देशों में शुरू होगी लड़ाई और फिर होगा तीसरा विश्व युद्ध

मरेंगे 2 करोड़ लोग, एआई ने डराया

लंदन, 25 जनवरी (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने इस भयावहता का खुलासा किया है कि अगर तीसरा विश्व युद्ध शुरू हुआ तो अगले पांच साल में दुनिया में क्या हो सकता है। एआई ने चौंकाने वाली काल्पनिक भविष्यवाणियों का एक पूरा सेट तैयार किया है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि अगर इसी साल युद्ध शुरू हुआ तो यह परमाणु हमले, आर्कटिक में लड़ाई और दो करोड़ से ज्यादा लोगों की दुखद मौतों की वजह बन सकता है। इन सभी भविष्यवाणियों में सबसे चिंताजनक बात यह है कि एआई के अनुसार इस संघर्ष में संभावित मौतों की संख्या बहुत ज्यादा हो सकती है। द सन की इस रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा साल यानी साल 2024 को लेकर चैटजीपीटी ने चेतावनी दी है कि उनके परिदृश्य में एक ट्रिगरिंग घटना होगी जो रूस और अमेरिका के बीच तनाव के

अचानक बढ़ने की वजह बनेगी। ये राजनयिक विफलताओं, साइबर हमलों और आरोपों की एक श्रृंखला होगी, जिसके बाद पूर्वी यूरोप और आर्कटिक क्षेत्र के देशों के बीच झड़पें शुरू होंगी और इस बिंदु पर रूस और अमेरिका दोनों अपने सैन्य बल जुटाएंगे। इसके बाद साल 2025 में लड़ाई और ज्यादा बढ़ जाएगी, यानी संघर्ष विस्तार होगा। जिसमें नाटो सहयोगी और रूसी-गठबंधन वाले देश शामिल होंगे। इसके बाद साइबर हमले तेज होंगे और महीनों से जारी झड़पों के चलते मरने वालों की संख्या बढ़ने लगेगी। एक तरफ रूस कुछ क्षेत्रीय साझेदारों के करीब आएगा तो अमेरिका नाटो सदस्यों के साथ अपनी दोस्ती को मजबूत करेगा। इस भविष्यवाणी के मुताबिक, साल 2026 में तीसरे विश्व युद्ध की घोषणा हो जाएगी क्योंकि बड़ी शक्तियों के साथ बाकी दुनिया इसमें शामिल हो जाएगी। चीन जैसी शक्तियां प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संघर्ष में शामिल हो जाती हैं। इन जटिलताओं के परिणामस्वरूप कई छद्म युद्ध भी उभरेंगे। चैटजीपीटी के अनुसार, साल 2027 तक परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की बातें होने लगेंगी। हालांकि परमाणु बम के इस्तेमाल की ओर कोई देश नहीं जाएगा लेकिन संघर्ष उस बिंदु तक बढ़ेगा जहां परमाणु हथियारों के उपयोग के बारे में चिंताएं होती हैं। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय युद्धविराम के लिए प्रयास तेज करेगा लेकिन क्योंकि एआई यह भी नोट करता है कि दुनिया 2027 में विश्व युद्ध जारी रहेगा और दुनिया एक पीड़ा से गुजर रही होगी।

साल 2028 में चार साल की लड़ाई और लाखों लोगों की जान गंवाने के बाद कई देश युद्ध पर अपने रुख पर पुनर्विचार करना शुरू कर देंगे। दुनिया युद्धविराम के कई प्रयास और लगातार शांति वार्ता होते देखेगी। साल 2028 तक एआई गंभीर आर्थिक परिणामों की भी भविष्यवाणी करता है। इससे दुनियाभर में आर्थिक मंदी आएगी।

शहीद निशांत शर्मा की प्रतिमा का किया गया अनावरण

उन्होंने 2021 में 6 आतंकवादियों को मौत के घाट उतार वीरगति को प्राप्त

सहारनपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। 24 जनवरी 2021 को जम्मू कश्मीर के सोफियां में 6 आतंकवादियों को मौत के घाट उतारने वाले सहारनपुर के शहीद निशांत शर्मा का आज उनके शहीदी दिवस पर उनकी विशाल प्रतिमा के अनावरण की अध्यक्षता एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष व विश्व हिन्दू तख्त के अंतरराष्ट्रीय प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने की। इस मौके पर पूर्व वीरेश शांडिल्य ने सैनिक सम्मान की तरह पुष्प चक्र शहीद निशांत की प्रतिमा पर अर्पित कर उन्हें सैल्यूट किया। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने कहा शहीदों की बदौलत आज हिन्दूस्तान है। उन्होंने कहा कि 2021 में जब निशांत शहीद हुआ था तो उन्हें शहीद निशांत के पार्थिव शरीर को कंधा देने का भी मौका मिला था और सबसे पहले उन्होंने शहीद निशांत की प्रतिमा सहारनपुर में लगाने की यूपी सरकार से मांग की थी और शहीद के माता पिता को

कारगिल युद्ध की तरह गैस एजेंसी व पेट्रोल पंप देने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने इस मांग को पूरा किया इसके लिए वह सरकार को धन्यवाद देते हैं। आतंकवाद, खालिस्तान, पाक आतंकवादियों सहित देशद्रोहियों को खुले आम ललकारने वाले वीरेश शांडिल्य ने आज शहीद निशांत के प्रतिमा अनावरण के बाद सैकड़ों लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि शहीद राष्ट्र की धरोहर होते हैं और उनके माता पिता राष्ट्र के माता पिता हो जाते हैं और शहीद की पत्नी देश की बेटी कहलाती है। वीरेश शांडिल्य ने कहा कि आज यूपी दिवस है वह मुख्यमंत्री योगी व यूपी की जनता को बधाई देते हैं और आज योगी के नेतृत्व में उत्तरप्रदेश में भय भ्रष्टाचार फैलाने वाले टिकटों पर भी देखने को नहीं मिलते। शांडिल्य ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री शाह व मुख्यमंत्री योगी की जोड़ी इस देश से आतंकवाद का समूल नाश कर देगी और मोदी व योगी के नेतृत्व में देश में 500 वर्ष बाद राम राज शुरू हो गया है इसके लिए भी वीरेश शांडिल्य ने बधाई दी। वहीं वीरेश शांडिल्य ने यूपी के मुख्यमंत्री से एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया की तरफ से मांग की है कि वह यूपी के ही निवासी देश के रक्षामंत्री राजनाथ से बात कर शहीद निशांत शर्मा के पिता जोगिंदर व माता ममता के नाम गैस एजेंसी कारगिल युद्ध के शहीदों की तरह अलॉट की जाए और साथ ही वीरेश शांडिल्य ने एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया व विश्व हिन्दू तख्त की तरफ से मांग की है कि जैसे उन्होंने करोड़ों खाते बैंक में गरीबों के खुलवाए वैसे ही सेना, पैरामिल्ट्री फोर्स व पुलिस के जवानों के खाते खुलवाएं। जो भी इनमें से आतंकवाद के खिलाफ लड़ते हुए शहीद होता है देश की 140 करोड़ जनता को उन शहीदों के खाते में एक एक रूपए की राशि डालनी चाहिए।

कंगाल पाकिस्तान के सबसे अमीर इंसान की बेटी

अरबों रुपए किए दान, बहुत दिलचस्प है लव स्टोरी से शादी की कहानी

इस्लामाबाद, 25 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सबसे अमीर व्यक्ति शाहिद खान अपने शाही रहन-सहन और बिजनेस के साथ-साथ दान के कामों के लिए भी पहचान रखते हैं। 97,276 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति के मालिक शाहिद खान स्पोर्ट्स टायकून कहे जाते हैं, वह नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) के जैक्सनविले जगुआर और फुलहम एफसी के मालिक हैं। शाहिद के साथ-साथ उनकी बेटी शन्ना खान भी काफी चर्चा में रहती हैं।

वह पाकिस्तान की सबसे अमीर औरतों में शुमार हैं लेकिन वह अपने बिजनेस से ज्यादा अपने लुक और डोनेशन के लिए जानी जाती हैं। वह अरबों रुपए दान कर चुकी हैं। शन्ना जगुआर फाउंडेशन के जरिए कई परोपकारी काम करती रही हैं। वह कमजोर आर्थिक बैकग्राउंड वाले युवाओं और उनके परिवारों की मदद करने के लिए कई प्रोग्राम चला रही हैं।

फिल्म स्टूडियो में आग लगाने वाले जापानी आरोपी को सजा-ए-मौत

खुद भी 90% जल गया था, हादसे में 36 लोगों की जान गई थी

बीजिंग, 25 जनवरी (एजेंसियां)। साल 2019 की बात है। एक शख्स जापान के फिल्म स्टूडियो में आग लगा देता है। 36 लोग जलकर मर जाते हैं। आरोपी खुद भी 90% जल जाता है। उसे अस्पताल ले जाया जाता है।

इलाज के बाद जब वो ठीक होता है तो पुलिस उसे गिरफ्तार कर लेती है। हादसे के 5 साल बाद यानी 25 जनवरी 2024 को कोर्ट ने आरोपी को मौत की सजा सुनाई है। बीबीसी के मुताबिक 45 साल का आरोपी शिनजी आओबा लेखक था। उसका मानना था कि फिल्म स्टूडियो ने उसकी लिखी

एक कहानी चुराई है। इस बात से नाराज होकर उसने पूरे फिल्म स्टूडियो में आग लगा दी थी। हालांकि, स्टूडियो ने कहानी चुराने की बात को खारिज कर दिया था।

'ए साइलेंट वॉइस' जैसी फिल्म बनाने वाले क्योटो एनिमेशन स्टूडियो में 18 जुलाई 2019 को कई आर्टिस्ट काम कर रहे थे। दोपहर करीब 1 बजे शिनजी आओबा नाम का शख्स स्टूडियो के अंदर घुसने की कोशिश करता है। इस दौरान सिक्योरिटी गार्ड्स के साथ उसकी बहस होती है। वो उसे रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन नाकाम हो जाते हैं। शिनजी आओबा स्टूडियो का दरवाजा तोड़ते हुए अंदर घुस जाता है। ग्राउंज फ्लोर पर पेट्रोल छिड़कता है और फिर आग लगा देता है। आग तेजी से पहली मंजिल तक पहुंच जाती है।

भूपेश बघेल बोले- असम सीएम कर रहे गुंडागर्दी

रायपुर में कहा- राहुल गांधी को जहां रोका गया, वहां से 2 दिन पहले शाह गुजरे

रायपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल न्याय जोड़ो यात्रा से राजधानी रायपुर वापस लौटे आए हैं। असम में यात्रा के दौरान हुए विवाद को लेकर बघेल ने कहा कि असम में मुख्यमंत्री खुलेआम गुंडागर्दी कर रहे हैं। जिस सड़क मार्ग से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की रैली निकलती है। उसके दिन पहले भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की रैली निकलती है, उस रास्ते पर राहुल गांधी को नहीं जाने दिया गया।

भजनलाल सरकार का एक और बड़ा फैसला

रिटायर कर्मचारी अब सरकार में नहीं करेंगे काम

जयपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने रिटायरमेंट के बाद संविदा पर काम कर रहे लोगों के कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिये हैं। बता दें कि लगभग 2000 से अधिक कर्मचारी निकायों में रिटायर होने के बाद भी कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर रहे थे, हालांकि अब भी कई सरकारी विभागों में रिटायर कर्मी पे माइनस पेंशन और कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर काम कर रहे हैं।

नगरीय विकास विभाग ने जारी किया आदेश

दरअसल, नगरीय विकास विभाग ने जारी आदेश में कहा की नगर पालिका, नगर परिषद के अलावा यूआईटी, विकास प्राधिकरण, हाउसिंग बोर्ड, रूडसिको, आरयूआईडीपी, स्वायत्त शासन निदेशालय में 2 हजार के करीब रिटायर्ड कर्मचारी लगे हैं इनमें से कई कर्मचारी तो ऐसे है जिनकी उम्र 65 साल या उससे ज्यादा हो चुकी है। अब भी वे गार्ड की तनख्वा पर कॉन्ट्रेक्ट के आधार पर डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं।

जेडीए में काम कर रहे 200 रिटायर्ड कर्मचारी

जानकारी के लिए बता दें कि जयपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी में बाबू, पटवारी समेत अन्य पदों पर बड़ी संख्या में कर्मचारी रिटायर्ड लगे हुए हैं।

इन कर्मचारियों की संख्या 200 से ज्यादा है। इसी तरह हाउसिंग बोर्ड में 30 से ज्यादा कर्मचारी ऐसे है जो रिटायर्ड होकर वापस नियोजित हो गए।

गजेंद्र सिंह शेखावत बोले- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश बदलने का संकल्प हो रहा पूरा

जोधपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। जोधपुर में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को बदलने का जो संकल्प लिया है, वह पूरा होता जा रहा है। प्रधानमंत्री ने राज करने की नई पद्धति की शुरुआत की है, जिसके माध्यम से देश के गरीबों, किसानों, महिलाओं के जीवन में लगातार परिवर्तन लाने की दिशा में काम किया जा रहा है। सरकार की योजनाएं इस संकल्प के साथ धरातल पर काम रही हैं कि गरीबों, किसानों और महिलाओं के जीवन में निरंतर पर परिवर्तन आए और वो आर्थिक रूप से मजबूत हो सकें।

लूणी विधानसभा क्षेत्र में विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर के अवलोकन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शेखावत ने कहा कि गरीबों, महिलाओं का बैंक में खाता खोलने से लेकर उनके घरों में शौचालय बनाए गए, शुद्ध पेयजल मुहैया कराया जा रहा है। उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन मुहैया कराए गए हैं। किसान निधि के माध्यम से किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। आयुष्मान योजना के तहत गरीबों के जीवन में आने वाली स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को भी कम किया जा रहा है।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान में देश का ग्रोथ इंजन बनकर विकास को पंख लगाने की क्षमता है। राजस्थान देश के औद्योगिक विकास को पंख लगा सकता है। राजस्थान देश की इकॉनमी को पंख लगा सकता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में डबल इंजन की सरकार बन चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी जी की नीतियों के साथ हम प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध और संकल्पबद्ध हैं।

पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव में अपने संबोधन में शेखावत ने कहा कि किसी प्रदेश को औद्योगिक रूप से विकसित होने के लिए जिन पैरामीटर्स की आवश्यकता होती है, वो पश्चिमी राजस्थान में मौजूद हैं। औद्योगिक विकास के लिए पहली आवश्यकता जमीन की होती है, जो हमारे पास है। दूसरी आवश्यकता एनर्जी की होती है। पश्चिमी राजस्थान में क्रूड ऑयल से लेकर सोलर एनर्जी तक है। हम राजस्थान को बिजली उत्पादन में सक्षम बना रहे हैं। तीसरी आवश्यकता पानी की होती है। सामान्य रूप से हम सोचते हैं कि पश्चिमी राजस्थान में पानी की कमी है, लेकिन खेती में जितने पानी की आवश्यकता होती है, उसका पांचवां हिस्सा ही उद्योगों के लिए आवश्यक होता है। हम रीसाइकिल और रीट्रीट करके पानी का उद्योगों के लिए उपयोग कर सकते हैं। चौथी आवश्यकता रो-मटेरियल की होती है, हमारे पास कोयले से लेकर खनिज और सभी धातु हैं। इसके अलावा, राजस्थान का बेटा जहां कहीं भी गया है, उसने देश-दुनिया में उद्यमी के रूप में छाप छोड़ी है।

शेखावत ने कहा कि राजस्थान के उद्योगों पर भरोसा करने की आवश्यकता है। यदि हम राजस्थान के उद्योगों पर भरोसा करें तो निश्चित रूप से राजस्थान देश का ग्रोथ इंजन बनकर विकास को पंख लगा सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि मुख्यमंत्री जी के सक्षम नेतृत्व और प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार राजस्थान के औद्योगिक परिदृश्य को बदलने में कामयाब होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने वोकल फॉर लोकल और एमएसएमई सेक्टर को महत्ता प्रदान की। वर्ष 2014 से छोटे उद्योगों को राहत प्रदान करने के लिए उन्हें संबल प्रदान किया। उनकी वस्तुओं के लिए प्लेटफार्म खड़े किए।

7 शहरों से चलेंगी अयोध्या के लिए बसें

26 जनवरी के बाद रोडवेज शुरू करेगा सर्विस; महिलाओं को मिलेगी छूट

जयपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। श्री रामलला मंदिर दर्शन के लिए राजस्थान रोडवेज 26 जनवरी के बाद प्रदेश के सातों संभाग से अयोध्या के लिए सीधे रोडवेज बस सुविधा संचालित करने जा रही है।

दरअसल हाल ही रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसकी घोषणा की थी। इसके चलते रोडवेज ने पूरी तैयारी कर ली है। जयपुर से अयोध्या के लिए रोज शाम को 6:20 बजे एसी स्लीपर बस जयपुर के सिंधी कैंप से अयोध्या के लिए संचालित होती है। यह सुबह 8 बजे अयोध्या पहुंच जाती है। इसके बाद यही वापसी में शाम को साढ़े चार बजे चलकर सुबह 7 बजे जयपुर पहुंचती है। इसका सामान्य किराया 1644 रूपए प्रति सीट और 1705 रूपए स्लीपर का है। महिलाओं को सीट के 1480 रूपए और स्लीपर के 1542 रूपए रुपए है।

यह बस नेपाल जाने वाले यात्रियों के लिए सोनाली तक संचालित होती है, लेकिन अब अयोध्या के लिए भी इस बस में यात्री सफर करने लगे हैं। इसमें ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा है। इससे पहले इस बस में अयोध्या के कोई बुकिंग नहीं होती थी, लेकिन अब 15 से 20 बुकिंग अयोध्या की होती है। रोडवेज के पास बस कम होने के कारण अभी जयपुर के अलावा अन्य जगहों से केवल श्री-बाई-टू एक्सप्रेस बसों का संचालन करेंगे। हालांकि यह सफर यात्रियों के लिए आरामदायक तो नहीं रहेगा, लेकिन बस होने से जो यात्री अन्य संसाधनों से सफर नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें यह काफी लाभ देगी। रोडवेज ने करीब 76 एसी बसों का टेंडर किया है, जो करीब 120 दिनों के बाद मिलेंगी।

बसों के संचालन के लिए किराया सूची तैयार नहीं हुई है, लेकिन कम से कम किराया 1200 रुपए होगा। महिलाओं को भी सरकार की ओर से दी जाने वाली 50 फीसदी की छूट बसों में मिलेगी। इनको राजस्थान सीमा में यह छूट दी जाती है।

2 पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक

16 और लोगों को पुलिस पदक की घोषणा

जयपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा गणतंत्र दिवस 2024 की पूर्व संध्या पर राजस्थान के 2 पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक व 16 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को पुलिस पदक प्रदान करने की घोषणा की गई है।

राजस्थान महानिदेशक पुलिस यूआर साहू ने इन सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को पदकों के लिए बधाई दी है। बता दें कि विशिष्ट सेवा के लिये राष्ट्रपति पुलिस पदक से अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड सचिन मित्तल एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस इंटेलिजेंस एस. सेंगाथिर को चुना गया है।

16 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को पुलिस पदक

प्रदेश के 16 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक के लिए चुना गया है। इनमें

उप पुलिस महानिरीक्षक मानवाधिकार शिवराज मीना, पुलिस अधीक्षक इंटेलिजेंस राममूर्ति जोशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीआईडी एसएसबी जोन जयपुर ग्रामीण रतन सिंह, पुलिस निरीक्षक आरपीए धीरज वर्मा, पुलिस निरीक्षक सीआईडी एसएसबी जोन उदयपुर अंजना मालवी, कंपनी कमाण्डर एसडीआरएफ जयपुर करणी सिंह व पुलिस उप निरीक्षक तकनीकी सैल एसएसबी जयपुर गंगा सिंह गौड़ शामिल है।

पदक पाने वाले अन्य

इसी प्रकार पुलिस पदक पाने वालों में सहायक उप निरीक्षक कार्यालय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय जयपुर ग्रामीण रामावतार मीना, सहायक उप निरीक्षक कार्यालय महानिरीक्षक पुलिस अजमेर रेंज सरफराज मोहम्मद, हेड कांस्टेबल 114 नवीं बटालियन आरएसी टोंक अखेराज सिंह, हेड कांस्टेबल 98 द्वितीय बटालियन आरएसी कोटा प्रह्लाद मीना, हेड कांस्टेबल 31 आरपीए जयपुर विक्रम सिंह, हेड कांस्टेबल 117 सीआईडी सीबी जयपुर हरि किशोर शर्मा शामिल है। इसी प्रकार कांस्टेबल 710 पुलिस थाना सामोद जयपुर ग्रामीण पूरणमल, कांस्टेबल ड्राइवर 471 सीआईडी सीबी जयपुर प्रकाश चन्द्र, कांस्टेबल 245 पुलिस नियंत्रण कक्ष आयुक्तालय जोधपुर ओम प्रकाश सीरवी, कांस्टेबल 510 सीआईडी सीबी जयपुर सलीम खान तथा कांस्टेबल 322 एसओजी जयपुर हरगोविंद का पुलिस पदक के लिये चयन किया गया है।

रसद विभाग की अवैध रिफिलिंग पर कार्रवाई

17 गैस सिलेंडर किए गए जब्त

अजमेर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर रसद विभाग ने अवैध रिफिलिंग पर कार्रवाई करते हुए रसोई गैस सिलेंडर का दुरूपयोग किए जाने पर 17 गैस सिलेंडर जब्त किए है। उक्त बातों की जानकारी रसद विभाग के प्रर्वतन अधिकारी नीरज जैन ने दी है।

रसद विभाग के प्रर्वतन अधिकारी नीरज जैन ने बताया कि क्षेत्र में रसोई गैस सिलेण्डर का दुरूपयोग करने की शिकायत सामने आने पर प्रर्वतन अधिकारी हेमन्त कुमार आर्य, प्रर्वतन निरीक्षक योगेश कुमार मिश्रा एवं अंकुर अग्रवाल का दल गठित किया गया। दल के द्वारा क्षेत्र में कार्रवाई कर सुमेर सिंह के द्वारा लिए गए किराए के स्थान घोषी कॉलोनी नूर ए इलाही मस्जिद की गली में कार्रवाई कर 17 सिलेंडर जब्त किए गए।

इनमें 7 व्यवसायिक सिलेंडर, 10 घरेलू सिलेंडर एवं एक रिफिलिंग पाइप शामिल है। सुमेर सिंह पर एलपीजी आदेश 2000 तथा ईसी एक्ट 1955 के तहत सक्षम न्यायालय में प्रकरण पेश किया गया है।

इलाके में लंबे समय से अवैध रूप से गैस रिफिलिंग का कार्य किया जा रहा था जिसको लेकर क्षेत्रवासी लंबे समय से परेशान थे, ऐसे में रसद विभाग ने शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई करते हुए कार्रवाई की ओर गैस सिलेंडरों को जब्त किया।

पूर्व उप मुख्यमंत्री व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष हरिशंकर भाभड़ा का निधन, सीएम ने जताया दुख

जयपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष हरिशंकर भाभड़ा का 96 साल की आयु में निधन हो गया। हरिशंकर भाभड़ा को राजनीतिक सुचिता, कुशल राजनीतिज्ञ और अच्छा प्रशासक के साथ सार्वजनिक जीवन में शुचिता, पारदर्शिता एवं स्पष्टवादिता के रूप में जाना जाएगा। वर्षों-वर्ष तक सक्रिय राजनीति में रहे हरि शंकर भाभड़ा राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष रह चुके हैं। उन्होंने 16 मार्च 1990 से 5 अक्टूबर 1994 तक (दो बार) अध्यक्ष का पद संभाला था। पहली बार हरिशंकर भाभड़ा 1985 में रतनगढ़ विधानसभा सीट से जीतकर विधानसभा पहुंचे थे।

वित्तीय मामलों के विशेषज्ञ हरिशंकर भाभड़ा पिछले लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे, जिसके चलते लगातार उनसे देश-प्रदेश के बड़े नेता मिलने पहुंच रहे थे। भैरोंसिंह शेखावत सरकार में उप मुख्यमंत्री और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष हरिशंकर भाभड़ा से हाल ही में 27 दिसंबर को सीएम भजनलाल शर्मा ने भी भाभड़ा से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी। इसके अलावा दिसंबर महीने में ही उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़, सांसद राहुल कस्वा सहित कई नेताओं ने मुलाकात की थी। भाभड़ा के निधन से बीजेपी परिवार में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार, आज दोपहर 2 बजे मालवीय नगर प्रधान मार्ग पर स्थित मोधक्षाम में भाभड़ा का अंतिम संस्कार होगा। भाभड़ा की अंतिम यात्रा में भाजपा के कई बड़े नेता शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया ट्वीट

भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य, राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री हरि शंकर जी भाभड़ा का निधन प्रदेश की अपूरणीय क्षति है। वह सार्वजनिक जीवन में शुचिता, पारदर्शिता एवं स्पष्टवादिता की प्रतिमूर्ति थे। प्रभु श्री राम दिवंगत पुण्यात्मा को अपने परम धाम में स्थान व शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भी किया ट्वीट

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भी ट्वीट कर लिखा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष रहे श्री हरिशंकर भाभड़ा जी का निधन राजनीतिक जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मैं ईश्वर से उनके मोक्ष की आकांक्षा करते हुए परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

पुलिस और डकैतों के बीच मुठभेड़

25 हजार के इनामी डकैत को जंगल से दबोचा

धौलपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। सीओ बाबूलाल मीणा ने बताया आईजी भरतपुर रेंज रूपेंदर सिंह पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार एवं एडिशनल एसपी ओम प्रकाश मीणा के निर्देश में वांछित अपराधी एवं बदमाशों की धर पकड़ के लिए पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। धर पकड़ अभियान के दौरान जिला पुलिस लगातार कार्रवाई कर अपराधियों को सलाखों के पीछे भेज रही है। उन्होंने बताया मुखबिर द्वारा सूचना मिली की 25-25 के इनामी डकैत अजीत ठाकुर एवं कल्याण ठाकुर करौली जिले के मडराल क्षेत्र में छिपे हुए हैं।

मुखबिर की सूचना पर सैपऊ, कंचनपुर एवं सरमथुरा पुलिस थाने से टीम का गठन किया गया। कार्रवाई में साइबर सेल को भी शामिल कर डकैतों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम को मंडरायल भेजा

गया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जैसे ही डकैतों को पकड़ने का प्रयास किया तो बाइक से दोनों डकैत फरार हो गए। पुलिस टीम ने लगातार डकैतों का पीछा किया। सीओ बाबूलाल मीणा ने बताया कि धौलपुर जिला समेत भरतपुर एवं करौली जिले में भी नाकाबंदी कराई गई। डकैत पुलिस के दबाव को देख सरमथुरा थाना क्षेत्र में बाइक से घुस गए। डोमई गांव के पास जंगलों में बाइक फिसल कर गिर गई। इस दौरान दोनों डकैतों ने पुलिस पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। डिफेंस में पुलिस ने भी बचाव करते हुए डकैतों पर गोली चलाई, लेकिन दोनों डकैत जंगल में गहरे गड्ढे में गिरने से घायल हो गए। पुलिस टीम ने सुनियोजित तरीके से दोनों डकैतों को मौके से घेराबंदी कर दबोच लिया है। दोनों डकैतों के पैरों में गड्ढे में गिरने से चोट लगी है। उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती करा दिया है। उपचार कराने के बाद दोनों डकैतों से पूछताछ की जाएगी।

गिरफ्तार शुदा डकैत अजीत ठाकुर एवं कल्याण ठाकुर के सहयोगी डकैत विष्णु, कल्ला उर्फ करुआ एवं लालू को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पांचों डकैतों ने 22 दिसंबर 2023 को सैपऊ थाना क्षेत्र के करीमपुर गांव स्थित एक पेट्रोल पंप पर लूट की नीयत से फायरिंग कर दहशत फैलाई थी। पेट्रोल पंप संचालक ने नामजद बदमाशों के खिलाफ स्थानीय पुलिस थाने में आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया था। पेट्रोल पंप पर फायरिंग की घटना के बाद बदमाश लगातार फरार चल रहे थे। डकैत विष्णु, कल्ला उर्फ करुआ एवं लालू को पुलिस पूर्व में ही गिरफ्तार कर चुकी थी, लेकिन अजीत ठाकुर एवं कल्याण ठाकुर पुलिस को चकमा देकर ठिकाने बदलते हुए लगातार फरार चल रहे थे।

फर्जी सिलिकोसिस प्रमाण पत्र जारी करने का मामला

दौसा सहित राज्य के 9 डॉक्टर पर गिरी गाज

दौसा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की निवर्तमान गहलोत सरकार के समय सिलिकोसिस बीमारी के प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में दौसा जिले के मरीजों की संख्या ज्यादा होने के चलते गहलोत सरकार के समय यह मामला सामने आया था। अब राजस्थान में जैसे ही भजनलाल सरकार अस्तित्व में आई, वैसे ही प्रदेश में भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस नीति पर काम शुरू करते हुए सूबे में कांग्रेस राज में हुए भ्रष्टाचार पर प्रहार होना शुरू हो गया। बता दें कि भजनलाल सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए दौसा, जयपुर, भीलवाड़ा जिले सहित में फर्जी तरीके से रोगियों को सिलिकोसिस के प्रमाण पत्र जारी कर करोड़ों रुपए के घोटाले के मामले में चिकित्सा विभाग की और से बड़ी कार्रवाई की है।

इस कार्रवाई में दौसा जिले के 6 डॉक्टरों सहित अन्य जिलों के 3 डॉक्टर और दौसा के 11 चिकित्सा कर्मचारियों को एपीओ के आदेश हो गये है। दरअसल, अकेले दौसा जिले में सिलिकोसिस मरीजों के आंकड़े लगातार बढ़ रहे थे, जिसके चलते चिकित्सा विभाग को लगातार चिकित्सकों द्वारा मिलीभगत कर रोगियों को फर्जी तरीके सिलिकोसिस के प्रमाण पत्र जारी करने की शिकायतें भी मिल रही थी।

दर्दनाक हादसा: डिवाइडर से टकराईं कार, एक की मौत, तीन गंभीर घायल, सभी बीएसएफ के जवान

बीकानेर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। कोहरे के चलते जयपुर रोड बाईपास पर एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। यहां घने के कोहरे के चलते विजिबिलिटी कम थी, जिसके चलते कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। बता दें कि इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए है। जानकारी के मुताबिक ये सभी बीएसएफ के जवान है। सभी ट्रेनिंग पीरियड में एक साथ थे छुट्टी मिलने के बाद दिल्ली से जैसलमेर घूमने के लिए जा रहे थे। आज सुबह जब ये लोग बीकानेर पहुंचे तो जयपुर रोड बाईपास पर घना कोहरा था। इन्हें बाइपास का डिवाइडर नहीं दिखा और कार डिवाइडर से जा टकराईं।

बताया जा रहा है कि हादसा इतना जबरदस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए। सूचना मिलने पर आसपास मौजूद लोगों की मदद से सभी घायलों को पीबीएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया।

तीन घंटे में एक परिवार के दो सदस्यों की मौत

चाची की अर्थी बांधते बांधते भतीजे की तबियत बिगड़ी, हॉस्पिटल जाते समय दम टूटा

कोटा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। कोटा में तीन घंटे के भीतर एक ही परिवार से दो लोगों की अर्थी उठी। ये सुनकर मोहल्ले में रहने वाले लोग भी हैरान रह गए। घटना 22 जनवरी की नयापुरा इलाके की है। परिवार में एक सदस्य की मौत के बाद अर्थी बांधते समय भतीजे के तबियत बिगड़ी। हॉस्पिटल ले जाते समय उसकी भी मौत हो गई। एक साथ दो अर्थी उठने से परिवार में मातम सा छा गया। तीये की बैठक में आने वालों लोग घटना के बारें में सुनकर हैरत में पड़ गए।

दरअसल नयापुरा सब्जी मंडी,जानकीनाथ मंदिर के पास रहने वाली बीना शर्मा (51) की आकस्मिक मौत हो गई थी। वीणा शर्मा न्यूरो की पेशंट थी। उनकी मौत से परिवार में गमगीन माहौल था।परिवार के सदस्य अंतिम संस्कार की तैयारी में लगे थे। भतीजे विजय प्रकाश (42) रिश्तेदार के साथ अंतिम संस्कार की सामग्री लेने गए थे। सामग्री लेकर वापस लौटने के बाद मुक्तिधाम ले जाने के लिए चाची की अर्थी बांध रहे थे। उसी समय विजय प्रकाश के सीने में दर्द हुआ। वो रिश्तेदार के साथ हॉस्पिटल के लिए रवाना हुए। रास्ते मे ही विजय प्रकाश ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने पहले बीना शर्मा अंतिम संस्कार करवाया। फिर विजय प्रकाश का अंतिम संस्कार किया। रिश्तेदार शोभित शर्मा ने बताया कि विजय की चाची बीना शर्मा 2-3 साल से न्यूरो पेशेंट थी। 22 जनवरी सुबह 8 बजे करीब कार्डिक अरेस्ट से मौत हो गई थी।

अगले महीने दो और गारंटी लॉन्च होंगी : सीएम

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने जानकारी दी है कि राज्य सरकार अगले महीने में अन्य दो गारंटियों का कार्यान्वयन शुरू करेगी। गुरुवार को यहां एलबी नगर में कांग्रेस बूथ कमेटी की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार छह में से दो गारंटी पहले ही लागू कर चुकी है और अन्य दो फरवरी में शुरू की जाएंगी।

रेवंत रेड्डी, जो तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष भी हैं, ने दोहराया कि कांग्रेस सरकार सत्ता में आने के पहले 100 दिनों के भीतर सभी छह गारंटी लागू करेगी और रायथु बंधु के तहत किसानों के खातों में राशि जमा करने की प्रक्रिया शुरू करेगी। अगले माह तक योजना पूरी हो जायेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान एक भी चुनावी वादा पूरा नहीं किया और कहा कि बीआरएस को आगामी लोकसभा चुनाव में दोबारा वोट मांगने का कोई अधिकार नहीं है। विपक्ष द्वारा उन्हें गुम्पू मेस्त्री कहे जाने की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह वास्तव में गुम्पू मेस्त्री के व्यक्ति हैं क्योंकि वह पिछली बीआरएस सरकार द्वारा नष्ट किए गए तेलंगाना का पुनर्निर्माण कर रहे है। रेवंत रेड्डी ने कहा, "तेलंगाना के लोगों ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में बीआरएस को करारा सबक सिखाया है। बीआरएस पार्टी को आगामी लोकसभा चुनावों में भी ऐसे ही नतीजों का सामना करना पड़ेगा।" उन्होंने कहा, "हम पूरे तेलंगाना राज्य में इंदिरम्मा समितियां स्थापित करेंगे जिसमें बूथ स्तर की समिति के सदस्य होंगे।"

मारवाडी युवा मंच मेडचल द्वारा आज रक्तदान शिविर

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाडी युवा मंच मेडचल शाखा द्वारा आज 26 जनवरी गणतंत्र के उपलक्ष्य में एवं शहीद हुए वीर सपूतों के नाम रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। शाखा के अध्यक्ष गोगारात सिरवी एवं पुखराज भाटी ने प्रेस विज्ञप्ति द्वारा बताया कि यह शिविर मेडचल स्थित बस डिपो के सामने मेन रोड पर रखा गया है। जो सुबह 10 बजे से शुरू होगा और दोपहर 3 बजे तक चलेगा । इस शिविर में थैलीसीमिया, सिकल सेल सोसायटी के सहयोग से थैलीसीमिया पीडित बच्चों के लिए रक्त संग्रहित किया जाएगा।

स्व आनन्द स्वरूप अग्रवाल एवं श्रीमती सुमीता देवी द्वारा राम जानकी देवस्थानम ललिता बाग में आनंद मसाला परिवार द्वारा इनके सानिध्य में बने हुए राम मंदीर में अयोध्या धाम राम लला प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में महाआरती की गई। इस अवसर पर महा प्रसाद का वितरण भी किया गया। साथ ही सुन्दर कांड का पाठ हुआ। मुख्य यजमान आनंद मसाला के यज्ञानंद अग्रवाल एवं उनकी पत्नी निधि अग्रवाल द्वारा यह सभी कार्यक्रम संपन्न हुए। कार्यक्रम में भारी संख्या में भक्त जन सम्मिलित हुए।

संगीतमय महाभंडारा का आयोजन

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आयोध्या में श्री राम मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाते हुए, अगवाल समाज नाचाराम मल्लापुर और कृष्णा सखिया शाखा ने रामोत्सव और संगीतमय महाभंडारा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त डीसीपी वेंकट रमना, कुशाईगुडा एसीपी चंद्रशेखर, सर्कल इंस्पेक्टर उप्पल (इलेक्शन) रेड्डी, पार्षद मल्लापुर प्रभुदास, पल्लवी ग्रुप ऑफ स्कूल के निदेशक ए सुशील कुमार उपस्थित थे। उत्सव का सुचारू संचालन अग्रवाल समाज नाचाराम मल्लापुर और कृष्णा सखिया शाखा के सभी पदाधिकारी, सदस्य, सलाहकार और आयोजन के संयोजक उपस्थित थे। इस अवसर पर हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी को ग्रहण किया।

केबीआर पार्क में गणेश भगवान की पूजा करते हुए सुरेंद्र अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, विठ्ठल दास, विजय तंबी, चोपडा, मोहन मित्तल, पद्मा किरण, अनिता, श्रीलता, विजय अग्रवाल, विनोद तिकमनी एवं अन्य।

सरफराज अहमद, संयुक्त सीईओ, तेलंगाना को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को नई दिल्ली में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से चुनाव प्रबंधन के लिए विशेष पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अग्रणी महिला मंच के हिमायत नगर कार्यालय के छत पर 25 जनवरी 2024 को माई चौथ का कार्यक्रम संपन्न हुआ । मंच की अध्यक्ष सुमल भुवानिया के साथ बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, रूपा गुप्ता, मीनाक्षी अग्रवाल, प्रीति गोयल, वंदना पचारिया, राखी आदि उपस्थित थी।

शर्मिला ने वाईएस जगन की आलोचना की

विजयवाड़ा, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एपीसीसी अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने आज पोलावरम परियोजना के निर्माण में विफल रहने के लिए सीएम वाईएस जगन की आलोचना की। उन्होंने काकीनाडा के सूर्य कला मंदिर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस अवसर पर शर्मिला ने कहा कि रिवर्स टेंडरिंग से परियोजना के निर्माण में और देरी हो रही है। उन्होंने वाईएसआर परिवार में फूट के लिए जगन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पिछले चुनाव में वाईएसआरसीपी की जीत के लिए निस्वार्थ भाव से काम किया था। जगन्ना जिस दिन से मुख्यमंत्री बने हैं तब से वह बदल गए हैं। मेरे साथ व्यक्तिगत तौर पर गलत व्यवहार किया गया है। सीएम बनने के बाद जगन्ना ने एक बार भी विशेष राज्य के दर्जे के लिए बात नहीं की और बीजेपी के करीब हो गए। भाजपा ने राज्य के हितों को दांव पर लगा दिया और टीडीपी बिक गई है। उन्होंने कहा कि लोग तीन राजधानियों को लेकर भ्रमित हो गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि मूल राजधानी अस्तित्व में थी या नहीं। उन्होंने कहा कि सीएम विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के निजीकरण पर नहीं बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जगनन्ना की सरकार में कृषि बर्बाद हो गई है। क्या किसानों को कम से कम फसल बीमा दिया जा रहा है?

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

संसदीय दल की बैठक की अध्यक्षता करेंगे केसीआर

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता) । बीआरएस संसदीय दल की बैठक शुक्रवार को पार्टी सुप्रीमो के. चंद्रशेखर राव की अध्यक्षता में होगी। बैठक दोपहर 12.30 बजे सिद्दीपेट जिले के एर्रावल्ली स्थित केसीआर के फार्म हाउस पर होगी। केसीआर आगामी संसद सत्र की पृष्ठभूमि में पार्टी के लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों से मुलाकात करेंगे। वे संसद सत्र में अपनाई जाने वाली रणनीति और विभिन्न मुद्दों पर पार्टी के रुख पर चर्चा करेंगे।

केटीआर का दिमाग ठीक से काम नहीं कर रहा : सीताक्का

राजन्ना सिरसिला, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज मंत्री सीताक्का ने पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक केटी रामा राव पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि उनका दिमाग ठीक से काम नहीं कर रहा है और वह राजनीति को नष्ट करने में लगे हुए हैं।

मंत्री सीताक्का ने गुरुवार को वेमुलावाड़ा में श्री राज राजेश्वर स्वामी देवस्थानम का दौरा किया। बाद में, मीडिया से बात करते हुए, मंत्री ने कहा कि केटी रामा राव सत्ता के बिना दिनों का नेतृत्व करने में सक्षम नहीं थे और वह दिन पर दिन खराब व्यवहार कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का अहंकार हालिया विधानसभा चुनावों में बीआरएस पार्टी की हार का कारण है। सीताक्का ने आरोप लगाया कि केसीआर विधायक चुने जाने के बावजूद शपथ लेने नहीं आ रहे हैं जो केसीआर के अहंकार को दर्शाता है। मंत्री सीताक्का ने सुझाव दिया कि केटीआर को सर्वश्रेष्ठ विपक्षी नेता के रूप में काम करना चाहिए और राज्य सरकार को रचनात्मक सुझाव देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने सरपंचों को भुगतान किए जाने वाले 16 महीने के बिलों में से 1,200 करोड़ रुपये की हेराफेरी की और पंचायत राज विभाग में बिलों को मंजूरी देने में देरी के कारण आत्महत्या करने वाले सरपंचों की मौत का कारण बनी।

प्रभुदयाल पंच परिवार टिबा बसईवाले द्वारा शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन-3 में कथा व्यास सुश्री जयाकिशोरीजी के श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ आयोजित किया गया है। कथा का रसपान करते भक्तगण एवं आयोजक।

एयर मार्शल बी चन्द्र शेखर को पीवीएसएम से सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अत्यंत असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए, एयर मार्शल बाविसेट्टी चंद्र शेखर एवीएसएम को परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम) से सम्मानित किया गया है। एयर मार्शल को 21 दिसंबर, 1984 को हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में भारतीय वायु सेना की उड़ान शाखा में नियुक्त किया गया था। उनके पास विशाल परिचालन अनुभव है, उन्होंने देश के सभी क्षेत्रों में भारतीय वायुसेना के अधिकांश हेलीकॉप्टरों को उड़ाया है। 5,400 घंटे से अधिक। 2008 में वायु सेना प्रमुख द्वारा उनकी सराहना की गई और 2020 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) से सम्मानित किया गया।

डीजीपी रविगुप्ता ने विजेताओं को बधाई दी

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को डीजीपी रविगुप्ता ने नकद पुरस्कार सौंपे। ये पुरस्कार गुरुवार को राज्य के डीजीपी कार्यालय में आयोजित एक विशेष समारोह में दिए गए। पुलिस कल्याण विभाग के आईजीपी स्टीफन रवींद्र और अन्य लोगों की उपस्थिति में हुई एक बैठक में, डीजीपी ने बताया कि पिछले पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता दो श्रेणियों एएसआई, एआरएसआई और उनके कनिष्ठ कर्मचारियों में पहली श्रेणी, एसएसआई, आरएसआई और में आयोजित की गई थी।

उनके वरिष्ठ कर्मचारी। यह पता चला है कि दूसरी श्रेणी को ध्यान में रखते हुए आयोजित प्रतियोगिताओं में 12 लोगों को विजेता घोषित किया गया है। प्रथम पुरस्कार के रूप में 20 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 15 हजार और तृतीय पुरस्कार के रूप में 10 हजार रुपये नकद देने का निर्णय लिया गया है। इस मौके पर डीजीपी ने विजेताओं को बधाई दी. इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पुलिस कर्मी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। न केवल इस प्रतियोगिता में बल्कि भविष्य में भी पुलिस कर्मियों को और अधिक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाने की सलाह दी जाती है।

जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव को राज्यपाल के हाथों मिला पुरस्कार

आसिफाबाद 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में राज्य की राजधानी हैदराबाद में आयोजित एक समारोह में कोमराम भीम आसिफाबाद के जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव को राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन के हाथों सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार मिला।

कांग्रेस ने पीएम मोदी पर उनकी गारंटियों को लेकर भी सवाल किया

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम नरेंद्र मोदी पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी के एक कार्यक्रम में कहा कि भगवान की तस्वीर दिखाने से गरीब लोगों का पेट नहीं भरता है। उन्होंने यह भी कहा कि संकट के समय में पीएम नरेंद्र मोदी कोई न कोई बहाना खोज लेते हैं। लोगों को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमारे पास बहुत सारे ऐसे नेता हैं जो झूठ बोलते हैं।

पीएम ने भी कई वादे किए थे। हर अखबार के पहले पेज पर वो मोदी की गारंटी के विज्ञापन छपवाते हैं। उन्होंने कहा कि वो दो करोड़ रोजगार देंगे, क्या उन्होंने ऐसा किया? उन्होंने काला धन वापस लाने का भी वादा किया था और पंद्रह लाख रुपये देने का वादा किया था।

क्या उन्होंने ऐसा किया?

पुस्तकालयों के विकास से बेरोजगार युवाओं के लिए अधिक अवसर : दीपक तिवारी

आसिफाबाद 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अपर समाहर्ता दीपक तिवारी ने कहा कि, पुस्तकालयों के विकास से बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरियों के लिए आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अधिक अवसर प्रदान किये जायेंगे। गुरुवार को जिला केंद्र स्थित जिला पुस्तकालय का औचक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिला अपर समाहर्ता ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक सभी पुस्तकें पुस्तकालयों में उपलब्ध करा दी गई हैं। अभ्यर्थी इस सुविधा का लाभ उठाकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करें और सफलता प्राप्त करें।

मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से कोई नही रोक सकता : किशन

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने कहा है कि संसदीय उम्मीदवारों का चयन एक सप्ताह में पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी उम्मीदवारों की घोषणा अगले सप्ताह में होने की संभावना है। साथही उन्होंने कहा कि, मजलिस का विरोध करने वाले सभी लोगों को भाजपा में आना चाहिए। अगर लाखों असदुद्दीन भी आ जाएं तो भी मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे।

यह कहते हुए कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 28 जनवरी को तेलंगाना का दौरा करेंगे, उन्होंने कहा कि भाजपा हैदराबाद संसदीय सीट पर तैयारी बैठक करेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी संसदीय चुनाव के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

किशन रेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस पार्टियां मजलिस पार्टी को खुश करने की कोशिश कर रही हैं। किशन रेड्डी ने बीआरएस और कांग्रेस को 'लुटेरों और चोरों की पार्टिया' बताते हुए कहा, कांग्रेस सरकार को बीआरएस सरकार के भ्रष्टाचार की जांच के बारे में कोई स्पष्ट समझ नहीं है। किशन रेड्डी ने कहा कि अगर कांग्रेस बीआरएस के भ्रष्टाचार को सामने लाने की उम्मीद करती है, तो यह एक आपदा होगी।

यह कहते हुए कि भाजपा एक उग्र पार्टी है, उन्होंने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों से भाजपा के खिलाफ बोलते समय अपना शरीर ढक के रखने को कहा। वे दिन आएंगे जब जो लोग बीआरएस-बीजेपी को एक और कांग्रेस-बीजेपी को एक होने की बात करेंगे, उन्हें चप्पलों से पीटा जाएगा।

हमें किसी पार्टी से हाथ नहीं मिलाना है। यह हैदराबाद संसद सीट से चुनाव लड़ने के लिए नहीं है। हमें असदुद्दीन को हराने के लिए काम करना होगा। हैदराबाद में मुस्लिम भाई मजलिस पार्टी को हराना चाह रहे हैं।

तेलंगाना औद्योगिक विकास के लिए मेगा मास्टर नीति का अनावरण करने के लिए तैयार : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार 2050 तक औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से एक व्यापक 'मेगा मास्टर पॉलिसी' पेश करने के लिए तैयार है। श्रीधर बाबू ने गुरुवार को यहां एक होटल में सीआईआई तेलंगाना के 5वें संस्करण 'इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड रियल एस्टेट समिट' में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, श्रीधर बाबू ने कहा कि अपनी पहल के तहत, मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी को मुसी रिवरफ्रंट के 55 किलोमीटर के हिस्से को विकसित करने का काम सौंपा गया था। उन्होंने खुलासा किया कि प्रस्तावित रिवरफ्रंट में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत मनोरंजन पार्क, झरने, जल क्रीड़ा, स्ट्रीट वेंडर, एक व्यावसायिक क्षेत्र और एक शॉपिंग मॉल की सुविधा होगी।

यह कहते हुए कि मुसी रिवरफ्रंट परियोजना को रणनीतिक रूप से एक प्रमुख पर्यटन स्थल में बदलने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें मनोरंजन पार्क और जल क्रीड़ा जैसे आकर्षण शामिल हैं, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों के लिए एक आकर्षक वातावरण बनाना है, जिसमें सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया है। गंतव्य की समग्र जीवंतता। अवकाश सुविधाओं के अलावा, नदी के किनारे व्यावसायिक क्षेत्रों और शॉपिंग मॉल को शामिल करने से उद्यमियों और निवेशकों को आकर्षित करते हुए आर्थिक अवसर पैदा करने का प्रयास किया जाता है। यह परियोजना व्यावसायिक गतिविधियों के विविध मिश्रण को भी बढ़ावा देती है, स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा देती है और समुदाय के भीतर रोजगार सृजन करती है। उन्होंने आगे बताया कि विकास एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल का पालन करता है, जो सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग पर जोर देता है और प्रस्तावित मॉडल संसाधनों और विशेषज्ञता के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करता है, अंततः टिकाऊ विकास प्रथाओं को बढ़ावा देता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

आप पर विकास ...

हमारी गति, दिशा, अप्रोच कैसी होगी, ये आप तय करेंगे। इसका एक बड़ा माध्यम मतदान ही होगा। आपके लिए जरूरी है कि अगले भारत का भाग्य उज्ज्वल बनाने के लिए वोट दें। आपका एक वोट और भारत के विकास की दिशा आपस में जुड़े हैं। आपका एक वोट भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएगा। आपका एक वोट भारत में डिजिटल क्रांति को एक और ऊर्जा देगा।

18 से 25 की आयु बड़ी जिम्मेदारी वाली है :

18 से 25 वर्ष की आयु ऐसी होती है जब किसी का भी जीवन बहुत से बदलावों का साक्षी बनता है। इन्हीं बदलावों के बीच आप सभी को एक और जिम्मेदारी साथ-साथ निभानी है। ये जिम्मेदारी दुनिया की सबसे बड़ी डेमोक्रेसी में भागीदारी की है।

ये कालचक्र दो वजहों से बहुत अहम है :

पहला, आप सभी ऐसे समय में वोटर बने हैं, जब भारत का अमृतकाल शुरू हुआ है। दूसरा, कल 26 जनवरी को देश अपना 75वा गणतंत्र दिवस मनाएगा। अगले 25 साल आपके लिए भी और भारत के लिए भी दोनों के लिए ही महत्वपूर्ण है। आपका एक वोट, भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएगा। आपका एक वोट भारत में एक स्थिर और बड़े बहुमत वाली सरकार लाएगा। आपका एक वोट, डिजिटल क्रांति को और ऊर्जा देगा। आपका एक वोट, भारत को अपने दम पर अंतरिक्ष में पहुंचाएगा। आपका एक वोट, भारत में पहला पैसेंजर एयरक्राफ्ट बनाएगा। आपका एक वोट, दुनिया में भारत की साख और बढ़ाएगा।

परिवारवाद ऐसी बीमारी है, जो देश के युवाओं को आगे बढ़ने से रोकती है। परिवारवाद को बढ़ावा देने वाली पार्टियों में दूसरे युवा कभी आगे नहीं बढ़ पाते। ऐसी पार्टियों की सोच युवा विरोधी होती है। आज भारत के पासपोर्ट को बहुत गर्व के साथ दुनिया में देखा जाता है। ये युवाओं के लिए बहुत बड़ा अवसर है। इस वजह से बीते वर्षों में भारत में रिकॉर्ड एफडीआई आया है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी आज रिकॉर्ड स्तर पर है। कभी सोना गिरवी रखना पड़ता था। आज दूसरी स्थिति है।

राष्ट्रपति का देश ...

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि कल वह दिन है जब हम संविधान के लागू होने का जश्न मनाएंगे। इसकी प्रस्तावना "हम, भारत के लोग" शब्दों से शुरू होती है, इसका मतलब है कि हमारे लोकतंत्र पर प्रकाश डालती है। भारत में, लोकतांत्रिक प्रणाली बहुत बड़ी है पश्चिमी लोकतंत्र की अवधारणा से भी पुरानी। यही कारण है कि भारत को लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। मुर्मू ने आगे कहा कि देश अमृत काल के प्रारंभिक वर्षों में है। यह परिवर्तन का समय है। हमें देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का सुनहरा अवसर दिया गया है। हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण होगा।

नई ऊंचाइयों को छू रहा भारत :

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि देश के वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ पहले से कहीं अधिक ऊंचे लक्ष्य हासिल कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक क्रांतिकारी पहल बताया। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण के लिए एक क्रांतिकारी पहल साबित होगा। यह हमारे शासन की प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने में भी काफी मदद करेगा।

कर्पूरी ठाकुर को याद किया :

बिहार के पूर्व सीएम भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर को दी श्रद्धांजलि अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने बिहार के पूर्व सीएम भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि मैं यह उल्लेख करना चाहूंगी कि सामाजिक न्याय के लिए अनवरत युद्धरत रहे, कर्पूरी ठाकुर जी की जन्म शताब्दी का उत्सव कल ही संपन्न हुआ है। कर्पूरी जी पिछड़े वर्गों के सबसे महान पक्षकारों में से एक थे, जिन्होंने अपना सारा जीवन उनके कल्याण के लिए समर्पित कर दिया था। उनका जीवन एक संदेश था। अपने योगदान से सार्वजनिक जीवन को समृद्ध बनाने के लिए, मैं कर्पूरी जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।

भारत के 'बैजबॉल' के आगे इंग्लैंड पस्त

यशस्वी की तूफानी बल्लेबाजी, जडेजा-अश्विन की घातक गेंदबाजी

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला हैदराबाद में खेला जा रहा है। पहले दिन का खेल होने तक टीम इंडिया ने अपनी पहली पारी में एक विकेट गंवाकर 119 रन बना लिए हैं। फिलहाल यशस्वी जायसवाल 70 गेंद में 76 रन और शुभमन गिल 43 गेंद में 14 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। दोनों के बीच अब तक दूसरे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी हो चुकी है। zसबसे अहम बात तो यह है कि भारत ने अभी तक अपनी पहली पारी में 23 ओवर ही बल्लेबाजी की है और एक विकेट गंवाया है। अभी भी उसके तीनों रिव्यू बाकी हैं, लेकिन इंग्लैंड अभी ही अपने तीनों रिव्यू गंवा चुकी है। उसके पास अब इस पारी में अंपायर को चुनौती देने के लिए कोई रिव्यू नहीं बचा है। पहले दिन 11 विकेट गिरे और 365 रन बने। इंग्लैंड की पहली पारी 246 रन पर समाप्त हुई थी। भारत अभी भी इस स्कोर से 127 रन पीछे है।

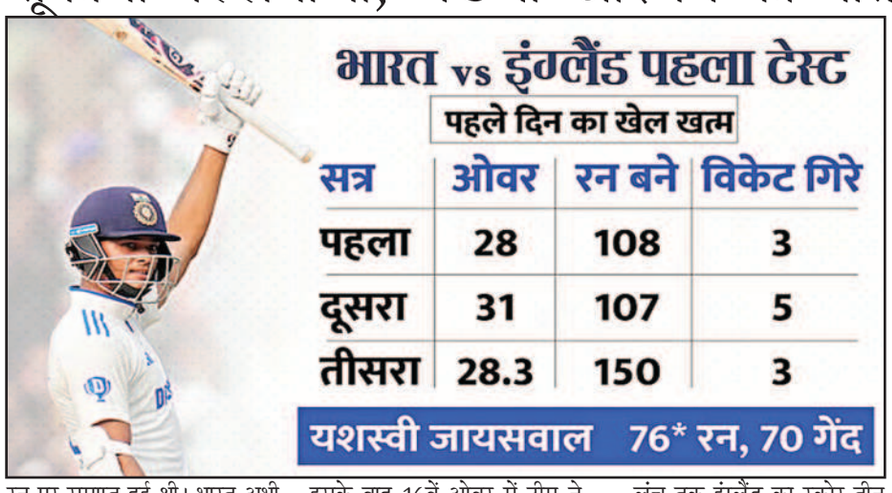

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लिश टीम की शुरुआत अच्छी रही थी। जैक क्राउली और बेन डकेट ने पहले विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी की। एक वक्त 12वें ओवर में स्कोर बिना कोई विकेट गंवाए 55 रन था, इसके बाद 16वें ओवर में टीम ने तीन रन बनाने में तीन विकेट गंवा दिए। इंग्लैंड का स्कोर 58 रन पर तीन विकेट हो गया। डकेट 35 रन और ओली पोप एक रन बनाकर आउट हुए। वहीं, क्राउली 20 रन बना सके। डकेट और क्राउली को अश्विन ने पवेलियन भेजा। वहीं, पोप को जडेजा ने आउट किया।

लंच तक इंग्लैंड का स्कोर तीन विकेट पर 108 रन था। लंच के ठीक बाद बेयरस्टो और रूट आउट हो गए। अक्षर ने बेयरस्टो को क्लीन बोल्ड किया। वह 37 रन बना सके। वहीं, जडेजा ने जो रूट को जसप्रीत बुमराह के हाथों कैच कराया। वह 60 गेंद में 29 रन बना सके। बेन फोक्स चार रन बनाकर अक्षर का दूसरा शिकार बने। वहीं, बुमराह ने भी विकेट का खाता खोलते हुए रेहान अहमद को विकेटकीपर केएस भरत के हाथों कैच कराया।

इंग्लैंड को आठवां झटका जडेजा ने दिया। उन्होंने टॉम हार्टले को क्लीन बोल्ड किया। वहीं, अश्विन ने मार्क वुड और बुमराह ने स्टोक्स को क्लीन बोल्ड कर इंग्लैंड की पारी 246 रन पर समेट दी। आउट होने से पहले स्टोक्स ने 88 गेंद पर छह चौके और तीन छक्के की मदद से 70 रन बनाए। अश्विन और जडेजा ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि बुमराह और अक्षर को दो-दो विकेट मिले। जवाब में जब भारतीय टीम बल्लेबाजी के लिए उतरी तो किसी को अंदाजा नहीं था कि क्या होने वाला है। इंग्लैंड ने पिछले कुछ समय में नई शैली की क्रिकेट खेली है। टेस्ट में इसे बैजबॉल क्रिकेट कहा गया, जो कि इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट कप्तान ब्रैंडन मैकुलम के नाम पर है।

प्रगनाननंदा ने महिला विश्व चैंपियन वेन जुन को हराया, नाम की खास उपलब्धि

नीदरलैंड, 25 जनवरी (एजेंसियां)। आर प्रगनाननंदा ने चार बार की महिला विश्व चैंपियन चीन की वेन जुन को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से बढ़त बना ली है। वह नौ दौर के बाद 5.5 अंकों के साथ नीदरलैंड के अनीश गिरी, भारत के डी गुकेश, उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव के साथ बढ़त पर हैं। गुकेश ने साथी खिलाड़ी विदित गुजराती के साथ ड्रॉ खेला। गुजराती के पांच अंक हैं। प्रगनाननंदा ने वेनजुन को हराने में सिर्फ 33 चालों का सहारा लिया। वह हाल के वर्षों में पुरुष और महिला वर्ग के विश्व चैंपियनों को हराने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को भी इसी टूर्नामेंट में हराया था।

प्रगनाननंदा 12 साल की उम्र में ही ग्रैंडमास्टर बन गए थे। उनका जन्म 10 अगस्त 2005 को चेन्नई में हुआ था। वह तीन साल उम्र में ही शतरंज से जुड़ गए थे। प्रगनाननंदा के पिता रमेशबाबू बैंक में करते हैं। उन्होंने पोलियो से ग्रसित होने के बावजूद हिम्मत नहीं हारी और बच्चों का अच्छे से पालन-पोषण किया। प्रगनाननंदा की बड़ी बहन वैशाली को भी यह खेल पसंद था और उन्हें देखकर ही प्रगनाननंदा ने शतरंज खेलना शुरू किया। प्रगनाननंदा के लिए साल 2018 खास रहा। वह महज 12 साल की उम्र में ही ग्रैंडमास्टर बन गए थे। वह भारत के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बने थे। इस मामले में उन्होंने विश्वनाथन आनंद को पीछे छोड़ा था।

आनंद 18 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बने थे। प्रगनाननंदा दुनिया के दूसरे सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बने थे। उनसे आगे सिर्फ यूक्रेन के सिर्जी कर्जाकिन हैं।

वह साल 1990 में सिर्फ 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बन गए थे। पिछले साल वह फिडे विश्वकप शतरंज के फाइनल में हार गए।

बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में

दूसरी वरीयता प्राप्त झीझेन-मैचेक को दी शिकस्त

मेलबर्न, 25 जनवरी (एजेंसियां)। रोहन बोपन्नी और मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष युगल स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गई है। गुरुवार को मेलबर्न के रोड लेवर एरेना में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इस जोड़ी ने दूसरी वरीयता प्राप्त झैंग झीझेन और थॉमस मैचेक की जोड़ी को 6-3, 3-6, 7-6 (10-7) से हरा दिया। बोपन्ना पहली बार इस ग्रैंडस्लैम के किसी भी स्पर्धा के फाइनल में पहुंचे हैं। वहीं, एबडेन के साथ वह लगातार दूसरे ग्रैंडस्लैम के पुरुष युगल के फाइनल में पहुंचे हैं।

फाइनल में इनसे हो सकता है सामना

फाइनल में बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी का सामना जर्मनी के डोमिनिक कोएफर और यानिक हानमैन और इटली के आंद्रे वावासोरी और साइमन बोलेली की जोड़ी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी ने छठी वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के मैक्सिमो गोंजालेस और आंद्रेस मोल्तेनी को एक घंटे 46 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल में 6-4, 7-6 से हराया था।

सेमीफाइनल में पहला सेट 32 मिनट में 6-3 से आसानी से जीतने के बाद दूसरे सेट में 3-6 से हार गए थे। इसके बाद तीसरा सेट 6-6 से बराबर रहने पर मैच टाईब्रेकर में गया, जिसे बोपन्ना-एबडेन ने 10-7 से और सेट 7-6 से जीत लिया। इसी के साथ मैच भी अपने नाम कर लिया।

2023 में भी ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे

43 साल के बोपन्ना 2023 में भी ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन मिश्रित युगल स्पर्धा में। तब बोपन्ना सानिया मिर्जा के साथ मिश्रित युगल के फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन फाइनल में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। वहीं ओवरऑल यह बोपन्ना का पुरुष युगल में तीसरा ग्रैंडस्लैम फाइनल है। इससे पहले वह 2023 में एबडेन के साथ ही यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, जहां उन्हें राजीव राम और जोए सैलिसबरी की जोड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा बोपन्ना पाकिस्तान के ऐसाम उल हक कुरैशी के साथ ग्रैंडस्लैम (यूएस ओपन)

फाइनल में भी पहुंच चुके हैं।

बोपन्ना का ऑस्ट्रेलियन ओपन में पुरुष युगल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

ऑस्ट्रेलियन ओपन में पहली बार बोपन्ना 2008 में खेले थे और 17 बार यह ग्रैंडस्लैम खेलने के बाद यह उनका सबसे शानदार प्रदर्शन है। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीसरे राउंड तक पहुंचने का था। बोपन्ना एबडेन के साथ पहली बार पुरुष युगल ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीतना चाहेंगे। हालांकि, वह मिश्रित युगल में ग्रैंडस्लैम जीत चुके हैं। उन्होंने 2017 फ्रेंच ओपन ग्रैब्रिएला डैब्रोस्की के साथ जीता था। वहीं, एबडन एक बार ग्रैंडस्लैम पुरुष युगल का खिताब जीत चुके हैं। उन्होंने 2022 में ऑस्ट्रेलिया के ही मैक्स पुर्सेल के साथ विम्बलडन का खिताब जीता था। मार्च में 44 साल के होने वाले बोपन्ना अगर ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने में कामयाब होते हैं तो ग्रैंडस्लैम पुरुष युगल का खिताब जीतने वाले दुनिया के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन जाएंगे।

इससे पहले भारत के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना पुरुष युगल रैंकिंग में नंबर एक पर काबिज होने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनने की ओर अग्रसर हैं। 43 वर्ष के बोपन्ना टूर्नामेंट से पहले विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर थे। अब टूर्नामेंट के खत्म होने के बाद सोमवार को बोपन्ना युगल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच जाएंगे। इससे पहले अमेरिका के राजीव राम अक्तूबर 2022 में विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे। उनकी उम्र 38 थी और करियर में पहली बार शीर्ष पर पहुंचे थे। एबडेन रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचेंगे।

युगल में नंबर एक खिलाड़ी बनने वाले होंगे चौथे भारतीय

बोपन्ना 2013 में पहली बार विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचे थे। वह युगल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले लिएंडर पेस, महेश भूपति और सानिया मिर्जा के बाद चौथे भारतीय होंगे। वह अमेरिका के आस्टिन क्राइजेक से शीर्ष स्थान लेंगे जो क्रोएशिया के इवान डोडिज के साथ दूसरे दौर में हार गए थे।

बोपन्ना के करियर की अहम उपलब्धि

बोपन्ना ने 2017 में कनाडा की गैब्रियला डाब्रोवस्की के साथ फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल खिताब जीता।

वह पुरुष युगल में 2010 अमेरिकी ओपन में पाकिस्तान के ऐसाम उल हक कुरैशी के साथ और 2023 में एबडेन के साथ उपविजेता रहे थे। बोपन्ना मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में पुरूष युगल खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी रहे। उन्होंने पिछले साल एबडेन के साथ इंडियन वेल्स टूर्नामेंट जीता था।

नंबर एक रैंकिंग अगली पीढ़ी को प्रेरित करेगी : बोपन्ना

बोपन्ना ने कहा, 'यह उपलब्धि सिर्फ मेरे लिए ही नहीं बल्कि भारतीय टेनिस के लिए भी काफी अहमियत रखती है। अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए आपको किसी चीज की जरूरत होती है। सुमित नागल का भी ऑस्ट्रेलियाई ओपन शानदार रहा। उसने एक दौर का मैच जीता। पुरुष युगल में नंबर एक रैंकिंग पर बहुत गर्व है। यह काफी विशेष क्षण है। पर इसके लिए काफी कुर्बानी दी हैं। मेरे कोच और परिवार सभी ने। मेरा परिवार मेरे साथ ही यात्रा कर रहा है इसलिए यह अलग अहसास है। भारतीय टेनिस में कुछ भी नहीं हो रहा था। ग्रैंडस्लैम में पुरुष युगल खिताब जीतना मेरी इच्छा है। यह किसी अन्य का लक्ष्य नहीं है।' वहीं, भारत के पूर्व दिग्गज टेनिस खिलाड़ी महेश भूपति ने कहा- रोहन बोपन्ना दुनिया की नंबर एक रैंकिंग पर पहुंच रहे हैं जो मेरी राय में भारतीय खेल की सबसे शानदार खबरों में से एक है।'

इंडोनेशिया मास्टर्स : लक्ष्य और किरण दूसरे दौर में, प्रणय और श्रीकांत बाहर

जकार्ता, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय खिलाड़ी लक्ष्य सेन और किरण जॉर्ज ने यहां इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। वहीं, स्टार खिलाड़ी एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत शुरुआती दौर में हारकर बाहर हो गए।

दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी सेन ने चीन के वेंग होंग यांग से मलयेशिया ओपन के पहले दौर में मिली हार का बदला चुकता किया। उन्होंने चीन के खिलाड़ी पर 24-22, 21-15 से जीत हासिल की। 2022 ओडिशा ओपन और 2023 डेनमार्क मास्टर्स में सुपर 100 खिताब जीतने वाले 23 साल के जॉर्ज ने पहले दौर में एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को 18-21, 21-16, 21-19 से शिकस्त दी।

जॉर्ज ने मंगलवार को दो जीत दर्ज करने के बाद मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। अब जॉर्ज की भिड़ंत चीन के लु गुआंग जू से होगी। सेन का सामना अगले दौर में डेनमार्क के मलयेशिया ओपन विजेता एंडर्स एंटोनसेन या इंडोनेशिया के चिको औरा ड्वी वारडोयो के बीच

होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय को पहले दौर में सिंगापुर के पूर्व विश्व विजेता लोह कीन यिऊ से 18-21, 21-19, 10-21 से हार गए।

इस महीने के शुरू में इंडिया ओपन सुपर 750 के सेमीफाइनल में पहुंचे प्रणय मलयेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के भी पहले दौर में हार गए थे। प्रणय (31 वर्ष) ने पिछले साल एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने मलयेशिया के 10वीं रैंकिंग के ली जि जिया को कड़ी चुनौती दी, लेकिन वह 54 मिनट तक चले मुकाबले में 21-19, 14-21, 11-21 से हार गए।

'मेरे बयान को गलत तरीके से पेश किया गया'

मैरी कॉम ने संन्यास से किया इनकार, कही यह बात

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की महान मुक्केबाज मैरी कॉम ने संन्यास की बात कर के तहलका मचा दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स में यह बताया गया था कि इस ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज ने संन्यास ले लिया है। इसको लेकर सब हैरान थे, लेकिन अब मैरी कॉम ने एक और बयान देकर सबको चौंका दिया है। उन्होंने कहा है कि उनके संन्यास वाले बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने अभी संन्यास नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि जब भी वह संन्यास लेंगी तो खुद मीडिया के सामने आएंगी।

दरअसल, भारत की सबसे लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक मैरी कॉम ने कहा था कि कैसे आयु सीमा उन्हें अधिकांश टूर्नामेंट में भाग लेने से रोकती है और करियर लगभग समाप्त हो चुका है। हालांकि, अब एक इंटरव्यू में मैरी कॉम ने पुष्टि की कि वह अभी तक रिटायर नहीं हुई हैं, लेकिन इसको लेकर योजना जरूर बना रही हैं। इस दिग्गज मुक्केबाज ने कहा, 'मैंने कुछ मीडिया रिपोर्ट देखी हैं, जिनमें कहा गया है कि मैंने संन्यास ले लिया है। मेरे बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। मैं संन्यास लेने की कगार पर हूं, लेकिन अभी संन्यास नहीं लिया है।'

इससे पहले मैरी ने एक इवेंट में कहा था, 'मुझ में अभी भी भूख है, लेकिन दुर्भाग्य से उम्र सीमा तय होने के कारण मैं किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकती। मैं ज्यादा से ज्यादा मैच खेलना चाहती हूं, लेकिन मुझे (आयु सीमा के कारण) खेल छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। मुझे रिटायर होना है। मैंने अपने जीवन में सब कुछ हासिल किया है।' मैरी कॉम का आरोप है कि उनके इस बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने इसके पीछे की पूरी कहानी भी बताई।

अपने इस बयान के बारे में मैरी ने कहा- मैं 24 जनवरी को डिब्रूगढ़ में एक स्कूल के कार्यक्रम में हिस्सा लेने गई थीं। तब मैं बच्चों को प्रेरित कर रही थी। तब मैंने कहा था- मुझ में अभी भी खेलों में उपलब्धि हासिल करने की भूख है, लेकिन ओलंपिक में उम्र सीमा की वजह से भाग नहीं ले सकती। हालांकि, मैं खेलना जारी रख सकती हूं। मैं अभी भी फिटनेस पर ध्यान दे रही हूं और जब भी संन्यास लूंगी तो सभी को इसकी जानकारी दे दूंगी।

मैरी कॉम बॉक्सिंग इतिहास में पहली महिला मुक्केबाज हैं जिन्होंने विश्व कप में छह बार स्वर्ण पदक जीते हैं। पांच बार की एशियाई चैंपियन 2014 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला मुक्केबाज रही हैं। अनुभवी मुक्केबाज ने लंदन 2012 ओलंपिक खेलों में भी कांस्य पदक जीता। ऐसा कोई भी रिकॉर्ड या खिताब नहीं जिसे मैरी कॉम ने नहीं जीता हो। उन्होंने 18 साल की उम्र में पेंसिल्वेनिया के स्क्रैंटन में अपने पहले विश्व कप में दुनिया को हैरान कर दिया था।

वर्ल्ड चैम्पियन बॉक्सर मैरी कॉम

अपनी आक्रामक मुक्केबाजी शैली से उन्होंने सभी को प्रभावित किया और अपने पहले विश्व कप में 48 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाई। वह फाइनल में हार गईं, लेकिन उस सफलता की छाप छोड़ गईं जो वह भविष्य में हासिल करने वाली थीं। इसके बाद मैरी कॉम ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह एआईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं।

मैरीकॉम के मुक्के

मैरी कॉम 2005, 2006, 2008 और 2010 के संस्करणों में विश्व चैंपियन बनीं। 2008 का खिताब जीतने के बाद, मैरी अपने जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद ब्रेक पर चली गईं। 2012 ओलंपिक पदक जीतने के बाद, मैरी कॉम एक बार फिर अपने तीसरे बच्चे को जन्म देने के बाद ब्रेक पर चली गईं। उन्होंने वापसी की और दिल्ली में आयोजित 2018 विश्व चैंपियनशिप में फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने यूक्रेन की हन्ना ओखोटा को 5-0 से हराकर अपना छठा विश्व कप खिताब जीता। एक साल बाद उन्होंने आठवां पदक जीता, जो किसी भी पुरुष या महिला मुक्केबाज द्वारा इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा है।

भारत ने महिला विश्वकप में पोलैंड को हराया, मुमताज-दीपिका ने किए गोल

मस्कट, 25 जनवरी (एजेंसियां)। दीपिका सोरेंग और मुमताज खान के दो-दो गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी5 महिला विश्वकप में पूल-सी के पहले मैच में पोलैंड को 5-4 से हराया। मुमताज ने चौथे और 23वें मिनट में गोल किया जबकि दीपिका ने छठे और 29वें मिनट में गोल किया। मरियाना कुजूर ने 33वें मिनट में गोल दागा। पोलैंड के लिए जूलिया के (आठवां), कप्तान मारलेना रिबाचा (10वां), पाउला स्लाविंस्का (27वां) और मोनिका पोलव्जाक (29वां) ने गोल दागे। भारत ने चौथे ही मिनट में मुमताज के गोल पर बढ़त बनाई। इसके दो मिनट बाद दीपिका ने भारत की बढ़त दोगुनी की।

पोलैंड ने जवाबी हमले में दो मिनट में दो गोल किए। मुमताज के दूसरे गोल के दम पर पहले हाफ में स्कोर 3-2 था। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने रक्षात्मक खेल दिखाया। भारत के लिए कुजूर ने शानदार मूव को अंजाम देते हुए गोल किया।

स्लाविंस्का ने 27वें मिनट में पोलैंड के लिए गोल दागा, लेकिन दीपिका ने दो मिनट बाद गोल करके भारत को दो गोल की बढ़त दिलाई।

एक मिनट बाकी रहते पोलैंड के लिए मोनिका ने गोल किया, लेकिन भारत ने अपनी बढ़त बरकरार रखी। अब भारत का सामना अमेरिका से होगा।

बिहार की दुर्गा और उत्तराखंड के राहुल ने 1500 मीटर दौड़ में जीता स्वर्ण, बना रिकॉर्ड

चेन्नई, 25 जनवरी (एजेंसियां)। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में बिहार की दुर्गा सिंह और उत्तराखंड के राहुल सरनालिया ने 1500 मीटर दौड़ का स्वर्ण मीट रिकॉर्ड के साथ जीता। महाराष्ट्र की सिया सावंत (12.10) और ओडिशा के मोहम्मद बाशा (10.81 सेकंड) ने 100 मीटर में श्रेष्ठता दर्ज की। दुर्गा ने 4.29.32 मिनट और राहुल ने 3.51.12 का समय निकाला।

हरियाणा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुक्केबाजी में सात और तलवारबाजी में तीन स्वर्ण जीतकर पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। तालिका में शीर्ष पर मौजूद महाराष्ट्र के आर्यन ने जिम्नास्टिक के पैरेलल बार और वॉल्ट के स्वर्ण पदक जीतकर अपने स्वर्ण पदकों की संख्या चार कर ली। शूटिंग में मिश्रित स्पर्धा का स्वर्ण जीतने वाले हरियाणा के सम्राट राणा ने 10 मीटर एयर पिस्टल का भी स्वर्ण जीता।

कुंबले बोले- इंग्लिश गेंदबाजी में अनुभव की कमी

भारत 4-1 से सीरीज जीतेगा; बैटिंग अप्रोच बदली, इसलिए जल्दी खत्म हो रहे टेस्ट

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले का मनाना है कि दो या तीन दिन में टेस्ट समाप्त होने के पीछे सिर्फ पिच दोषी नहीं है, बल्कि बैटिंग अप्रोच भी जिम्मेदार है। इस पूर्व स्पिनर ने भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड की गेंदबाजी को अनुभवहीन करार देते हुए कहा कि भारत इस सीरीज को 4-1 से जीतेगा।

'टीमें जब भारतीय दौरे पर आती हैं, तब ही पिचों पर बात क्यों होती है? मेरा मानना है कि दो-तीन दिनों के टेस्ट के लिए केवल पिचों को जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं है। यदि मैच अच्छे कॉन्टेस्ट के साथ तीन दिन में समाप्त होता है, तो यह ठीक है। इसके पीछे बैटिंग की अग्रेसिव अप्रोच भी एक वजह है। पिछले कुछ साल में बैटिंग अप्रोच बदली है, अब बैटर्स ज्यादा रन बनाने के लिए रिस्क लेने लगे हैं। इससे ज्यादा नतीजे भी निकलने लगे हैं।'

यहां बता दें इंग्लैंड की टीम भारत को भारतीय पिचों पर पिछली 5 सीरीज से हरा नहीं पाई है। टीम को आखिरी जीत 2012 में मिली थी।

कुंबले ने यह देखना दिलचस्प होगा कि मेहमान टीम किस तरह से गेंदबाजी करती है। यह सब इस बात पर निर्भर करेगा कि जैक लीच स्पिन आक्रमण की अगुआई किस तरह करते हैं। मुझे लगता है कि इंग्लैंड टीम प्रबंधन ने पिच को देखा है और उनका मानना है कि यह टर्न लेगी। इसलिए लाइन अप में सिर्फ एक तेज गेंदबाज बेन फॉक्स को रखा। यह देखना दिलचस्प होगा कि वे कैसा प्रदर्शन करते हैं।

मैंने सोचा था कि जब हैरी ब्रूक उपलब्ध नहीं था, तो उनके पास विकेटकीपर के रूप में जॉनी बेयरस्टो के साथ जाने का विकल्प था और फिर वे एक और तेज गेंदबाज ला सकते थे। हमें नहीं पता कि बेन स्टोक्स कितनी गेंदबाजी करेंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि वे कैसा प्रदर्शन करते हैं, लेकिन यह गेंदबाजी लाइन अप काफी कम अनुभवी है।

आय से अधिक संपत्ति मामले में 'रेरा' सचिव बालकृष्ण गिरफ्तार

> तेलंगाना में अधिकारी के पास 100 करोड़ की संपत्ति मिली
> एसीबी ने 40 लाख कैश > 2 किलो सोना, महंगी घड़ियां और गैजेट्स जब्त किए

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को एक वरिष्ठ अधिकारी को उसके घरों और कार्यालयों की तलाशी के दौरान आय से अधिक संपत्ति पाए जाने के बाद गिरफ्तार कर लिया।

तेलंगाना राज्य रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (टीएसआरईआरए) के सचिव एस. बालकृष्ण को उनके और उनके रिश्तेदारों के परिसरों पर तलाशी के एक दिन बाद सुबह एसीबी ने गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के अधिकारियों ने बुधवार को बालकृष्ण के परिसरों पर विभिन्न स्थानों पर एकसाथ छापेमारी की, जो पहले हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) में टाउन प्लानिंग के निदेशक के रूप में काम कर चुके थे। मणिकोंडा में उनके विला

सहित विभिन्न स्थानों पर भ्रष्टाचार निरोधक निकाय की 14 टीमों की तलाशी आधी रात तक जारी रही। बालकृष्ण के घर, कार्यालयों, उनके रिश्तेदारों के परिसरों पर एक साथ छापेमारी की गई। तलाशी में संपत्ति की बरामदगी हुई, जिसका बाजार मूल्य 100 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है।

करीब 40 लाख रुपये नकद, दो किलोग्राम सोना, विला, फ्लैट और जमीन जैसी अचल संपत्तियों के दस्तावेज, 60 महंगी कलाई घड़ियां, करीब 40 आईफोन और लैपटॉप जब्त किए गए हैं। अधिकारियों को 100 रुपये, 200 रुपये और 500 रुपये के नोटों के बंडल मिले। इन्हें गिनने के लिए मशीनों का इस्तेमाल किया गया। एसीबी ने कम से कम चार बैंकों में लॉकरों की पहचान की है।

उन्होंने कथित तौर पर एचएमडीए में योजना निदेशक और नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास (एमएयूडी) में प्रभारी निदेशक के रूप में काम करते हुए संपत्ति अर्जित की थी। जारी तलाशी से और अधिक संपत्तियों का पता चलने की संभावना है। एसीबी ने उन शिकायतों के बाद जांच शुरू की और तलाशी ली कि उन्होंने कथित तौर पर विभिन्न कार्यों के लिए मंजूरी देने में अनियमितताएं की और उनके पास आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति थी।

दिल्ली से चल रहा है तेलंगाना का प्रशासन : केटीआर

हैदराबाद,25 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने सीएम रेवंत रेड्डी पर राज्य में रैतू भरोसा शुरू करने के बारे में झूठ बोलने का आरोप लगाया है। उन्होंने सीएम से ऐसे झूठ बोलने के लिए माफी मांगने की मांग की है। केटीआर ने गुरुवार को मीडिया से खुलकर बात की।

केटीआर ने कहा सीएम दावोस गए और विश्व मंच पर झूठ बोला। किसान आश्वासन की बात करना लोगों को गुमराह करना है। रेवंत रेड्डी ने 45 दिनों में केवल दिल्ली यात्राएं कीं। तेलंगाना का प्रशासन दिल्ली से चलाया जा रहा है। सीएम को लोगों को बताना चाहिए कि नया कैंप ऑफिस क्यों? सरकार को राजनीतिक पुनर्वास का केंद्र बना दिया गया है। अब अडानी कंपनियों के साथ डील कैसी है? हम तब तक पीछा करेंगे जब तक कांग्रेस द्वारा दिए गए 420 वादे पूरे नहीं हो जाते।

तेलंगाना विधानसभा का अगला सत्र जल्द : उत्तम

हैदराबाद,25 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि राज्य विधानसभा का अगला सत्र जल्द ही बुलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सत्र का कार्यक्रम जल्द ही घोषित किया जाएगा। करीमनगर के प्रभारी मंत्री के रूप में, उन्होंने अपने सचिवालय कक्ष में जिले के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा की। समीक्षा में भाग लेने वालों में मंत्री पोन्नम प्रभाकर भी शामिल थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मेदिगड्डा बैराज स्तंभों की शिथिलता पर सतर्कता रिपोर्ट सदन का अगला सत्र बुलाए जाने तक तैयार होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच भी अभी तक उन्हें नहीं मिली है और कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के बैराजों के निर्माण में कथित अनियमितताओं की जांच जारी है। यह विश्वास जताते हुए कि कांग्रेस तेलंगाना में 17 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से कम से कम 13 पर जीत हासिल करने में सक्षम होगी, मंत्री ने कहा कि बीआरएस का दावा कि वह संसदीय चुनावों में वापसी करेगी, दूर की कौड़ी है। उन्होंने कहा, अब यह मुख्य रूप से कांग्रेस और भाजपा के बीच होगा और बीआरएस इसमें बहुत पीछे रहेगी।

महेंद्र रेड्डी को टीएसपीएससी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व डीजीपी महेंद्र रेड्डी को तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। महेंद्र रेड्डी की नियुक्ति को राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौदरराजन ने गुरुवार को मंजूरी दे दी। वह जल्द ही टीएसपीएससी के नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालेंगे इसी तरह, पूर्व आईपीएस अधिकारी अनिता राजेंद्रम, पलवई रजनी कुमार, अमीर उल्लाह खान, यादैया और वाई राममोहन राव को आयोग के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। इससे पहले जनार्दन रेड्डी टीएसपीएससी के पद पर थे। हालांकि, जब तेलंगाना में कांग्रेस सरकार सत्ता में आई तो उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था।

जनार्दन रेड्डी के कार्यकाल के दौरान, टीएसपीएससी के पेपर लीक हो गए और परीक्षा स्थगित कर दी गई। कांग्रेस सरकार ने टीएसपीएससी के सभी सदस्यों और अध्यक्ष को पदों से इस्तीफा देने के लिए कहा है और नई भर्तियों की नियुक्ति के लिए कदम उठाए हैं। चेयरमैन पद के लिए आए आवेदनों की गहन जांच के बाद राज्य सरकार पूर्व डीजीपी महेंद्र रेड्डी के पक्ष में दिखी। आखिरकार राज्यपाल ने भी महेंदर रेड्डी की नियुक्ति पर अपनी सहमति दे दी।

साइबराबाद डीसीपी ट्रैफिक ने सड़क सुरक्षा माह को लेकर जागरूकता बैठक की

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क सुरक्षा माह 2024 (15 जनवरी से 14 फरवरी) के मद्देनजर साइबराबाद डीसीपी (यातायात) डी.वी. श्रीनिवास राव ने अन्य यातायात शाखा अधिकारियों के साथ आज डीसीपी माधापुर यातायात कार्यालय, गाचीबोवली में स्कूलों और कॉलेज प्रबंधनों के साथ यातायात जागरूकता बैठक की। बैठक में स्कूलों और कॉलेजों के सामने यातायात भीड़ की समस्या को कम करना, यातायात की भीड़ से बचने और अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए बच्चों को स्कूल और कॉलेज परिसर के अंदर उतरने और लेने के लिए उतरने का स्थान बनाया जाना चाहिए। सुनिश्चित करें कि स्कूलों और कॉलेज बसों के लिए ड्राइवरों को काम पर रखते समय पेशेवर होना चाहिए और उनके पास वैध भारी वाहन ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए और नशे में ड्राइविंग आदि को रोकने के लिए एक चेकिंग तंत्र विकसित करना चाहिए। स्कूलों और कॉलेज प्रबंधन से निर्धारित स्थानों पर पार्किंग सुविधा की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया। यदि स्कूलों और कॉलेजों में पार्किंग की सुविधा नहीं है, तो उन्हें पार्किंग स्थल किराए पर लेना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए जहां छात्रों, अभिभावकों और ड्राइवरों के बीच सड़क सुरक्षा जागरूकता हो। डीसीपी ने स्कूलों और कॉलेज प्रबंधन से यातायात संबंधी मुद्दों को साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस के ध्यान में लाने को कहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.